

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

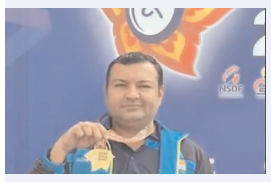
राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 43 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 9 अक्टूबर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पैरा एशियन गेम्स के चयन पर भ्रष्टाचार के आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में होने वाले पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय दल के चयन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। एशिया रैंकिंग में शीर्ष स्तर पर मौजूद पिस्टल शूटर आकाश और संदीप कुमार ने चयन प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और वित्तीय मांगों के गंभीर आरोप लगाए हैं। खिलाड़ियों का दावा है कि उनसे कहा गया कि यदि प्रतियोगिता में पदक आता है और सरकार की ओर से पुरस्कार राशि मिलती है तो उसका 20 प्रतिशत हिस्सा कमीशन के तौर पर देना होगा। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि कमीशन की मांग करने वालों में पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) के अधिकारी और शूटिंग तकनीकी समिति के सदस्य शामिल थे। उन्होंने चयन प्रक्रिया में क्वालिफाइंग स्कोर से कथित छेड़छाड़ और चयन समिति में बदलाव किए जाने के आरोप भी लगाए हैं। खिलाड़ियों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के महानिदेशक से पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

अहमदाबाद की जीवनरेखा IKDRC अस्पताल में करोड़ों का महा-घोटाला

बैकडोर भर्तियों से लेकर वित्तीय अनियमितताओं तक स्वास्थ्य मंत्रालय की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिविल अस्पताल परिसर के भीतर संचालित होने वाली और देश-विदेश के लाखों किडनी एवं अन्य गंभीर रोगियों के लिए अंतिम आशा का केंद्र मानी जाने वाली सुपर-स्पेशलिटी IKDRC (इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर) इन दिनों अपनी चिकित्सा सेवाओं के लिए नहीं, बल्कि अभूतपूर्व भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और वित्तीय घपलों के कारण सुर्खियों में आ गई है। अस्पताल के उच्च प्रशासनिक पदों पर बैठे जिम्मेदार अधिकारियों ने सारे प्रशासनिक नियमों, संवैधानिक प्रावधानों और वित्तीय अनुशासन को ताक पर रखकर जो खेल खेला है, उसने पूरे गुजरात के स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर एक काला धब्बा लगा दिया है। सबसे बड़ा और शर्मनाक पहलू यह है कि इस बड़े भ्रष्टाचार के पुख्ता दस्तावेज और CAG के गंभीर ऑब्जेक्शन सामने होने के बावजूद गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव का इस पर रहस्यमय मौन साधना कई बड़े इशारे करता है। CAG की रिपोर्ट के पन्ने खुलेः बैक-डेट का जादुई खेल और सरकारी तिजोरी की खुली लूटदेश की सर्वोच्च और निष्पक्ष ऑडिट संस्था सीएजी (राजकोट) की रिपोर्ट में IKDRC के भीतर चल रहे कारनामों की जो परतें खुली हैं, वे किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार संस्थान का प्रभार वर्ष 2024 में संभालने वाले इंचार्ज डायरेक्टर डॉ. प्रांजल मोदी पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेहद खास और वफादार चहेतों पर ऐसी मेहरबानी बरसाई कि नियमों की धज्जियां उड़ गईं। उनके चहेते ड्राइवर जयेंद्रसिंह बी. दरबार को सीधे वर्ष 2010 और 2016 की अवैध बैक-डेट इफेक्ट देकर वर्ष 2024 में हाथों-हाथ नियमित कर दिया गया।

महज 3 महीनों में वेतन के आंकड़ों में हुआ चौंकाने वाला खेलः एक ही पद और एक ही कर्मचारी के मासिक वेतन में कुछ ही महीनों के भीतर जो फेरबदल किए गए, वे सीधे तौर पर वित्तीय गबन की ओर इशारा करते हैं: **जुलाई 2024:** 36,890- प्रति माह

अगस्त 2024: भारी उछाल के साथ 73,778/- प्रति माह

सितंबर 2024: संशोधित कर 55,334/- प्रति माह

IKDRC में भर्ती और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप

ऑडिट ने खारिज की 'स्वयं-निधि' की दलीलः सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इस तरह के मामलों में कोई भी कानूनी, प्रशासनिक या वित्तीय स्वीकृति ली ही नहीं गई थी। अस्पताल प्रशासन की ओर से जो 'स्वयं-निधि' होने की दलील दी जा रही थी, उसे ऑडिट टीम ने पूरी तरह खारिज करते हुए इसे जनता के धन का सरासर दुरुपयोग करार दिया है।

कलेक्टर के सामने रखे गए लचर और हास्यास्पद जवाब

जब मुख्यमंत्री कार्यालय के 'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम के निर्देशों के तहत जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा इस पूरे मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया, तो IKDRC प्रबंधन की ओर से जो जवाब दिए गए, वे प्रशासनिक व्यवस्था का मज़ाक उड़ाने वाले थेः अंग प्रत्यारोपण का बहाना ड्राइवरों की इस विशेष और भारी-भरकम भर्तियों के बचाव में 'सोटो' जैसी संवेदनशील एजेंसी की आड़ ली गई।

वेतन विसंगति का तर्क- अस्पताल का यह तर्क था कि अन्य कर्मचारियों में असंतोष न फैले, इसलिए ये भारी वेतन दिए गए-जिसे जिला स्तर और ऑडिट टीमों ने पूरी तरह खारिज और हास्यास्पद बताकर नकार दिया। सरकारी संकल्पों की सरेआम धज्जियां और वीआईपी मजे बनाम गरीबों पर गाज सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग के स्पष्ट शासकीय संकल्प दिनांक 13 सितंबर 2022 के अनुसार, ड्राइवर के किसी भी पद को केवल आउटसोर्सिंग के माध्यम से 11 महीने के अनुबंध पर और अधिकतम 11,000/- के निर्धारित मासिक मानदेय पर ही भरा जा सकता है। इसके बावजूद, नियमों को घोर दरकिनार करते हुए जयेंद्रसिंह दरबार को लगभग 59,460/- और वीरभद्रसिंह चौहान को करीब 62,580/- तक का राजसी वीआईपी मासिक वेतन थमाया जाने लगा। पुराने व निष्ठावान कर्मचारियों की बलिः जहां एक ओर अधिकारियों के खास लोगों पर पैसों की बारिश की जा रही है, वहीं दूसरी ओर 'सद्विचार एंबेसडर सेवा' और अन्य विभागों में वर्षों से निष्ठा व ईमानदारी से सेवा दे रहे सीनियर ड्राइवर्स और सिक्युरिटी गार्डों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। पिछले पांच वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे गरीब और मेहनतकश 'आरोग्य मित्रों' को बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के एक झटके में नौकरी से निकालकर सड़क पर ला खड़ा कर दिया गया, जबकि भ्रष्टाचार के आरोपी अपनी सरकारी नौकरी के मजे ले रहे हैं।

1. मौन क्यों? क्या स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव इस पूरे सिंडिकेट से पूरी तरह वाकिफ हैं? यदि हां, तो इतने पुख्ता सबूतों और सीएजी की आपत्ति के बावजूद दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही?

2. मनमानी पर रोक कब? क्या डॉ. प्रांजल मोदी और डॉ. विरेन त्रिवेदी जैसे उच्च अधिकारियों की तानाशाही और प्रशासनिक मनमानी पर रोक लगाने की हिम्मत सरकार जुटा पाएगी?

'महानागर मेट्रो' की मुख्य मांग और चेतावनी

स्वास्थ्य मंत्री और अपर मुख्य सचिव अपनी चुप्पी तोड़ें और इस मामले में तत्काल उच्चस्तरीय न्यायिक जांच बिठाएं। IKDRC में हुई सभी बैकडोर और अवैध नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए। इस महा-घोटाले के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और आपराधिक कार्रवाई की जाए। सरकारी खजाने और जनता के धन को चूना लगाने वाले इन रसूखदारों से राशि ब्याज सहित तुरंत वसूल की जाए। यदि शासन और प्रशासन ने इस गंभीर मामले पर जल्द ही कोई ठोस और पारदर्शी कदम नहीं उठाया, तो आने वाले दिनों में यह चिंगारी एक उग्र जनआंदोलन का रूप ले सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

मोबाइल अब सिर्फ चैट का जरिया नहीं, गुड गवर्नेंस का बड़ा औजारः मोदी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में मोबाइल और दूरसंचार तकनीक के बढ़ते महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि मोबाइल फोन अब केवल बातचीत, गपशप या चैट करने का माध्यम नहीं रह गया है। यह आज आम लोगों तक सरकारी सुविधाएं और सेवाएं पहुंचाने का बड़ा जरिया बन चुका है। बैंकिंग, अस्पताल, सरकारी कार्यालयों समेत सैकड़ों सेवाएं अब मोबाइल फोन के जरिए लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने और लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। प्रधानमंत्री ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर यानी डीबीटी का उदाहरण देते हुए कहा कि इसके माध्यम से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं।



सैफ अली खान पर हमले के शक में पकड़ा गया आकाशः 12 घंटे बाद पुलिस ने माना, गलत था शक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 18 जनवरी 2025 की सुबह करीब 10 बजे कल्याण से बिलासपुर जा रही ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल कोच में आकाश कनौजिया खिड़की के पास बैठा था। वह अपने मोबाइल फोन में व्यस्त था। इसी दौरान रेलवे पुलिस उसके पास पहुंची और फोन में मौजूद एक तस्वीर से उसका चेहरा मिलाया। पुलिस ने उससे टिकट और आधार कार्ड मांगा। आधार कार्ड पर नाम आकाश कनौजिया देखते ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया और सैफ अली खान पर चाकू से हमला करने के आरोप में हिरासत में ले लिया। आकाश का कहना था कि उसने किसी पर हमला नहीं किया और वह बिलासपुर अपनी शादी की तारीख तय कराने जा रहा था। ट्रेन दुर्ग पहुंची तो पुलिस ने उसे नीचे उतार लिया। वहां पहले से मौजूद छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम ने उसे अपने कब्जे में ले लिया। थाने पहुंचते ही आकाश के आसपास मीडिया की भीड़ जमा हो गई। कैमरों के सामने उसे सैफ अली खान पर हमला करने वाला बताया जाने लगा। आकाश ने पुलिस के सामने हाथ जोड़कर अपनी बेगुनाही बताई। उसका कहना था कि वह नानी के घर जा रहा था और उसी दिन उसकी शादी की तारीख तय होनी थी।



नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन, 45 मिनट तक चला सीपीआर भी नहीं बचा सका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पणजी। हिंदी और मराठी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार को 75 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। गोवा के डोना पाउला स्थित उनके घर पर उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मणिपाल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने करीब 45 मिनट तक उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें नहीं बचाया जा सका। अस्पताल के अनुसार उन्हें सुबह करीब 5.20 बजे मृत घोषित किया गया। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विश्वनाथ गजानन पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुड-जंजीरा में हुआ था। करीब पांच दशक लंबे अपने अभिनय सफर में उन्होंने थिएटर से शुरुआत की और बाद में फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई।



सीएपीएफ के अधिकारियों की भर्ती और सेवा व्यवस्था में बड़ा बदलाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के अधिकारियों की भर्ती और सेवा व्यवस्था को लेकर नया कानून लागू हो गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) अधिनियम, 2026 आठ अक्टूबर से प्रभावी हो गया है। नए कानून के लागू होने के साथ सीएपीएफ में समूह-ए सामान्य ड्यूटी और अन्य अधिकारियों की भर्ती, पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति तथा सेवा शर्तों के लिए एक समान ढांचा तय किया गया है। यह कानून ऐसे समय लागू हुआ है, जब सीएपीएफ के हजारों अधिकारी इसकी वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के जरिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हुए हैं। इन याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में सुनवाई चल रही है। संसद ने इस कानून को अप्रैल में पारित किया था। अब गृह मंत्रालय की अधिसूचना के बाद यह औपचारिक रूप से प्रभावी हो गया है। नए कानून के दायरे में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) शामिल हैं। इन बलों में अधिकारियों की नियुक्ति और सेवा से जुड़े नियम अब इस कानून के तहत निर्धारित व्यवस्था के अनुसार संचालित होंगे। कानून में अधिकारियों की भर्ती के साथ-साथ उनकी पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति की व्यवस्था को भी शामिल किया गया है। इसके तहत भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति के माध्यम से सीएपीएफ में नियुक्त किए जाने का प्रावधान भी रहेगा। इस व्यवस्था के जरिए सीएपीएफ के अधिकारियों और अन्य निर्धारित पदों पर नियुक्ति से संबंधित प्रक्रिया को एक समान कानूनी ढांचे में लाने का प्रयास किया गया है। कानून लागू होने के बाद सीएपीएफ में समूह-ए सामान्य ड्यूटी अधिकारियों के साथ अन्य अधिकारियों की सेवा शर्तों, भर्ती प्रक्रिया, पदोन्नति और प्रतिनियुक्ति से जुड़े प्रावधानों के लिए एक साझा व्यवस्था प्रभावी होगी। हालांकि, कानून की वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रही याचिकाओं के कारण इसकी कानूनी स्थिति पर भी नजर बनी हुई है सीमा सुरक्षा और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा जैसे विभिन्न दायित्वों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर यूपी में सपा-कांग्रेस का प्रदर्शन, कहीं पुतला फूंका तो कहीं पुलिस से झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर गुरुवार को उत्तर प्रदेश के कई जिलों में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रयागराज में सपाइयों ने मुख्य चुनाव आयुक्त की प्रतीकात्मक अर्थी लेकर प्रदर्शन किया और उससे लिपटकर विरोध जताया। आगरा में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच नोकझोंक व धक्का-मुक्की हुई। सपा सांसद रामजीलाल सुमन को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। वहीं बहराइच, गोंडा, लखनऊ, कासगंज, लखीमपुर खीरी, वाराणसी और कन्नौज समेत कई स्थानों पर जुलूस, नारेबाजी और पुतला फूंकने की घटनाएं सामने आईं। आगरा में सपा कार्यकर्ताओं ने 'संविधान बचाओ मार्च' निकालने की कोशिश की। पुलिस ने मार्च को रोक दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में तनाव और धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। सपा सांसद रामजीलाल सुमन को उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया। सुमन ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर आरोप लगाते हुए कहा कि यह चुनाव आयोग नहीं, बल्कि 'मोदी आयोग' है। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया। आगरा में कांग्रेस ने भी अलग से प्रदर्शन कर ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। बहराइच में कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध दर्ज कराने के लिए गधे को साथ लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे। गोंडा में कलेक्ट्रेट की ओर बढ़ रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोकने की कोशिश की। विरोध में कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें उठाकर वहां से हटाया। लखनऊ में सपा कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता कैदी की पोशाक में नजर आए। उनके हाथों में हथकड़ी थी और चेहरों पर मुख्य चुनाव आयुक्त का मुखौटा लगाया गया था। कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। कासगंज में कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोज पांडे के नेतृत्व में कार्यकर्ता दोपहर करीब तीन बजे नदरई गेट स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय के पास गांधी प्रतिमा पर जुटे।



जर्सी से वर्दी तक पहुंचीं 470 खेल प्रतिभाएं, योगी बोले- नौकरी की चिंता मत करो, दिल खोलकर खेलो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी में कुशल खिलाड़ी कोटे के तहत चयनित 470 खेल प्रतिभाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनमें नागरिक पुलिस के 43 उपनिरीक्षक, 295 आरक्षी और पीएसी के 132 आरक्षी शामिल हैं। नियुक्ति पत्र पाने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब उनकी यात्रा जर्सी से वर्दी तक पहुंची है और खेल के मैदान में हासिल किए अनुशासन, मेहनत और टीम भावना को पुलिस सेवा में भी बनाए रखना होगा। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों से अपनी खेल प्रैक्टिस जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुलिस महानिदेशक से वह कहेंगे कि इन खिलाड़ियों को किसी न किसी गांव से जोड़ा जाए, ताकि वे सप्ताह में कम से कम एक दिन वहां खेल गतिविधियां संचालित करें। उन्होंने कहा कि जिस तरह मिशन शक्ति के तहत महिला बीट पुलिस अधिकारी गांवों में जाती हैं, उसी तरह पुलिस में शामिल खिलाड़ी भी गांवों में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। योगी ने खिलाड़ियों से कहा कि सोशल मीडिया पर लाइक्स हासिल करने के बजाय वास्तविक जीवन में योगदान देने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी प्रैक्टिस न छोड़ें, क्योंकि देश को उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम वर्क, समय का महत्व और विपरीत परिस्थितियों में लगातार मेहनत करना सीखा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की दिनचर्या सुबह चार बजे से शुरू होती है और भीषण सर्दी, बारिश या संसाधनों की कमी के बावजूद वे अभ्यास जारी रखते हैं। यही जुझारूपन उन्हें पुलिस सेवा में भी आगे ले जाएगा।



जीएसटी में बड़ी राहतः 5 करोड़ तक की टैक्स गड़बड़ी पर नहीं चलेगा क्रिमिनल केस

महानगर मेट्रो ब्यूर

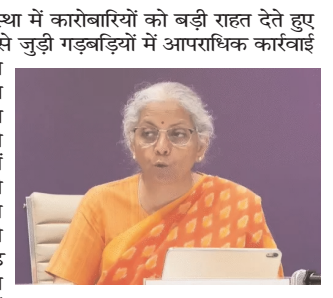
नई दिल्ली। जीएसटी व्यवस्था में कारोबारियों को बड़ी राहत देते हुए जीएसटी काउंसिल ने टैक्स से जुड़ी गड़बड़ियों में आपराधिक कार्रवाई की न्यूनतम सीमा को बढ़ाने का फैसला किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई जीएसटी काउंसिल की 53वीं बैठक में क्रिमिनल केस शुरू करने की सीमा 1 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई। इसके बाद 5 करोड़ रुपए से कम की टैक्स गड़बड़ी के मामलों में आपराधिक मुकदमे के बजाय जुर्माना और सिविल प्रक्रिया के जरिए कार्रवाई की जाएगी। काउंसिल के फैसले के मुताबिक जीएसटी अधिकारियों की गिरफ्तारी से जुड़ी शक्तियों को भी वापस ले लिया गया है। इसके साथ ही मामलों में न्यूनतम सजा तय करने के प्रावधान को भी हटाया गया है। अब किसी मामले में जुर्माना, जेल या दोनों तरह की सजा का फैसला अदालत के विवेक पर निर्भर करेगा। इस बदलाव से कारोबारियों को टैक्स अधिकारियों की ओर से होने वाली संभावित मनमानी और अनावश्यक दबाव से राहत मिलने की उम्मीद है। पहले 1 करोड़ रुपए की टैक्स गड़बड़ी पर भी क्रिमिनल प्रॉसिक्यूशन शुरू किया जा सकता था। अब यह सीमा पांच गुना बढ़ाकर 5 करोड़ रुपए कर दी गई है। इसका मतलब है कि 5 करोड़ रुपए से कम की गड़बड़ी वाले मामलों को आपराधिक कार्रवाई के बजाय पेनल्टी और सिविल प्रक्रिया के तहत निपटाया जाएगा। वहीं, 10 हजार रुपए से कम की टैक्स चोरी पर कारोबारी को नोटिस नहीं दिए जाने का फैसला भी किया गया है। इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी को लेकर भी काउंसिल ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। ऐसे खरीदारों के हितों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की एक कमेटी गठित की जाएगी, जिन्होंने सही इनवॉइस के आधार पर सामान खरीदा है, सामान प्राप्त किया है और सप्लायर को पूरा भुगतान भी कर दिया है।



यूपीआई मर्चेंट शुल्क पर फैसला टलने के संकेत, पेटीएम समेत फिनटेक शेयरों में गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में दुकानदारों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, इसके लिए सरकार यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत मर्चेंट शुल्क लागू करने की तारीख आगे बढ़ाने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस संबंध में आधिकारिक फैसला अगले कुछ दिनों में सामने आ सकता है। शुल्क टलने की खबर का असर शेयर बाजार में सूचीबद्ध फिनटेक कंपनियों के शेयरों पर भी दिखाई दिया। कारोबार के दौरान पेटीएम का शेयर करीब 10 प्रतिशत तक गिरकर 1,561 रुपए के निचले स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 5.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,640 रुपए पर बंद हुआ। मोबिक्विक का शेयर दिन में 8.43 प्रतिशत गिरकर 235 रुपए तक पहुंचा, लेकिन कारोबार के अंत में 4.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 245 रुपए पर बंद हुआ। पाइन लैब्स का शेयर 169 रुपए के निचले स्तर तक गया और 4.39 प्रतिशत गिरावट के साथ 170 रुपए पर बंद हुआ। वहीं एनपीएसटी का शेयर 3.39 प्रतिशत गिरकर 1,791.30 रुपए पर बंद हुआ। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत महीने में 1 लाख रुपए से ज्यादा का यूपीआई कारोबार करने वाले बड़े व्यापारियों से 2,000 रुपए से अधिक के प्रत्येक भुगतान पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट शुल्क और उस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लिया जाना है। हालांकि, 1 लाख रुपए तक के मासिक यूपीआई कारोबार वाले छोटे व्यापारियों को शुल्क से राहत रहेगी। यदि कोई छोटा व्यापारी लगातार तीन महीने तक 1 लाख रुपए से अधिक का यूपीआई कारोबार करता है तो उसे बड़े व्यापारी की श्रेणी में रखा जा सकता है। बड़े व्यापारियों के लिए 2,000 रुपए तक के भुगतान पर शुल्क नहीं होगा। 75,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम 300 रुपए और जीएसटी की सीमा प्रस्तावित है।



न्यूयॉर्क के बाद, पेरिस फैशन शो ARNI फैशन' में भारतीय ज्वेलरी और कपड़ों से विदेश में छाई निधि शाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विरामगाम। हाल ही में ₹ के न्यूयॉर्क शहर में हुए फैशन शो में नवरात्रि चनियाचोली के भटिगल डिज़ाइन पर आधारित थीम के साथ लगातार तीसरे साल सफलता पाने के बाद, नॉर्थ कैरोलिना (शार्लेट शहर) में रहने वाली अहमदाबाद की फैशन डिज़ाइनर निधि शाह वोरा ने एक बार फिर पेरिस, फ्रांस में हुए 'मिलान फैशन वीक' में एक अमेरिकी भारतीय मॉडल के ज़रिए पारंपरिक ब्राइडल ज्वेलरी और कपड़ों के ज़रिए भारतीय संस्कृति की खुशबू को ग्लोबल पहचान दिलाई है। जिससे भारतीय मूल के लोग और फैशन पसंद करने वाले विदेशी अभिभूत हो गए और उनकी तारीफ़ की। ₹ में रहने वाली निधि शाह वोरा ने अपनी फैशन डिज़ाइन स्किल्स और समझ से न्यूयॉर्क और पेरिस में लोकप्रियता हासिल की है, जिससे अहमदाबाद शहर को भारतीय संस्कृति की ब्राइडल ज्वेलरी डिज़ाइन और कपड़ों को ग्लोबल धरोहर के तौर पर पेश करके एक खास पहचान मिली है। 'ARNI Fashion' के पेश किए गए मॉडल्स को दुनिया की जानी-मानी फैशन मैगज़ीन में जगह मिली है, जिसे ग्लोबल मीडिया ने भी नोटिस किया है। निधि शाह नवंबर 2026 में दुबई में होने वाले फैशन शो में ARNI Fashion के ज़रिए भारतीय परंपरा को एक और पहचान देने जा रही हैं।



हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पनशेरिया के सख्त निर्देशों पर FDCA की बड़ी छापेमारीः कर्जन और सूरत में 4 फर्मों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात राज्य में 'ड्रग-फ्री' कैंपेन के तहत और लोगों की हेल्थ सिक्योरिटी पक्की करने के लिए, हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पनशेरिया के सख्त निर्देशों पर और फूड एंड ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी के कमिश्नर की गाइडेंस में वडोदरा और सूरत जिलों में गैर-कानूनी ड्रग्स के स्टोरेज और सेल के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है। अथॉरिटी की इस कार्रवाई से ड्रग के धंधे में शामिल लोगों में भारी हंगामा मच गया है। महाराष्ट्र NCB से मिली खास टिप-ऑफ के आधार पर वडोदरा जिले के कर्जन में मौजूद मेसर्स चामुंडा फार्मा पर जॉइंट रेड की गई। जांच के दौरान NDPS एक्ट के तहत आने वाले ANREX (कोडीन)' कफ सिरप की 13,938 बोतलें (अनुमानित कीमत Rs. 27.8 लाख) ज़ब्त की गईं TRAMADOL की 12,240 टैबलेट (अनुमानित कीमत Rs. 50 हज़ार) ज़ब्त की गईं। इस गंभीर नियम तोड़ने के लिए, फर्म को तुरंत सील कर दिया गया और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत सेल्स लाइसेंस (-20B और 21B) 01 अक्टूबर 2026 से हमेशा के लिए कैंसल कर दिए गए हैं। इसके अलावा, संबंधित ' Rs माजीसा मेडिकल स्टोर्स' से NDPS इंग्रीडिएंट वाली 'LOMOTIL टैबलेट बरामद की गईं। इस फर्म का रिटेल लाइसेंस भी 05 अक्टूबर 2026 से हमेशा के लिए कैंसल कर दिया गया है, क्योंकि जगह पर रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की गैर-मौजूदगी और फ्रिज बंद होने जैसी गंभीर गड़बड़ियां थीं। बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'सिल्डेनाफिल साइट्रेट' (जिसे वियाग्रा, पेनेग्रा, कैवर्टा जैसे ब्रांड से जाना जाता है) जैसी दवाइयां गैर-कानूनी तरीके से बेचने वाली फर्मों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई है

ऐतिहासिक शितलाई झील रेनोवेशन से पहले ही गंदगी और मैल से ढकी हुई थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। पूरे गुजरात में विकास के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन डभोई म्युनिसिपैलिटी की अदूरदर्शिता और लापरवाही के कारण ऐतिहासिक धरोहरों को कैसे दयनीय हालत में छोड़ दिया जा रहा है, इसका एक जीता-जागता उदाहरण सामने आया है। डभोई म्युनिसिपैलिटी ने शहर की ऐतिहासिक और लोकप्रिय शितलाई झील के रेनोवेशन और ब्यूटीफिकेशन के लिए बड़ी घोषणाएं और काम शुरू कर दिया है। लेकिन, इससे पहले कि यह रेनोवेशन पूरा हो या ज़मीन पर कोई ठोस नतीजा दिखे, यह पुरानी झील भारी गंदगी और प्रदूषण का शिकार हो गई है। आज हालात ऐसे हैं कि पूरी झील कुमुदिनी, जंगली लताओं और कुमुदिनी के घने साम्राज्य से ढकी हुई है। झील का असली पानी अब बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता, और पूरी सतह पर गंदगी और गंदगी का ऐसा नज़ारा है जैसे उस पर हरी चादर बिछा दी गई हो। प्रशासन की अनाड़ी एडमिनिस्ट्रेटिव पॉलिसी की वजह से यह ऐतिहासिक झील आज कूड़े के ढेर में बदल गई है। झील में भरे इस गंदे पानी और उसमें सड़ते सब्ज़ियों के कचरे की वजह से आस-पास के पूरे इलाके में बर्दाश्त न होने वाली और भयानक बदबू फैल रही है। स्थानीय लोगों की हालत बहुत खराब है रात में परेशानी खासकर रात में, हवा की दिशा बदलने के साथ आने वाली तेज़ बदबू और दुर्गंध के कारण, आस-पास की सोसाइटियों में रहने वालों का घर के अंदर रहना मुश्किल हो गया है। घरों के दरवाज़े और खिड़कियाँ पूरी तरह बंद रखने के बावजूद, बदबू अंदर तक आती है, जिससे लोगों को साँस लेने में भी दिक्कत हो रही है स्थानीय जनता और जागरूक नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन सिर्फ़ कागज़ों और भाषणों में विकास के ढिंढोरा पीट रहा है, लेकिन ज़मीनी सफ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहा है। तालाब में जमा इस गंदगी और जंगली लताओं के कारण मच्छरों का प्रकोप बहुत चिंताजनक स्तर तक बढ़ गया है। आस-पास के इलाके में कभी भी डेंगू, मलेरिया और पीलिया जैसी गंभीर पानी और मच्छरों से होने वाली बीमारियाँ फैलने की पूरी संभावना है।



बकाया पैसे की रिकवरी के लिए क्रिमिनल केस कानून का सरासर गलत इस्तेमालः सुप्रीम कोर्ट की रेड लाइट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। बिजनेस की दुनिया और कोर्ट रूम से एक बहुत ही अहम और बड़ी खबर सामने आई है। स्टील के पेंडिंग पेमेंट के विवाद में दर्ज धोखाधड़ी यानी फ्रॉड के एक क्रिमिनल केस के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत देते हुए कानूनी प्रक्रिया के गलत इस्तेमाल पर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर फैसला सुनाया है कि अगर सिर्फ बकाया रकम की रिकवरी का कोई विवाद असल में सिविल नेचर का है, तो उस पैसे को जबरदस्ती या दबाव डालकर वसूलने के लिए क्रिमिनल कार्रवाई या पुलिस केस का गलत इस्तेमाल हथियार के तौर पर नहीं किया जा सकता। इस केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने यह अहम और दूर की सोचने वाला फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने नोट में ज़ोर देकर कहा है कि व्यापार या लेन-देन के आम सिविल झगड़ों को गलत तरीके से क्रिमिनल केस का गंभीर रूप देना और कानूनी प्रक्रिया का फ़ायदा उठाना बिल्कुल भी सही नहीं है। इस फ़ैसले से उन सभी व्यापारियों और उद्योगपतियों को बड़ी राहत मिली है, जो आम लेन-देन या पेमेंट के सिविल झगड़ों में अक्सर क्रिमिनल केस में फँस जाते थे। सुप्रीम कोर्ट के इस साफ़ आदेश से अब यह साफ़ हो गया है कि पैसों के लेन-देन के झगड़ों को सिविल कोर्ट के ज़रिए ही सुलझाना होगा, न कि पुलिस और क्रिमिनल केस दर्ज करके दबाव बढ़ाकर!

अंबाजी में एडमिनिस्ट्रेटिव तानाशाही

अंबाजी कॉरिडोर पर जमीन मालिकों का विरोध, मुआवजे और बैरिकेडिंग को लेकर प्रशासन पर उठे सवाल

कॉरिडोर प्रोजेक्ट के नाम पर ज़मीन मालिकों पर दबाव और परेशान करने की गंदी राजनीति

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अंबाजी। रोज़ी-रोटी छीनने के लिए जान-बूझकर मेन शक्ति द्वार और BSCC कॉम्प्लेक्स की दुकानों के सामने टिन की चादरें (पात्रा) रखन एजेंसी को फ़ायदा पहुँचाने के लिए पावर का खुला गलत इस्तेमाल मुआवज़े पर राज़ी न होने पर ज़मीन मालिकों पर गैर-कानूनी दबाव बनासकांठा कलेक्टर और सरकार तुरंत दखल दें, ऐसी ज़ोरदार मांग! अंबाजी माँ अंबा के धाम अंबाजी में, डेवलपमेंट की चौखट पीटकर एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी किस तरह आम नागरिकों और ज़मीन मालिकों पर जुल्म कर रही है, इसका एक शर्मनाक मामला सामने आया है। अंबाजी मंदिर ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर और एडिशनल कलेक्टर पर अपने पद और पावर का खुलेआम गलत इस्तेमाल करने के गंभीर आरोप लगे हैं। कॉरिडोर स्कीम के नाम पर, ज़मीन मालिकों को हर तरह से परेशान किया जा रहा है ताकि फ्रीहोल्ड ज़मीन सस्ते रेट पर हड़पी जा सके और लैंड एक्विजिशन एजेंसी को अपने चहेतों के तौर पर फ़ायदा पहुंचाया जा सके।

जहां एग्रीमेंट नहीं है, वहां बैरिकेडिंग क्यों?

मिली जानकारी के मुताबिक, अंबाजी मंदिर के मुख्य शक्ति द्वार के सामने मौजूद फ्रीहोल्ड ज़मीन अंबाजी में चल रहे कॉरिडोर प्रोजेक्ट के एक्विजिशन में आती है। लेकिन, इन जगहों के मालिकों और ज़मीन एक्विजिशन एजेंसी के बीच सही मुआवज़े को लेकर अभी तक कोई एग्रीमेंट नहीं हुआ है। इससे नाराज़ होकर मंदिर ट्रस्ट के एडमिनिस्ट्रेटर दुकान मालिकों पर दबाव बनाने के लिए दबाने वाले तरीके अपना रहे हैं। चिट्ठियों से दुकानें सील की गईं: दुकान मालिकों की दुकानों के सामने अचानक टिन की चादरें (चिट्ठियां) लगाकर उन्हें अपनी दुकानें बंद करने पर मजबूर कर दिया गया है, जिसका सीधा असर हज़ारों मज़दूरों और व्यापारियों की रोज़ी-रोटी पर पड़ रहा है।सिक्योरिटी के नाम पर दिखावा दुकान मालिकों का साफ आरोप है कि इस रोड पर अभी तक किसी भी तरह का कोई काम शुरू नहीं हुआ है, फिर भी लेटर को छिपाकर लगा दिया गया है ताकि मालिक घबराकर अपनी जगह सस्ते रेट पर दे दें। पूरी घटना एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी की मंशा पर बड़े सवाल खड़े करती है

अंबाजी मंदिर ट्रस्ट और एडिशनल कलेक्टर की खुली तानाशाही

1. सिर्फ चुनी हुई जगहों पर आड: पोस्टर सिर्फ और सिर्फ उन्हीं जगहों के सामने लगाया गया है जिनके लिए लैंड एक्विजिशन एजेंसी से कोई एग्रीमेंट नहीं हुआ है; जबकि बाकी दुकानों के सामने कोई साइन नहीं है और रास्ता खुला रखा गया है!

2. जहां काम चल रहा है वहां ढील, बाकी जगहों पर तानाशाही: शक्ति द्वार के सामने बनी दो सड़कों में से एक तरफ काम चल रहा है और वहीं से श्रद्धालु मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं, फिर भी वहां काम कर रही PSP कंपनी ने सिक्योरिटी के नाम पर कोई साइन या बैरिकेड नहीं लगाया है। बल्कि इसके उलट, जहां कोई काम नहीं चल रहा है, वहां सिर्फ लैंड मालिकों को दबाने के लिए लोहे की दीवारें खड़ी कर दी गई हैं।

3. BSCC कॉम्प्लेक्स में भी यही खेल: अंबाजी में 51 शक्तिपीठ सर्किल के सामने BSCC कॉम्प्लेक्स में भी यही गंदी पॉलिटिक्स खेली गई है और दुकानदारों की दुकानों के सामने पोस्टर लगाए गए हैं, जहाँ अभी तक एक ईंट भी नहीं रखी गई है!



मुआवजे पर सहमति नहीं, फिर भी बैरिकेडिंग पर सवाल

ज़मीन मालिकों की ज़बरदस्त मांग: सरकार तुरंत जांच करे

अंबाजी मंदिर और एडिशनल कलेक्टर अपने पद की आड़ में लोकल लोगों को डराने और लैंड एक्विजिशन एजेंसी के इशारों पर नाचने के लिए पावर का अंधाधुंध गलत इस्तेमाल करने का खुला खेल खेल रहे हैं।लोकल ज़मीन मालिकों और व्यापारियों की साफ़ मांग है कि बनासकांठा कलेक्टर और रा'य सरकार इस मामले में तुरंत दखल दें, एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों की इस ज़ुल्म की हाई-लेवल जांच करें और मार्केट वैल्यू के हिसाब से सही मुआवज़ा देकर ज़मीन मालिकों के हितों की रक्षा करें। ड्गर यह नाइंसाफ़ी जल्द नहीं रुकी, तो लोकल लोग हिंसक आंदोलन करेंगे, ऐसी चेतावनी भी दी गई है

FDCA ने करजन से सूरत तक गैर-कानूनी दवा के कारोबार पर कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल्ल पंशेरिया के निर्देश पर, FDC ने राज्य में गैर-कानूनी दवाओं की बिक्री और नशे के लिए दवाओं के गलत इस्तेमाल के खिलाफ करजन और सूरत में बड़ी कार्रवाई की है। FDCA, गुजरात पुलिस और NCB के जॉइंट ऑपरेशन में कुल चार फर्मों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और लगभग ?42.6 लाख की दवाएं ज़ब्त की गई हैं। करजन में दो फर्मों के दवा बेचने के लाइसेंस हमेशा के लिए कैंसल कर दिए गए हैं महाराष्ट्र NCB से मिली टिप के आधार पर, करजन में मेसर्स चामुंडा फार्मा पर रेड की गई। जांच के दौरान, NDPS एक्ट के तहत आने वाले ANREX (कोडीन) कफ सिरप की 13,938 बोतलें, जिनकी कीमत लगभग ?27.8 लाख थी, और TRAMADOL की 12,240 टैबलेट मिलीं। लगभग 28.3 लाख की मात्रा ज़ब्त करने के बाद फर्म को सील कर दिया गया। गंभीर कानूनी उल्लंघनों के कारण इसके 20-B और 21-B दवा बिक्री लाइसेंस 1 अक्टूबर से हमेश के लिए रद्द कर दिए गए हैं। मजीसा मेडिकल स्टोर्स में भी गड़बड़ियां जांच के दौरान, कर्जन के मेसर्स मजीसा मेडिकल स्टोर्स में NDPS इंग्रीडिएंट वाली OMOTIL टैबलेट मिलीं, जो चामुंडा फार्मा से जुड़ी है। जांच में रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट की गैर-मौजूदगी और दवाओं के लिए ज़रूरी टेम्परेचर बनाए रखने वाले रेफ्रिजरेटर के बंद होने जैसी गंभीर कमियां पाई गईं। कारण बताओ नोटिस के बाद, फर्म के रिटेल दवा बिक्री लाइसेंस 5 अक्टूबर से हमेशा के लिए कैंसल कर दिए गए हैं। सूरत में बिना लाइसेंस के वेबसाइट के ज़रिए दवाइयों की बिक्री सूरत के वराछा में मौजूद Ms. Dermatics India पर 1 अक्टूबर को छापा मारा गया था। जांच में पता चला कि फर्म वैलिड ड्रग लाइसेंस न होने के बावजूद अपनी वेबसाइट के ज़रिए दवाइयां बेच रही थी। मौके से 11.26 लाख से ज़्यादा कीमत की सिल्डेनाफिल, मिनोक्सिडिल और केटोकोनाज़ोल ज़ब्त की गई हैं। दवाओं के सैंपल वडोदरा में सरकारी FDL में टेस्टिंग के लिए भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। Meesho पर Sildenafil Ayurvedic नाम से बिक्री सूरत के मोटा वराछा में मौजूद Ms. Kyara International की 3 अक्टूबर को जांच की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल की लगातार देश सेवा को सलाम

वस्त्राल में प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा ने किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लगातार और सफल 25 साल की देश सेवा और जनकल्याण के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने के शुभ उद्देश्य से अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री के दो दशक से ज़्यादा के शानदार कार्यकाल और देश के विकास में उनके बहुत बड़े योगदान को दिखाने वाली इस प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन गुजरात BJP प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा (पांचाल) ने किया। दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में दीप प्रज्वलन और निरीक्षणवस्त्राल में हुए इस भव्य उद्घाटन समारोह में संगठन और सरकार के बड़े नेता मौजूद थे। प्रोग्राम के दौरान एग्जीबिशन का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश पांचाल ने रिबन काटकर और दीप जलाकर किया। अहमदाबाद मेट्रोपॉलिटन अध्यक्ष श्री प्रेरक शाह और मेयर श्री हितेश बारोट इस मौके की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मौजूद थे।

इसके अलावा, शहर के MP, MLA, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में BJP कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद थे। गणमान्य लोगों ने एग्जीबिशन देखी और उन तस्वीरों और मॉडलों को दिलचस्पी से देखा जो पिछले 25 सालों में मुख्यमंत्री रहने से लेकर देश के प्रधानमंत्री रहने तक श्री नरेंद्र मोदी साहेब के विकास के रास्ते, ऐतिहासिक फैसलों और राष्ट्र निर्माण की झलक दिखाती हैं। इस एग्जीबिशन के ज़रिए आम लोगों और युवा पीढ़ी को प्रधानमंत्री मोदी की बिना थके मेहनत, संघर्ष और देशभक्ति के बारे में बताया जाएगा। वस्त्राल में लगी इस एग्जीबिशन को देखने के लिए नागरिकों में भी काफी उत्साह है।



असामाजिक तत्वों के आतंक से स्थानीय लोग कांपे सैटेलाइट पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कागजों पर शराबबंदी के दावों के बीच, राज्य के बड़े शहरों में शराब तस्करों और असामाजिक तत्वों का रैकेट और बदमाशी कितनी बढ़ गई है, इसका एक और दिल दहला देने वाला उदाहरण साणंद-अहमदाबाद के पॉश सैटेलाइट इलाके से सामने आया है। अहमदाबाद के हाई-प्रोफाइल और शांत सैटेलाइट इलाके में कानून-व्यवस्था की खुलेआम धज्जियां उड़ाने वाले एक शराब तस्कर द्वारा आम झगड़े के नाम पर एक बेगुनाह युवक की चाकू मारकर हत्या करने की सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके में डर और गुस्सा फैला दिया है। मिली जानकारी और पीड़ित परिवार के गंभीर आरोपों के मुताबिक, सैटेलाइट इलाके में मौजूद गोकुल हाउसिंग स्कीम में एक बदनाम बूटलेगर और उसके दूसरे साथी, जो गैर-कानूनी कामों में लगे हैं, एक्टिव हैं। किसी आम बात या वजह पर पीड़ित और बूटलेगर के बीच बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि घमंड में अंधे बूटलेगर ने गुस्से में आकर अपने पास मौजूद जानलेवा चाकू निकाल लिया और एक के बाद एक युवक पर बेरहमी से वार कर दिए। दिन हो या रात, हुई इस खूनी घटना से इलाके के लोगों में दहशत फैल गई और खून से लथपथ युवक को देखकर लोगों की सांसें थम गईं। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सैटेलाइट थाने की पुलिस और सीनियर अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत हालात पर काबू पाया और सबूत इकट्ठा करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की कार्रवाई शुरू कर दी। स्थानीय लोगों और नागरिकों ने इस घटना पर बहुत गुस्सा जताया है। लोगों का सीधा सवाल है कि अगर पॉश इलाकों में खुलेआम चाकू लहराए जा रहे हैं और शराब तस्कर बेलगाम हो गए हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा का क्या?

डभोई स्टेट हाईवे पर एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की पोल खुल गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। लाइफलाइन माने जाने वाले मेन चौराहों पर रात में भयानक अंधेरा छा जाता है लाखों रुपये की लागत से लगाई गई सोलर लाइटें सजावट का सामान बन गई हैं: रात में जान जोखिम में डालकर चलने को मजबूर हैं वाहन चालक और यात्री; हाईवे अथॉरिटी और रोड्स एंड बिल्डिंग्स डिपार्टमेंट की बड़ी लापरवाही के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है! डभोई. राज्य सरकार द्वारा पूरे गुजरात में विकास के बड़े-बड़े दावों की पन्नी से ढकी पोल अब डभोई तालुका से खुल रही है। एक तरफ विकास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ डभोई तालुका के बेहद अहम और व्यस्त स्टेट हाईवे पर एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की आंखें मूंद लेने की गंभीर नीति सामने आई है। सरकारी खजाने से लाखों रुपये की लागत से डभोई इलाके के दो बेहद संवेदनशील और व्यस्त चौराहों पर लगाई गई सोलर लाइटें लंबे समय से धूल फांक रही हैं और पूरी तरह से बंद हैं। इस घोर अंधेरे के राज के बीच, हर दिन हज़ारों गाड़ी चलाने वाले और लोकल आने-जाने वाले लोग नारकीय दुख झेलने को मजबूर हैं। घना अंधेरा, कनेक्टिविटी के लिए सबसे ज़रूरी रास्ते पर ही छाया हुआ है! डभोई पंथक के ट्रैफिक और रोज़ाना के काम के लिए सबसे ज़रूरी माने जाने वाले मुख्य रास्तों पर भी प्रशासन की लापरवाही सामने आई है:तरसाना चौराहा: डभोई से वाघोडिया और वडोदरा को बिना रुकावट कनेक्टिविटी देने वाला यह ज़रूरी चौराहा रात में अंधेरा रहता है।टिंबी फाटक चौराहा: डभोई से छोटाउदेपुर और बोडेली जाने वाले मुख्य हाईवे पर मौजूद इस व्यस्त चौराहे पर भी लाइट का कोई नामोनिशान नहीं है।इन दोनों मुख्य चौराहों पर गाड़ियों और यात्रियों की लगातार आवाजाही के बावजूद, यहां लगी सोलर लाइटें सजावट की चीज़ साबित हुई हैं। रात में जब इन सड़कों पर घना अंधेरा छा जाता है, तो एक अजीब सा सन्नाटा छा जाता है।हादसों और लुटेरों का डर: प्रशासन अपनी नींद से कब जागेगा? रात के समय, वडोदरा या दूसरी जगहों से दिन भर पसीना बहाकर और अपना काम निपटाकर लौटने वाले कर्मचारियों, मजदूरों और आम यात्रियों के लिए इन क्रॉसिंग पर बस या प्राइवेट गाड़ी से उतरना भी जानलेवा हो गया है।जानलेवा हादसों का खतरा: क्रॉसिंग पर पर्याप्त रोशनी या डिजिटल सपोर्ट न होने के कारण, अंधेरे में तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ियों से गंभीर हादसों की संभावना चरम पर पहुंच गई है। स्थानीय नागरिकों में इस बात का भयानक डर है कि असामाजिक तत्व, लुटेरे और चोर सक्रिय होकर अंधेरे का फायदा उठाकर कोई बड़ी घटना न कर दें। महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल: खासकर रात में सफर करने वाली महिला यात्रियों और छात्राओं के लिए अंधेरे में गाड़ी का इंतजार करना बेहद असुरक्षित और खतरनाक साबित हो रहा है। हाईवे अथॉरिटी, सड़क एवं भवन विभाग और संबंधित अधिकारियों की खुली उदासीनता और लापरवाही के कारण, जनता के पसीने और टैक्स के पैसे से बना सोलर सिस्टम आज सिर्फ कागजों पर सजावट बनकर रह गया है। स्थानीय निवासियों, ग्रामीणों और वाहन चालकों में सिस्टम के खिलाफ भयंकर गुस्सा है। जनता की बस एक ही साफ़ मांग है: इससे पहले कि कोई बड़ा गंभीर हादसा हो या कोई बड़ी बिना प्लान की आपराधिक घटना हो, प्रशासन अपनी गहरी नींद से जाग जाए और इन दो ज़रूरी चेकपॉइंट पर खराब सोलर लाइटों को तुरंत ठीक करवाकर लाइटें चालू कर दे!



केरल के बावला गांव में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर जानलेवा लापरवाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कंस्ट्रक्शन साइट चलाने वाले गैर-जिम्मेदार मैनेजर, वर्कर्स की सेफ्टी को नज़रअंदाज़ करते हुए अब बेगुनाह वर्कर्स की जान ले रहे हैं। अहमदाबाद जिले के बावला तालुका के केरल गांव के बाहरी इलाके में चल रही एक कंस्ट्रक्शन साइट से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। साइट पर सामान और सामान चेक करने के लिए एक ट्रक (खटारा) के ऊपर चढ़े एक युवा वर्कर की ऊपर से गुजर रही हाई-टेंशन बिजली की लाइन से करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, केरल के बावला गांव में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम चल रहा था। इस दौरान, साइट पर सामान की क्वालिटी या क्वांटिटी चेक करने के लिए नौजवान वर्कर को ट्रक (खटारा) की छत पर चढ़ाया गया। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि ऐसी जगह जहां भारी गाड़ियों और वर्कर्स का आना-जाना बहुत ज़्यादा होता है, वहां कॉन्ट्रैक्टर या साइट मैनेजर ने ऊपर से गुज़र रही बिजली की लाइनों को लेकर कोई सावधानी क्यों नहीं बरती? जब नौजवान ट्रक पर चढ़कर सामान चेक कर रहा था, उसी समय वह ऊपर से गुज़र रहे खुले बिजली के तार से बुरी तरह टकरा गया और उसे ज़ोरदार बिजली का झटका लगा।

सूरत क्राइम ब्रांच और अडाजन पुलिस का बड़ा ऑपरेशन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। शेयर मार्केट में 15 लाख रुपये के लेन-देन में खूनी खेलः अडाजन से बिजनेसमैन के बेटे को किडनैप करने वाले कुख्यात महाराष्ट्र से जेल गए एल.पी. सवाणी रोड से कार में आए असामाजिक तत्वों ने अगम पटवा नाम के 27 साल के युवक को जबरन किडनैप कर लियाः पिता की सतर्कता से अडाजन पुलिस ने कुछ ही घंटों में किडनैपरों को पकड़ लिया। गुजरात-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस की फिल्मी स्टाइल में रेडः तीनों आरोपी पकड़े गए, सूरत पुलिस के सराहनीय काम ने दिखाया अडिग जज्बा! सूरत. गुजरात की डायमंड और टेक्सटाइल सिटी सूरत में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक बेहद सनसनीखेज और डरावनी घटना सामने आई है। सूरत के पॉश अडाजन इलाके से शेयर मार्केट में लेन-देन के गंभीर विवाद में 27 साल के युवक को दिनदहाड़े किडनैप कर लिया गया। हालांकि, पीड़ित के पिता की समय पर कार्रवाई और अडाजन पुलिस की तुरंत और सटीक कार्रवाई की वजह से, युवक को महाराष्ट्र पहुंचकर सुरक्षित बचा लिया गया और इस जुर्म में शामिल तीन कुख्यात आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी और डिटेल्स के मुताबिक, सूरत के अडाजन इलाके में रहने वाले 27 साल के युवक अगम पटवा को पहले स्टॉक मार्केट के लेन-देन और पैसों के लेन-देन के लिए टारगेट किया गया था.

महिला के पति समेत चार लोगों ने व्यापारी को घेरकर पीटा; पूरी घटना का CCTV फुटेज सामने आया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता बढ़ गई है। अहमदाबाद के संवेदनशील दानिलिमडा इलाके में एक व्यापारी को निशाना बनाकर खूनी हमले की घटना ने पूरे जिले में काफी चर्चा पैदा कर दी है। एक महिला से दोस्ती को लेकर दुश्मनी रखने वाले असामाजिक तत्वों ने व्यापारी पर सरेआम ऐसे हमला किया है जैसे वे कोई जानलेवा खेल खेल रहे हों। मिली जानकारी के अनुसार, यह जानलेवा हमला यासर मोहम्मद हनीफ नाम के 35 साल के व्यापारी पर किया गया। पूरे मामले का बैकग्राउंड देखें तो यह पूरा झगड़ा एक महिला से दोस्ती की दुश्मनी की वजह से सामने आया। जब पीड़ित बिजनेसमैन यासर मोहम्मद हनीफ दानिलिमडा इलाके से गुजर रहे थे, तो पहले से घात लगाए बैठे महिला के पति समेत कुल चार लोगों ने अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में 35 साल के यासर मोहम्मद हनीफ के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया है। दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय व्यापारियों और निवासियों में डर का माहौल है। ष्टष्टङ्कञ्ज फुटेज ने आरोपियों का पर्दाफाश किया! इस हमले की पूरी घटना आसपास लगे CCTV कैमरों में कैद हो गई है। सोशल मीडिया और पुलिस की किताबों में वायरल हुए इस CCTV फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे चार लोग मिलकर बिजनेसमैन पर हमला कर रहे हैं। फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान का पता लगाने का काम तेज कर दिया गया है।



सूरत में नकली साबुन का बड़ा भंडाफोड़, लसकाना के सहजानंद हब से दो हज़ार डिब्बे ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। AM के नॉर्थ ज़ोन ऑफिस में गरजे स्टेट जनरल सेक्रेटरी राजेश सोनीः सालों से बेघर गरीबों को सिस्टम और कितना गुमराह करेगा? 'क्या अब गरीबों को सिर पर छत पाने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा?' – कांग्रेस नेता का सिस्टम पर हमला! अहमदाबाद. गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद से एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और अधिकारियों की असंवेदनशीलता का एक और खुलासा हुआ है। सालों पहले अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सरदारनगर वार्ड के कमल तलवाड़ी इलाके में गरीब और मजदूर परिवारों की झोपड़ियों को जबरदस्ती तोड़ दिया गया था। उस समय एडमिनिस्ट्रेशन ने गरीबों को 'घर के बदले घर' देने के बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन दुख की बात यह है कि आज तक कई प्रभावित परिवारों को एक कोना भी अलॉट नहीं किया गया है। आज गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कमल तलवाड़ी के कई प्रभावित परिवारों के साथ मिलकर इस नाइंसाफी के खिलाफ एक बड़ा कदम उठाया है। प्रभावित परिवारों को तुरंत घर देने की मांग को लेकर अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के नॉर्थ ज़ोन ऑफिस पर एक बड़ा धरना-प्रदर्शन किया गया और एडमिनिस्ट्रेशन को एक अर्जी देकर घेराव किया गया। आज धरना-प्रदर्शन के दौरान गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के स्टेट जनरल सेक्रेटरी राजेश टी. सोनी की लीडरशिप में एडमिनिस्ट्रेशन की आंखें खुल गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि सालों से अपने हक के घरों के लिए संघर्ष कर रहे इन गरीब परिवारों को कब तक ऐसे ही भटकना पड़ेगा? क्या इस देश और राज्य के गरीबों को अपने हक के घर पाने के लिए सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ेगा? आंदोलनकारियों ने एडमिनिस्ट्रेशन के सामने अपनी मांगें रखी हैं और साफ चेतावनी दी है कमल तलवाड़ी इलाके के सभी योग्य और प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द घर दिए जाएं। अगर प्रशासन इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो यह संघर्ष और तेज़ किया जाएगा। जब तक पीड़ितों को न्याय नहीं मिल जाता, कांग्रेस पार्टी और पीड़ित परिवारों का यह कानूनी संघर्ष नहीं रुकेगा!





अमृतसर में 3 अक्टूबर को गोलियों से छीन ली थी जानः

बदनाम गोल्डी ढिल्लों गैंग के शार्प शूटर को अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दबोचा!

पंजाब में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मैड सिंधु की सनसनीखेज हत्या में बड़ा खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/अमृतसर. सोशल मीडिया की रंगीन दुनिया के पीछे छिपे क्राइम के काले पर्दे अब एक के बाद एक सामने आ रहे हैं. पंजाब के अमृतसर में सनसनी मचा देने वाले सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर 'मैड सिंधु' की सनसनीखेज हत्या मामले में एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. मैड सिंधु की 3 अक्टूबर को बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. गुजरात की अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने इस जघन्य हत्या को अंजाम देने वाले इंटरनेशनल गैंग के एक अहम सदस्य को गिरफ्तार किया है, जिससे उत्तर भारत की आपराधिक दुनिया में हलचल मच गई है.

गोल्डी ढिल्लों का डरावना इंटरनेशनल गैंग!

मिली जानकारी के मुताबिक, पता चला है कि इस भयानक मर्डर के पीछे बदनाम और इंटरनेशनल लेवल पर एक्टिव गोल्डी ढिल्लों का गैंग है। गैंग के अपराधियों ने सोशल मीडिया पर मशहूर मैड सिंधु को टारगेट किया और बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। इस मामले में कड़ी जांच करने के बाद, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने माहिर मुखबिरों और टेक्नोलॉजी की मदद से आरोपियों की कुंडली हासिल की।

आरोपी परमिंदर काका गिरफ्तारः उसका क्या रोल था?

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के शिकंजे में फंसे आरोपी की पहचान परमिंदर काका उर्फ ??परमिंदर प्रसाद के तौर पर हुई है। पूछताछ में पता चला कि इस आरोपी ने इस जुर्म को करने के लिए एक बहुत ही खतरनाक प्लान बनाया था

मोटरसाइकिल का इंतज़ामः परमिंदर काका ने खुद ही भागने और मर्डर की जगह तक पहुंचने के लिए मोटरसाइकिल का पक्का इंतज़ाम किया था। डायरेक्ट फायरिंगः सिर्फ गाड़ी का इंतज़ाम ही नहीं, बल्कि इस नापाक खेल में आरोपी ने डायरेक्ट फायरिंग करने जैसा संगीन काम भी किया। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच का काम तारीफ़ के काबिल हैजैसे ही किसी इंटरनेशनल गैंग का शार्प शूटर या मददगार पंजाब के बॉर्डर से दूर गुजरात के अहमदाबाद शहर में घुसा, क्राइम ब्रांच अलर्ट हो गई और एक सफल ऑपरेशन करके आरोपी को पकड़ लिया। इस गिरफ्तारी से, आने वाले समय में इस मर्डर केस के दूसरे बड़े राज़ भी सामने आने की पूरी संभावना है।



हिंदू सेना ने नगर पालिका मुख्य अधिकारी एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी को दिया 15 दिन का अल्टीमेटम*

महान गर मेट्रो ब्यूरो

दल्ली। हिंदू सेना प्रमुख छत्तीसगढ़ हेमंत वर्मा के नेतृत्व मे नगर में लगातार बढ़ रही आवारा मवेशियों की समस्या को लेकर हिंदू सेना दल्ली राजहरा ने नगर पालिका परिषद को आवेदन सौंपकर कड़ी चेतावनी दी है। संगठन ने अध्यक्ष संगीता रजक मातृशक्ति नगर अध्यक्ष शंकर साहू ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन देकर 15 दिवस के भीतर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि नगर के मुख्य मार्गों, चौक चौराहों, बाजार क्षेत्रों और आवासीय इलाकों में बड़ी संख्या में आवारा मवेशी खुले रूप से विचरण कर रहे हैं। इससे आम नागरिकों, वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह यातायात बाधित हो रहा है और दुर्घटना की स्थिति बन रही है। हिंदू सेना ने कहा कि सनातन धर्म में गौ माता का पूजनीय स्थान है, इसके बावजूद गौवंश खुले में भटकने को विवश है। इससे उन्हें चोट लगने, दुर्घटना का शिकार होने और अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में रहने का खतरा बना रहता है। मवेशियों के कारण नगर की स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। संगठन ने मांग की है कि नगर में घूम रहे आवारा मवेशियों को तत्काल सुरक्षित और व्यवस्थित स्थान पर रखा जाए और मवेशियों को खुले में छोड़ने वाले पशु मालिकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। हिंदू सेना ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिवस के भीतर ठोस और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो नगर पालिका कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी। इसकी प्रतिलिपि अनुविभागीय दंडाधिकारी को भी दी गई है।जिसमें मुख्य रूप से हिंदू सेना के जिला अध्यक्ष श्रीमती नंदा पसीने प्रदेश महामंत्री निलेश श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष शंकर साहू नगर अध्यक्ष मात्र शक्ति संगीता रजक नगर महामंत्री पुष्पा शांडिल्य नगर पालिका परिषद एल्डरमेन महेंद्र पिपरे सर्व समाज अध्यक्ष श्रीमती पुरोबी वर्मा ,वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती किरण सिन्हा पूर्व मंडल उपाध्यक्ष मंजीत कौर गिरधर सिन्हा, गोलू जायसवाल, सोनू मानिकपुरी उपस्थित थे







डेमोक्रेसी की धज्जियां उड़ाने वाला सबसे बड़ा पोल सामने आया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं जो देश की पॉलिटिकल और ज्यूडिशियल दुनिया में भूचाल ला देंगे। इलेक्शन कमीशन के काम करने के तरीके और देश के चीफ इलेक्शन ऑफिसर्स की क्रेडिबिलिटी पर अब सीधे और गंभीर सवाल उठ रहे हैं। जब पूरे देश में 'फॉर्म-6' पर विवाद चल रहा था, तब ज्ञानेश कुमार ने 26 सितंबर 2026 को एक ऑफिशियल प्रेस नोट जारी कर दावा किया था कि, 'फॉर्म-6 में किए गए बदलाव सीधे सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर किए गए हैं!' लेकिन, इस दावे को खोखला साबित होने में बस कुछ ही दिन लगे। 5 अक्टूबर 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने साफ और सख्त शब्दों में फटकार लगाते हुए कहाः 'हमने कभी भी Form-6 में किसी भी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है!' नए Form-6 में इतना क्रूर नियम लगाया गया कि लोगों को यह बताना होगा कि वे, उनके माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी पिछले SIR में लिस्टेड थे या नहीं! कानून की हदें पार करते हुए, मनमाने ढंग से बदलाव किए गए, जिसका दो इलेक्शन कमिश्नरों ने भी अंदर ही अंदर कड़ा विरोध किया। यह साफ हो गया है कि ज्ञानेश कुमार सिर्फ अपनी मनमानी नहीं कर रहे थे, बल्कि देश की सबसे बड़ी अदालत, सुप्रीम कोर्ट के नाम पर झूठ बोलकर जनता को गुमराह कर रहे थे। इस बात की चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ज्ञानेश कुमार अब झूठ बोलने में देश के प्रधानमंत्री से भी आगे निकल गए हैं! एक बार वोटर लिस्ट में नाम दर्ज हो जाने के बाद, मृतक वोटर को छोड़कर किसी का भी नाम बिना नोटिस दिए और सुनवाई का पूरा मौका दिए नहीं हटाया जा सकता।

18 हुंकार प्रस्ताव सीधे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की देहरी तक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली / प्रयागराज। राजधानी से लेकर संगम नगरी तक इन दिनों सियासी और धार्मिक गलियारों में सनसनी मची हुई है। प्रयागराज की धरती से उठी सनातन हुंकार अब देश के सर्वोच्च सत्ता के गलियारों तक गूँजने लगी है। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर 2 अक्टूबर को के.पी. कम्युनिटी सेंटर में ऐतिहासिक 'हिन्दू स्वाभिमान सम्मेलन' का आयोजन हुआ था। इस महाकुंभ में सर्वसम्मति से पारित 18 प्रस्तावों और 15 सूत्रीय सामूहिक संकल्प को आज 8 अक्टूबर 2026 को औपचारिक रूप से देश के शीर्ष नेतृत्व–माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी (प्रधानमंत्री कार्यालय के सेवा तीर्थ डाक अनुभाग) और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी (गृह मंत्रालय के केंद्रीय रजिस्ट्री अनुभाग) को विधिवत सौंप दिया गया है। यह जोरदार ज्ञापन अखिल भारत हिन्दू महासभा की ओर से भेजा गया है, जिस पर सम्मेलन के अध्यक्ष जगद्गुरु स्वामी चक्रपाणि जी महाराज और कार्यक्रम संयोजक श्री कुमार नारायण जी के हस्ताक्षर दर्ज हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन की अध्यक्षता श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के जगद्गुरु और अखिल भारत हिन्दू महासभा, संत महासभा एवं भगवान श्री चित्रगुप्त अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने की थी। कार्यक्रम के संयोजक भगवान श्री चित्रगुप्त अखाड़ा परिषद, उत्तर प्रदेश के प्रदेश प्रभारी श्री कुमार नारायण जी रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' जी ने पूरी बेबाकी के साथ इन सभी प्रस्तावों का पुरज़ोर समर्थन किया। इस महासम्मेलन में सत्ता और समाज के कई दिग्गज एक मंच पर नज़र आए प्रयागराज के महापौर श्री गणेश केसरवानी विधायक श्री हर्ष बाजपेई और विधायक श्री दीपक पटेल श्री कौशलेन्द्र नाथ सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री टी.पी. सिंह मंच से स्वामी चक्रपाणि जी महाराज ने उपस्थित विशाल जनसमूह को छुआछूत की दीमक को जड़ से मिटाने और हिन्दू समाज को अटूट एकता के सूत्र में पिरोने का महासंकल्प दिलाया। कैबिनेट मंत्री सहित सभी अतिथियों ने 'ओम' के महानाद के साथ इन प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई। सरकार को सौंपे गए ज्ञापन में समाज और राष्ट्र की दशा-दिशा बदलने वाले ये तीखे और स्पष्ट प्रस्ताव शामिल हैं भारत रत्न सम्मानः शिक्षा के लिए अपनी गाढ़ी कमाई और संपूर्ण संपत्ति समाज को समर्पित करने वाले महान मनीषी मुंशी काली प्रसाद 'कुलभास्कर' जी को मरणोपरांत देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिया जाए और प्रयागराज में राष्ट्रीय स्मारक व शिक्षा शोध केंद्र बने। स्वायत्त सनातन बोर्डः देश और विशेषकर उत्तर प्रदेश में संत-समाज की सीधी सहभागिता वाला एक स्वतंत्र और स्वायत्त सनातन बोर्ड का गठन हो।



पीएम-राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.50 लाख रूपए तक कैशलेस उपचार की सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। जिले में सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले पीड़ितों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री रोड एक्सीडेंट विक्टिम हॉस्पिटलाइजेशन एंड एसोर्ड ट्रीटमेंट योजना (पीएम-राहत योजना) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को दुर्घटना के बाद तत्काल उपचार के साथ अधिकतम 7 दिनों तक प्रति व्यक्ति 1 लाख 50 हजार रूपए तक कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जिले में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल इसका लाभ दिलाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिले में अब तक सड़क दुर्घटना में घायल 26 व्यक्तियों का पंजीयन कर योजना के तहत उपचार प्रदान किया गया है। इनमें 20 मरीजों का उपचार भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव तथा 6 मरीजों का उपचार निजी नर्सिंग होम राजनांदगांव में किया गया है। उपचार के लिए निर्धारित राशि का भुगतान भी किया जा चुका है। ीएम-राहत योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ितों को गोल्डन ऑवर दुर्घटना के तत्काल बाद के महत्वपूर्ण समय में बिना किसी देरी के अस्पताल में भर्ती कर निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। दुर्घटना के बाद का शुरूआती समय घायल व्यक्ति के जीवन की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसे ध्यान में रखते हुए पीड़ितों को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि पीएम-राहत योजना का प्रमुख उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों को आर्थिक चिंता के बिना तत्काल गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

बाजना पुलिस ने टैंकर से 16.15 लाख रुपये की नकली विदेशी शराब ज़ब्त की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वीरमगाम। मालवन हाईवे पर राधे होटल के पास भारत बेंज का टैंकर ज़ब्त, शराब तस्करों में मचा हड़कम्प कुल 31,35,872 रुपये का माल ज़ब्त! टैंकर में 6,816 बोतल शराब और चप्पलें मिलीं बाजना-सुरेंद्रनगर. गुजरात में शराब बैन के दावों के बीच बाजना पुलिस को एक बहुत बड़ी और चौंकाने वाली कामयाबी मिली है. सूचना के आधार पर, सुरेंद्रनगर जिले के बाजना पुलिस स्टेशन की एक टीम ने वीरमगाम-मालवन हाईवे पर राधे होटल के पास निगरानी रखी और एक संदिग्ध भारत बेंज टैंकर को रोका. जब टैंकर की तलाशी ली गई, तो अंदर खाकी रंग के डिब्बे में बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब मिली. पुलिस ने टैंकर से शराब की कुल 6,816 छोटी-बड़ी बोतलें और चप्पलें ज़ब्त की हैं, जिनकी बाज़ार में कीमत 16,15,872 रुपये आंकी गई है। शराब की इस भारी मात्रा के साथ, पुलिस ने 15 लाख रुपये कीमत का एक भारत बेंज टैंकर और जुर्म में इस्तेमाल किया गया 20 हज़ार रुपये का एक मोबाइल फ़ोन भी ज़ब्त किया है। इस तरह, पुलिस ने कुल 31,35,872 रुपये का सामान ज़ब्त करके कानूनी कार्रवाई तेज़ कर दी है। इस गंभीर मामले में पुलिस ने राजस्थान के फलौदी ज़िले के रहने वाले मुख्य आरोपी सुभाषभाई फरसाराम बिश्नोई को रंगे हाथों पकड़ा है। पूछताछ के दौरान इस रैकेट में शामिल दूसरे बड़े लोगों और सप्लायरों के बारे में भी अहम सुराग मिले हैं, जिनकी गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ गुजरात प्रोहिबिशन एक्ट के सख्त नियमों के तहत केस दर्ज किया है.



जनता बस स्टैंड पर टकटकी लगाए इंतज़ार करती रही और AMTS बसें BJP की मीटिंग से गायब हो गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात और अहमदाबाद में प्रशासन भले ही जनता के हित के दावे कर रहा हो, लेकिन एक और भी शर्मनाक घटना सामने आई है जो दिखाती है कि असलियत कितनी बुरी है। प्रधानमंत्री के 25 साल पूरे होने की खुशी में भारतीय जनता पार्टी ने रिवरफ्रंट पर एक बड़ा प्रोग्राम किया था। पता चला है कि इस मीटिंग में भीड़ जमा करने और करोड़ों लोगों का दिखावा करने के लिए अहमदाबाद म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट सर्विस यानी AMTS की रूटीन बसों का गलत इस्तेमाल किया गया। इन बसों में शहर के कोने-कोने से लोग भरे गए और सीधे BJP की मीटिंग में ले जाए गए! जब 'स्पेशल ड्यूटी' के नाम पर सरकारी और सरकारी बसों को ज़बरदस्ती मीटिंग में ले जाया गया, तो रोज़ाना नौकरी और पढ़ाई पर जाने वाले आम लोगों की हालत खराब हो गई। रूटीन रूट पर चलने वाली बसों के अचानक बंद होने से पैदल चलने वाले और बस स्टैंड पर खड़े यात्री बस का इंतज़ार करते रह गए। समय पर बस न मिलने से कई कर्मचारी ऑफिस देर से पहुंचे, वहीं कॉलेज में कई स्टूडेंट्स की अटेंडेंस खराब हो गई और वे छूट गए।

वडोदरा में एक भयानक हादसा! एक टेक्निकल इंस्टीट्यूट के 4 में से 2 स्टूडेंट पानी के तेज़ बहाव में बह गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंजलपुर। आयुष जादव और हरिपुरा के प्रीतेश चौहान काल का ग्रास बने नहर के तेज़ पानी के बहाव में डूबने से 17 साल के दो नाबालिग स्टूडेंट की दुखद मौत से पूरे ज़िले में खलबली मच गई है! स्थानीय लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर दोनों दोस्तों को बचा लिया, लेकिन फायर ब्रिगेड की घंटों की कड़ी मेहनत के बाद दोनों लापता स्टूडेंट की बेजान बॉडी मिली! वडोदरा. वडोदरा शहर से एक बहुत ही दिल दहला देने वाली और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. एक छोटी सी गलती और कुदरती आफ़त एक टेक्निकल इंस्टीट्यूट में पढ़ने वाले चार दोस्तों के लिए जानलेवा साबित हुई है. मिली जानकारी के मुताबिक, वडोदरा के एक टेक्निकल इंस्टीट्यूट में साथ पढ़ने वाले 4 में से 2 युवा दोस्त पानी के अचानक और जानलेवा बहाव में बह गए, जिससे पूरे इलाके में दुख की लहर दौड़ गई है. लोकल लोगों के समय पर दखल से दो दोस्त बच गएघटना के समय जब ये चार दोस्त पानी के बहाव में बह गए, तो चीख-पुकार मच गई। वहां मौजूद लोकल लोगों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। लोकल लोगों की हिम्मत की वजह से, नहर के पानी से खींचे जा रहे दो स्टूडेंट सुरक्षित और सही-सलामत निकल गए, जिससे उनकी जान बच गई। लेकिन, बहाव इतना तेज़ और तेज़ था कि बाकी दो स्टूडेंट गहरे पानी में डूब गए और गायब हो गए। घटना की खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड ने नहर के पानी में गहरी तलाशी ली। घंटों की कड़ी मेहनत और कोशिश के बाद, फायर ब्रिगेड ने नहर के गहरे पानी से दो लापता स्टूडेंट की बेजान बॉडी निकालीं। इस दुखद हादसे में मरने वाले दो नाबालिग स्टूडेंट्स की पहचान हो गई है महज 17 साल की छोटी सी उम्र में बेघर हुए इन होनहार युवाओं की अचानक और दुखद मौत से उनके परिवार सदमे में हैं और उनके रिश्तेदारों की चीख-पुकार से माहौल में कोहराम मच गया है।



रकुल प्रीत का बर्थडे राजस्थान में मनाने पहुंचे जैकी भगनानी, जयपुर एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा में दिखे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। बॉलीवुड अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी, उनकी पत्नी एवं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और फिल्म निर्माता दीपशिखा देशमुख गुरुवार को जयपुर पहुंचे। तीनों जयपुर एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाहर निकले और सीधे होटल के लिए रवाना हो गए। एयरपोर्ट के बाहर मौजूद लोगों ने जब उनका वीडियो बनाने की कोशिश की तो सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें दूर कर दिया।



सुरक्षा गार्ड्स ने कैमरे के सामने हाथ लगाकर मोबाइल से वीडियो बनाने से भी रोका। बताया जा रहा है कि जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी रकुल प्रीत सिंह का जन्मदिन राजस्थान में मनाने का प्लान बनाया है। इसी सिलसिले में परिवार के सदस्य जयपुर पहुंचे हैं। रकुल प्रीत सिंह का जन्मदिन 10 अक्टूबर को है। ऐसे में राजस्थान में उनके जन्मदिन को खास अंदाज में मनाने की तैयारी बताई जा रही है। जयपुर पहुंचने के दौरान जैकी और रकुल के लिए दिन भावुक भी रहा। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। गुरुवार को 75 वर्ष की उम्र में नाना पाटेकर का निधन हो गया। अस्पताल सूत्रों के मुताबिक उनकी मौत कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई। निधन की खबर सामने आने के बाद जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया स्टोरी के जरिए नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि दी और उनके निधन पर दुख जताया। जैकी भगनानी अभिनेता से निर्माता बने हैं। वे फिल्म निर्माता वाशु भगनानी के बेटे हैं। उन्होंने वर्ष 2009 में फिल्म 'कल किसने देखा' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में शुरुआत की थी। इसके बाद वे 'एफ.ए.एल.टी.यू.', 'अजब गजब लव', 'रंगरेज', 'यंगिस्तान', 'वेलकम 2 कराची' और 'मित्रों' जैसी फिल्मों में नजर आए।

जयपुर में युवक को लात-घूंसों से पीटते रहे लोग, सामने से गुजर गई पुलिस की चेतक; वीडियो वायरल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहर में एक व्यक्ति के साथ कुछ युवकों द्वारा मारपीट किए जाने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कुछ युवक एक व्यक्ति को पकड़कर लात-घूंसों से उसकी पिटाई करते दिखाई दे रहे हैं। इसी दौरान वहां से पुलिस की चेतक भी गुजरती नजर आ रही है। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने बीच-बचाव करने के बजाय मौके से आगे निकलना उचित समझा। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना 6 अक्टूबर की रात करीब 12 बजे दादी का फाटक बाईपास पुलिया के नीचे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार वीडियो में दिखाई दे रहे युवक पर मोबाइल चोरी कर भागने का आरोप था। इसके बाद कुछ युवकों ने उसे पकड़ लिया और मौके पर ही उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। युवक को कई लोग घेरकर लात-घूंसों से पीटते रहे। इसी दौरान वहां से पुलिस की चेतक टीम गुजर रही थी। वीडियो में चेतक वाहन को घटनास्थल के पास से गुजरते हुए देखा जा सकता है। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने मौके पर रुककर मारपीट कर रहे युवकों को रोकने या समझाइश देने की कोशिश नहीं की और वाहन आगे निकल गया। मारपीट के दौरान वहां से गुजर रहे युवक देवेश अग्रवाल ने पुलिस की चेतक गाड़ी को देखकर पुलिसकर्मियों को आवाज लगाई। वीडियो में उसकी आवाज सुनाई देती है, जिसमें वह कहता है, 'पुलिस अंकल, लड़ाई हो रही है... लड़ाई!' इसके जवाब में चेतक में बैठे पुलिसकर्मी की आवाज सुनाई देती है, 'हां, पुलिस आ रही है! 'हालांकि वीडियो में पुलिसकर्मी के इस जवाब के बाद चेतक मौके पर रुकती है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। घटना का वीडियो अब सामने आने के बाद पुलिस की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं। खास तौर पर यह सवाल उठाया जा रहा है कि जब पुलिस के सामने ही एक व्यक्ति के साथ मारपीट हो रही थी, तब चेतक टीम ने तत्काल हस्तक्षेप क्यों नहीं किया। मामले में पुलिस की ओर से अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस की ओर से घटना, मारपीट के कारण और चेतक टीम की भूमिका को लेकर स्थिति स्पष्ट किए जाने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ हो सकेगी।

जालौर में प्रबल कार्यक्रम में 27 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, सागर मल और रवीना कुमारी जिला स्तर के लिए चयनित



महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालौर। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देश पर जालौर ब्लॉक का प्रबल कार्यक्रम पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जीवन कौशल, व्यावसायिक एवं नेतृत्व कौशल के साथ रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मनोहर लाल गोदारा रहे। अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी रामेश्वर प्रसाद ने की। पीएम श्री विद्यालय बागरा के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रतियोगिता में जालौर ब्लॉक के 16 विद्यालयों से कुल 27 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने सार्वजनिक परिवहन, रोजगार, पर्यावरण, सोशल मीडिया और स्वदेशी उत्पाद जैसे पांच विषयों पर आशु भाषण प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने निर्धारित विषयों पर तत्काल अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अपनी अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया छात्र वर्ग में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा के कक्षा 12 के छात्र सागर मल टॉपर रहे। वहीं छात्रा वर्ग में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जालौर की कक्षा 11 की छात्रा रवीना कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान दोनों विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए गए। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सागर मल और रवीना कुमारी का चयन जिला स्तरीय प्रबल प्रतियोगिता के लिए हुआ है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने और विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपनी समझ विकसित करने का अवसर मिला। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

गाय को बचाने में पलटा तेल टैंकर, चालक गंभीर; डेढ़ घंटे बंद रहा फोरलेन, 2 किमी जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। ब्यावर-पिंडवाड़ा फोरलेन पर सालासर जी चौराहे के पास गुरुवार को गाय को बचाने के प्रयास में रिफाइंड तेल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद फोरलेन पर करीब डेढ़ घंटे तक यातायात बाधित रहा और दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लगने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार रिफाइंड तेल से भरा टैंकर गुजरात से पाली की ओर जा रहा था। सालासर जी चौराहे के पास अचानक सड़क पर गाय आ गई। चालक ने गाय को बचाने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर का केबिन क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसमें फंस गया। दुर्घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी मशक्कत के बाद टैंकर के केबिन में फंसे घायल चालक को बाहर निकाला। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए सिरोही ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। हादसे के बाद टैंकर में भरा रिफाइंड तेल सड़क पर फैल गया, जिससे मौके पर स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो गई। पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। यातायात व्यवस्था सुचारू करने के लिए पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त टैंकर को सड़क से हटवाया। वहीं सड़क पर फैले रिफाइंड तेल को मिट्टी डालकर ढकवाया गया, जिसके बाद रास्ते को साफ किया गया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद फोरलेन पर यातायात बहाल हो सका। इसी दौरान सड़क किनारे बने में काफी मात्रा में रिफाइंड तेल जमा हो गया। तेल को देखकर आसपास के लोग बाल्टी और डिब्बे लेकर मौके पर पहुंच गए और उसे भरकर ले जाने लगे। पुलिस ने लोगों को रोकने का प्रयास किया और उन्हें बताया कि यह तेल जहरीला हो सकता है तथा इसे ले जाना नुकसानदायक हो सकता है। इसके बावजूद कई लोग नहीं माने और



तेल भरकर ले जाते रहे। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर व्यवस्था संभालते हुए यातायात बहाल कराया।

पाली के बांगड़ अस्पताल में सीटी स्कैन के लिए लगी लंबी कतार, दो घंटे तक इंतजार के बाद भी नहीं आया नंबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। बांगड़ अस्पताल में गुरुवार को सीटी स्कैन करवाने पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सीटी स्कैन करवाने के लिए लोग दो घंटे से अधिक समय तक लाइन में खड़े रहे, लेकिन इस दौरान एक भी व्यक्ति का सीटी स्कैन नहीं हो सका। लंबे इंतजार के बाद लोगों ने अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों से शिकायत की। सीटी स्कैन करवाने पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि पर्ची काटने के काउंटर पर बैठा कर्मचारी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा था। लंबे समय तक लाइन में खड़े रहने के बावजूद पर्ची नहीं कटने से मरीज और उनके परिजन परेशान होते रहे। इसके बाद लोगों ने बांगड़ अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कैलाश परिहार और सहायक अधीक्षक डॉ. आरके विश्नोई से मुलाकात कर पूरी समस्या बताई। लोगों की शिकायत सुनने के बाद अस्पताल प्रशासन ने संबंधित स्टाफ से बात की। इसके बाद सीटी स्कैन काउंटर पर दूसरे कर्मचारी को लगाया गया। लोगों को उम्मीद थी कि कर्मचारी बदलने के बाद पर्ची बनाने और सीटी स्कैन की प्रक्रिया में तेजी आएगी। काणदरा गांव निवासी मदन सिंह ने बताया कि उनकी मां रूकमा देवी अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि वह गुरुवार सुबह



करीब 9 बजे से सीटी स्कैन करवाने के लिए लाइन में खड़े हैं, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी उनका नंबर नहीं आया। मदन सिंह का आरोप है कि काउंटर पर बैठा कर्मचारी पर्ची तक नहीं काट पा रहा था, जिसके कारण उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

डेढ़ घंटे इंतजार के बाद भी नहीं आया नंबर

पाली शहर निवासी पंकज कुमार ने बताया कि उनके नाना जी की शुगर कम हो गई थी। डॉक्टर को दिखाने के बाद उन्हें सीटी स्कैन करवाने की सलाह दी गई। नाना जी अस्पताल में भर्ती हैं और वह सीटी स्कैन के लिए करीब डेढ़ घंटे से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनका नंबर नहीं आया। ीटी स्कैन करवाने के लिए लाइन में खड़ी झिलमिल सोनी ने बताया कि उन्हें सिर दर्द की समस्या है। डॉक्टर ने सीटी स्कैन करवाने के लिए लिखा था। वह करीब दो घंटे से लाइन में खड़ी हैं, लेकिन उन्हें कोई ढंग से जवाब तक नहीं दिया जा रहा था। इससे मरीजों और उनके परिजनों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों की शिकायत के बाद अस्पताल प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप किया और सीटी स्कैन काउंटर पर दूसरे कर्मचारी को लगाया। इसके बाद व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई गई।

सीटी स्कैन काउंटर पर अव्यवस्था से मरीज परेशान

बांगड़ अस्पताल में सीटी स्कैन करवाने पहुंचे मरीजों और परिजनों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। लोगों का आरोप था कि पर्ची बनाने के काउंटर पर समय पर काम नहीं होने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने से परेशानी बढ़ी। सहायक अधीक्षक ने स्टाफ से बात कर काउंटर पर दूसरे कर्मचारी को लगाया।

जालोर और बागरा को मिली नई 108 एंबुलेंस, मरीजों को समय पर मिलेगी चिकित्सा सुविधा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। वन्यजीव सप्ताह के छठे दिन बुधवार को वन विभाग की ओर से गुरुशिखर से उतरज गांव तक के ट्रैकिंग मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान में वन विभाग के कर्मचारियों के साथ वन्यजीव प्रेमियों और प्रकृति प्रेमियों ने भी भाग लिया। करीब 200 किलोग्राम प्लास्टिक और अन्य अनुपयोगी कचरा एकत्र कर ट्रैकिंग मार्ग को साफ किया गया। सफाई अभियान के दौरान ट्रैकिंग मार्ग और उसके आसपास लंबे समय से बिखरे प्लास्टिक की बोतलें, रैपर, पॉलिथीन सहित अन्य कचरे को एकत्र किया गया। वन विभाग की टीम और अभियान में शामिल लोगों ने मार्ग के विभिन्न हिस्सों में सफाई कर प्राकृतिक क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। अभियान में शामिल वन्यजीव एवं प्रकृति प्रेमियों ने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से प्राकृतिक क्षेत्रों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि माउंट आबू के जंगल और प्राकृतिक स्थल सभी के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में यहां आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु अपने साथ लाए कचरे को खुले में नहीं फेंकें और उसे वापस ले जाकर निर्धारित स्थान पर ही डालें। वन विभाग के अनुसार सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य माउंट आबू के पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को कचरे से सुरक्षित रखना है। अभियान के जरिए लोगों को प्रकृति संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी किया गया। वन्यजीव सप्ताह के दौरान आयोजित इस अभियान में लोगों ने प्राकृतिक स्थलों को साफ रखने और वन्यजीवों के संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाने का संदेश दिया।



आर्य समाज गुरुकुल में यज्ञ के साथ नई नगरपालिका टीम का अभिनंदन, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौत्तम

माउंट आबू। आर्ष समाज गुरुकुल में प्रमुख स्वामी ओमानंद सरस्वती के सान्निध्य में यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रों का सस्वर पाठ किया। नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य, उपाध्यक्ष विशाल बंसल सहित पार्षदों ने यज्ञकुंड में आहुतियां देकर लोककल्याण, शांति और सामाजिक सद्भाव की कामना की। इस अवसर पर नगरपालिका की नई टीम का अभिनंदन भी किया गया। यज्ञ के दौरान वैदिक मंत्रों के उच्चारण से गुरुकुल का वातावरण आध्यात्मिक हो गया। विद्यार्थियों ने मंत्रों का सस्वर पाठ किया और उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहुतियां देकर क्षेत्र में शांति, सामाजिक सद्भाव और लोककल्याण की कामना की। कार्यक्रम के दौरान नई नगरपालिका टीम के सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य ने कहा कि शांति और लोककल्याण की भावना से किया गया यज्ञ समाज में सकारात्मक संदेश देता है। उन्होंने कहा कि माउंट आबू के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। शहर की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। कार्यक्रम



में आर्य समाज के संतों ने नगरपालिका की नई टीम को शुभकामनाएं देते हुए माउंट आबू के पर्यटन और धार्मिक स्थलों को बेहतर पहचान दिलाने की अपेक्षा जताई। संतों ने कहा कि माउंट आबू का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व महत्वपूर्ण है। ऐसे में यहां के धार्मिक स्थलों के विकास और उनकी बेहतर पहचान के साथ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में भी ध्यान दिया जाना चाहिए। गोमुख-वशिष्ठ आश्रम और पात नारायण तीर्थ से जुड़े स्वामी भक्ति हृदय शरण तथा कथावाचक सनकादिक शरण ने भी नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य का अभिनंदन किया। संतों ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों के विकास, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान माउंट आबू के विकास, धार्मिक पर्यटन और शहर की बुनियादी जरूरतों को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित लोगों ने शहर के समग्र विकास के साथ धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों को बेहतर पहचान दिलाने, उनके विकास और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की जरूरत पर चर्चा की। संतों और उपस्थित लोगों ने नगरपालिका की नई टीम से माउंट आबू के विकास के साथ जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ शहर के विकास और सामाजिक हित से जुड़े विषयों पर सकारात्मक विचार-विमर्श को आगे बढ़ाना रहा।

वार्ड 22 के गरीब परिवारों के लिए बाथरूम-शौचालय बनवाने की मांग, एसडीएम और पालिकाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। कस्बे के वार्ड नंबर 22 में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए बाथरूम और शौचालय निर्माण की मांग को लेकर गुरुवार को ज्ञापन सौंपा गया। वार्ड पार्षद मुकेश राणा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने माउंट आबू एसडीएम और नगरपालिका अध्यक्ष को ज्ञापन देकर पात्र परिवारों के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की ज्ञापन में बताया गया कि वार्ड नंबर 22 में कई गरीब और जरूरतमंद परिवार रहते हैं, जिनके सामने बाथरूम और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्या है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की कि पात्र परिवारों को चिह्नित कर उनके लिए बाथरूम और शौचालय का निर्माण कराया जाए, ताकि उन्हें आवश्यक सुविधाएं मिल सकें। पार्षद मुकेश राणा ने कहा कि वार्ड के जरूरतमंद परिवारों की समस्या को देखते हुए प्रशासन से जल्द सकारात्मक कार्रवाई की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि स्वच्छता और सम्मानजनक जीवन के लिए प्रत्येक परिवार के पास शौचालय और बाथरूम जैसी आवश्यक सुविधाएं होना जरूरी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान पार्षद यश शर्मा, पार्षद नासिर खान, भील समाज युवा अध्यक्ष हरीश राणा (काबू), भील कॉलोनी युवा अध्यक्ष प्रवीण राणा सहित वार्ड नंबर 22 के सदस्य और स्थानीय लोग मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन से गरीब और जरूरतमंद परिवारों की इस मूलभूत समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग की।



कलेक्टर ने माउंट आबू में विकास कार्यों का लिया जायजा, गुणवत्ता और समय पर काम पूरा करने के निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। बजट घोषणाओं के तहत शहर में चल रहे विकास कार्यों की जमीनी स्थिति और गुणवत्ता की जांच के लिए जिला कलेक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने बुधवार को माउंट आबू का दौरा किया। उनके साथ उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। कलेक्टर ने विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति देखी और संबंधित अधिकारियों से अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंदाकिनी कुंड, अधर देवी, हनीमून पॉइंट, नक्की लेक सहित विभिन्न स्थानों पर चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया गया। कलेक्टर ने कार्यकारी एजेंसियों के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, प्रगति और गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मौके पर निर्माण कार्यों के दौरान सामने आ रही जरूरतों और स्थानीय परिस्थितियों को लेकर भी अधिकारियों से चर्चा की। कलेक्टर ने बजट घोषणाओं के तहत स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय में पूरा



करने पर जोर दिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्माण में आ रही समस्याओं और आवश्यकताओं के बारे में फीडबैक लिया। अधिकारियों को काम की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के साथ निर्धारित समयसीमा के अनुसार कार्य आगे बढ़ाने को कहा गया निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विकास कार्यों की मौके पर स्थिति देखी और संबंधित अधिकारियों से कार्यों की प्रगति को लेकर जानकारी ली। अधिकारियों ने उन्हें अलग-अलग स्थानों पर चल रहे कार्यों और अब तक हुई प्रगति से अवगत कराया। इस दौरान तहसीलदार राणाराम, नगरपालिका आयुक्त त्रिकमदान चारण, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता रमेश कुमार, नगरपालिका एईएन ललित भारद्वाज, जेईएन लक्ष्मण कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीनियर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता में गोलों की बरसात, ग्रीन स्टार क्लब ने 7-1 से दर्ज की जीत

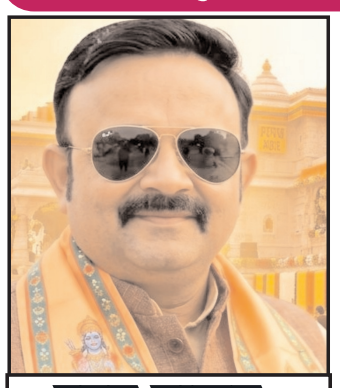


महानगर मेट्रो ब्यूरो

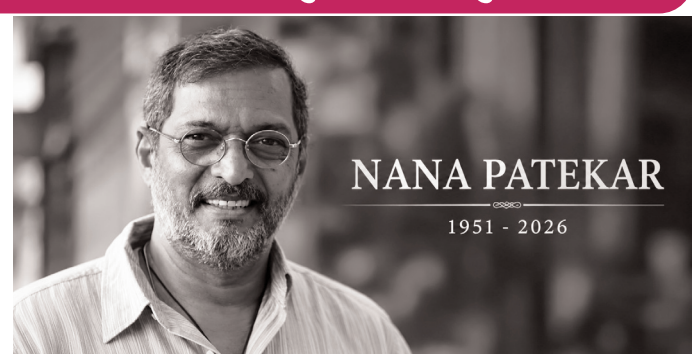
सिरोही। पोलो ग्राउंड में चल रही सीनियर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता में बुधवार को तीन मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। पहले मुकाबले में ग्रीन स्टार क्लब ने सेंट राजेश्वर स्कूल को एकतरफा मुकाबले में 7-1 गोल से हराया। दूसरे मैच में जॉली क्लब और सिरोही सिटी एफसी के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। निर्धारित समय में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। मुकाबला टाइब्रेकर तक पहुंचा, जिसमें जॉली क्लब ने 5-3 गोल से जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मुकाबले में नाइक एफसी उड़वारिया और राइजिंग स्टार क्लब आमने-सामने रहे। नाइक एफसी उड़वारिया ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए राइजिंग स्टार क्लब पर दबाव बनाए रखा और मुकाबला 4-0 गोल से अपने नाम किया। तीनों मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तेज गति और बेहतर तालमेल के साथ खेलते हुए दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखने के लिए खेलप्रेमी भी मौजूद रहे। मुकाबलों में रेफरी की भूमिका ज्योतिष जोनवाल, देवेंद्र बनौधा, ओटाराम और प्रथम कुमार ने निभाई। प्रतियोगिता के दौरान पार्षद सलिल कालमा, सौरव टाक, नीलेश बैरवा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अभिनय के असली सम्राट, अनूठे अंदाज और फकीराना जिंदगी के धनी दिग्गज 'नाना पाटेकर' को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

जमीन से जुड़े और सादगी की जीती-जागती मूरत समान अभिनेता नाना पाटेकर का 75 वर्ष की आयु में गोवा से दुःखद निधन



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो



अहमदाबाद/मुंबई भारतीय चित्रपट और नाटक जगत के क्षितिज से एक ऐसा नगीना बिछुड़ गया है, जिसकी भरपाई कभी कोई नहीं कर सकता। अपनी अनूठी अभिनय शैली, कड़क आवाज और अडिग मिजाज से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले महान अभिनेता नाना पाटेकर (विश्वनाथ पाटेकर) का गोवा स्थित निवास स्थान पर दिल का दौरा पड़ने से 75 वर्ष की आयु में अचानक निधन हो गया है। उनके निधन के समाचार से पूरे देश में, विशेषकर कला जगत में गहरी शोक की लहर दौड़ गई है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' परिवार इस महान कलाकार और सच्चे देशभक्त को अंतःकरण से विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

जमीन से सीखी जिंदगी और संघर्ष का अग्निपथ

नाना पाटेकर का जीवन किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं था। महाराष्ट्र के मुरूड-जंजीरा में एक साधारण परिवार में जन्मे विश्वनाथ उर्फ नाना पाटेकर का बचपन भारी आर्थिक संघर्षों के बीच बीता। मात्र 13 वर्ष की कच्ची उम्र में ही परिस्थितियों के चलते उन्हें मुंबई की गलियों में फिल्मों की पब्लिसिटी के लिए होर्डिंग और पोस्टर रंगने का काम करना पड़ता था, जिसके बदले उन्हें महीने के महज 35 रुपए मिलते थे।

जीवन में भुखमरी और गरीबी क्या होती है, इसे करीब से देखने वाले नाना ने कभी हार नहीं मानी। सर जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट से एप्लाइड आर्ट्स में शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे रंगमंच (थिएटर) से जुड़े। नाटकों में छोटे-बड़े किरदार निभाते-निभाते उन्होंने अपनी अद्भुत अभिनय प्रतिभा के दम पर बॉलीवुड में कदम रखा।

रुपहले पर्दे पर धाक जमाने वाला बेजोड़ अभिनय

1978 में फिल्म 'गमन' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले नाना पाटेकर ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

राष्ट्रीय पुरस्कारः उन्होंने अपने दमदार अभिनय के दम पर तीन-तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड (राष्ट्रीय पुरस्कार) अपने नाम किए थे।

आइकॉनिक फिल्में: 'परिंदा', 'क्रांतिवीर', 'प्रहार', 'अंकुश', और मराठी सिनेमा की मास्टरपीस फिल्म 'नटसम्राट' में उनका अभिनय भारतीय सिनेमा के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गया है। विलेन, हीरो या चरित्र अभिनेता–हर भूमिका में उन्होंने जान फूंक दी थी।

कॉमेडी में भी बेजोड़ः गंभीर और गुस्से वाले रोल्स के लिए विख्यात नाना ने 'वेलकम' फिल्म में अफ्लातून 'उदय शेट्टी' बनकर दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया था।

फकीराना लाइफस्टाइल और जमीन से जुड़ा व्यक्तित्व मुंबई जैसी मायानगरी और चकाचौंध से भरी दुनिया में करोड़ों की कमाई करने के बावजूद, नाना पाटेकर ने हमेशा बेहद सादी और फकीराना जीवनशैली अपनाई। मुंबई के अंधेरी इलाके के एक साधारण 1-बीएचके फ्लैट में उन्होंने दशकों तक सादा जीवन व्यतीत किया। जब उनसे पूछा ाता था कि वे बड़े बंगलों या महंगी गाड़ियों में क्यों नहीं रहते, तो उनका एक ही मूल मंत्र था – 'जब आपकी जरूरतें सीमित होती हैं, तो जीवन बहुत सरल हो जाता है। '

वे हमेशा कहा करते थे, 'मैं फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा नहीं हूं, मैं एक गांव का आदमी हूं। यहां काम करने आता हूं और वापस अपने गांव या फार्महाउस चला जाता हूं।' पुणे के पास खडकवासला और डोनाजे इलाके के 27 एकड़ के फार्महाउस में वे प्रकृति के बीच शांतिपूर्ण जीवन जीते थे।

सैनिकों के प्रति प्रेम और सामाजिक सेवा की भावना नाना पाटेकर सिर्फ पर्दे पर ही 'क्रांतिवीर' नहीं थे, बल्कि वास्तविक जीवन में भी एक असली हीरो थे।

भारतीय सेना के लिए समर्पणः फिल्म 'प्रहार' के लिए उन्होंने मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ 3 साल तक कठिन ट्रेनिंग ली थी। यह लगाव इतना गहरा था कि 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने आधिकारिक तौर पर प्रादेशिक सेना में सेवा दी थी और लेफ्टिनेंट कर्नल के पद तक पहुंचे थे।

नाम फाउंडेशनः महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इलाकों में आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवारों और उनकी विधवाओं की मदद के लिए उन्होंने अपने मित्र मकरंद अनासपुरे के साथ मिलकर 'नाम फाउंडेशन' की स्थापना की थी। उन्होंने अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा गरीबों और अन्नदाताओं की सेवा में समर्पित कर दिया था।

अभिनय के आकाश में ध्रुव तारे की तरह चमकने वाले नाना पाटेकर भले ही आज शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनके दमदार डायलॉग्स, उनकी अनूठी शैली और उनके मानवीय कार्य हमेशा अमर रहेंगे। मातृभूमि और कला के प्रति उनका समर्पण युगों-युगों तक आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। भावभीनी श्रद्धांजलि! ओम शांति!

सागरखेड़ू के मशहूर कहानीकार गुणवंतराय आचार्य की बेटी, महिला भावनाओं, नारीवादी विचारों और सामाजिक असमानताओं को शानदार आवाज़ देने वाले महान रचनाकारः साहित्य जगत में गहरा शोक

अहमदाबाद/मुंबई। गुजराती भाषा और साहित्य जगत से एक जाना-माना नाम चला गया, जिसने दशकों तक अपनी अनोखी लेखनी से पाठकों को झकझोर कर रख दिया था। गुजराती साहित्य की जानी-मानी और मार्मिक उपन्यासकार इला अरब मेहता का मुंबई में कुछ समय की बीमारी के बाद दुखद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से गुजरात और मुंबई के साहित्यिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है। 'पाको गुजरात न्यूज़' परिवार प्रगतिशील लेखिका इला अरब मेहता को भावभीनी और अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि देता है।

साहित्यिक विरासत और प्रभावशाली पृष्ठभूमि

इला अरब मेहता का साहित्य से खून और खानदानी रिश्ता था। वह गुजराती साहित्य के मशहूर सागरखेड़ू और ऐतिहासिक उपन्यासों के महान रचनाकार गुणवंतराय आचार्य की बेटी थीं। उन्होंने अपने पिता से मिली लिखने की विरासत को बहुत कामयाबी से आगे बढ़ाया।

जबसे उन्होंने लिखना शुरू किया, यह साफ़ था कि वह एक ऐसी आवाज़ बनेंगी जो भीड़ से अलग दिखेंगी। उनके नॉवेल सिर्फ़ मनोरंजन तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि उन्होंने समाज की कड़वी सच्चाई और इंसानी मन की गहरी गहराइयों को छुआ।औरत की समझ और सामाजिक असमानताओं की एक अनोखी अभिव्यक्ति अगर इला अरब मेहता की पहचान किसी एक चीज़ के लिए सबसे खास रही है, तो वह है 'औरत की समझ' और औरतों के अंदरूनी संघर्षों का शानदार प्रेजेंटेशन।

उन्होंने अपनी कलम के ज़रिए एक पुरुष-प्रधान समाज में औरतों के वजूद, उनकी पहचान, पारिवारिक रिश्तों की उलझनों और मानसिक उलझनों को बहुत सही तरीके से सामने लाया। 'बटकी खेल', 'अमृत घायल', 'तृष्णा', 'राधा' और 'वर्षाडना रंग' जैसे उनके बहुत पसंद किए गए और पॉपुलर नॉवेल ने गुजराती पढ़ने वालों के बीच ज़बरदस्त हलचल मचाई।

खासकर उनकी रचनाओं पर बने नाटकों और टेलीविज़न सीरियल ने भी लोगों पर गहरी छाप छोड़ी। उनकी कलम हमेशा समाज की रूढ़िवादिता और आर्थिक और सामाजिक असमानता के खिलाफ़ एक चिंगारी की तरह काम करती रही। मुंबई और गुजरात के बीच एक पुल और एक शानदार शख्सियत मुंबई में बसने के बावजूद, इला अरब मेहता का दिल हमेशा गुजरात और गुजराती भाषा के लिए धड़कता था। वह सिर्फ़ एक लेखिका ही नहीं, बल्कि एक जोशीली सोच वाली और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर बोलने वाली शख्सियत थीं। उनकी भाषा शैली इतनी सहज और तीखी थी कि पढ़ने वाला किताब के पन्ने पलटे बिना नहीं रह पाता था।

उन्होंने हमेशा साहित्यिक संस्थाओं से जुड़कर लेखकों और युवाओं की नई पीढ़ी को गाइडेंस दी। उनके जाने का मतलब है गुजराती साहित्य के एक मज़बूत स्तंभ का ढह जाना।

भले ही इला अरब मेहता आज हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी कलम और महिला सशक्तिकरण की विचारधारा से बनी अमूल्य साहित्यिक विरासत हमेशा अमर रहेगी।

मातृभाषा और साहित्य में उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को सदियों तक प्रेरित करता रहेगा।

राजधानी में 15,000 दिल्ली पुलिस के जवान और 23,000 सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के जवान हाई अलर्ट परः 8 से 12 अक्टूबर तक 221 CPF कंपनियाँ तैनात

स्कूलों में स्मार्ट और डिजिटल क्लासरूम धूल फांक रहे हैं, इंटरनेट न होने से स्टूडेंट्स का भविष्य खराब हो गया है

अहमदाबाद. आज हमारे एडिटर के कॉलम का टॉपिक सिर्फ़ किसी आम खबर तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की राजधानी दिल्ली में इस समय जो भयानक और चौंकाने वाली सिक्योरिटी सिचुएशन है, उस पर एक सीरियस सोच है. इस समय दिल्ली की सड़कों और चौराहों पर ऐसे नज़ारे देखने को मिल रहे हैं जैसे देश में मेले या शादियाँ कम और सिक्योरिटी फोर्स की परेड ज़्यादा चल रही हों! मज़े की बात यह है कि शायद आजकल VIP शादियों में मेहमान कम आ रहे हैं, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर कई गुना ज़्यादा बैंड और सिक्योरिटी वाले तैनात किए गए हैं. आंकड़े खुद बोलते हैं दिल्ली एक छावनी बन गई है अगर आंकड़ों पर नज़र डालें तो हालात रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। अभी दिल्ली में सीधे तौर पर 15,000 पुलिस वाले तैनात हैं, और उनके साथ पूरे 23,000 सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान भी तैनात किए गए हैं। 8 से 12 अक्टूबर तक खास दिनों के लिए दिल्ली में CPF की कुल 221 कंपनियां तैनात की गई हैं, जिससे जंग के मैदान जैसे हालात बन जाते हैं। इस बड़े काफिले का हिसाब-किताब चौंकाने वाला है

CRPF. अकेले CRPF की 85 कंपनियां बुलाई गई हैं।

SSB और dTI की 10 कंपनियां, रैपिड एक्शन फोर्स की 7 कंपनियां तैनात हैं।

ITBP और CISFÑITBP की 7 कंपनियां और CISF की 1 कंपनी को भी स्टैंडबाय पर रखा गया है। और ये तो बस बाहर से बुलाई गई फोर्स हैं! दिल्ली पुलिस के पास पहले से ही बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की 41 कंपनियां, की 18, SSB की 16, RAF की 13 और CRPF की 12 कंपनियां मौजूद थीं। देश के दूसरे कोनों से सिक्योरिटी फोर्स बुलाई गई!

सवाल उठता है कि इतनी सारी फोर्स कहां से और क्यों बुलाई गई हैं? अमरनाथ यात्रा की सिक्योरिटी के लिए तैनात CRPF की 85 कंपनियां यहां बुलाई गई हैं जम्मू इलाके में सेंसिटिव बॉर्डर पर तैनात 137 कंपनियों में से 20 कंपनियां यहां लाई गई हैं पिछले साल अक्टूबर से पश्चिम बंगाल में सिक्योरिटी के लिए तैनात 65 कंपनियों में से 40 कंपनियां हटाकर दिल्ली भेज दी गई हैं इतना ही नहीं, छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में एंटी-नक्सल ऑपरेशन के लिए तैनात 157 कंपनियों में से भी 22 कंपनियां यहां भेज दी गई हैं!

असली मकसदः बड़े आंदोलनों को दबाना?

प्रशासन कितना भी दावा करे कि यह सब लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने और किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए किया जा रहा है, लेकिन देश का पढ़ा-लिखा वर्ग और जनता अच्छी तरह जानती है कि इस बहाने असली खेल क्या खेला जा रहा है। इतनी बड़ी फोर्स सिर्फ त्योहारों या आम सिक्योरिटी के लिए नहीं है। यह साफ़ इशारा है कि सरकार ने देश के नागरिकों की विरोध की आवाज़ों और किसी भी संभावित बड़े आंदोलन को कुचलने के लिए अपनी पूरी ताकत दिखाने की पूरी तैयारी कर ली है।

जब लोकतंत्र में लोगों की आवाज़ दबाने के लिए वर्दी और बंदूक का यह डर दिखाया जाता है, तो यह सवाल ज़रूर पूछा जाना चाहिएः क्या यही हमारी आज़ादी और लोकतंत्र का असली रूप है? लोगों की ताकत से इतना डर क्यों?

पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने की तैयारी, इसी सत्र में विधानसभा में आ सकता है बिल



कोलकाता। पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने की कवायद एक बार फिर तेज हो गई है। राज्य सरकार जल्द ही विधानसभा में इस संबंध में विधेयक पेश कर सकती है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने सोमवार को कोलकाता में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि नाम परिवर्तन से जुड़ा विधेयक विधानसभा के मौजूदा सत्र में ही पेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य का नाम 'पश्चिम बंग' रखने का फैसला उसके इतिहास और बंगाली पहचान से जोड़कर लिया गया है।

भट्टाचार्य वाराणसी में प्रस्तावित 'पश्चिम बंग भवन' को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि नाम बदलने के बाद राज्य के लिए 'बांग्ला' या 'वेस्ट बंगाल' जैसे अलग-अलग नामों का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा। एक ही नाम 'पश्चिम बंग' के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

नाम बदलने की कोशिश तीन बार हो चुकी

पश्चिम बंगाल का नाम बदलने की कोशिश नई नहीं है। वर्ष 1999 में ज्योति बसु के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार ने राज्य का नाम 'पश्चिम बंग' रखने का प्रस्ताव विधानसभा में रखा था। इसके पीछे औपनिवेशिक दौर से जुड़े नाम से अलग होने और राज्य की बंगाली पहचान को प्रमुखता देने का तर्क दिया गया था। बाद में प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया, लेकिन राजनीतिक सहमति और केंद्र की मंजूरी नहीं मिलने के कारण यह आगे नहीं बढ़ सका।

वर्ष 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद ममता बनर्जी सरकार ने एक बार फिर नाम बदलने का मुद्दा उठाया। उस समय 'पश्चिम बंग' नाम का प्रस्ताव रखा गया। सरकार का तर्क था कि अंग्रेजी वर्णमाला के क्रम में पश्चिम बंगाल नीचे आता है और राष्ट्रीय बैठकों में राज्य के प्रतिनिधियों को बोलने के लिए अक्सर इंतजार करना पड़ता है। 2011 में सर्वदलीय बैठक में भी प्रस्ताव को समर्थन मिला, लेकिन केंद्र से मंजूरी नहीं मिली।

वर्ष 2016 में राज्य सरकार ने नाम बदलने की प्रक्रिया फिर शुरू की। उस समय 'बांग्ला', 'बंगाल' और 'बंगाल' नामों का प्रस्ताव रखा गया था। वर्ष 2018 में विधानसभा ने सर्वसम्मति से 'बांग्ला' को राज्य का एकमात्र नाम बनाने का प्रस्ताव पारित किया। हालांकि केंद्र सरकार ने इसे भी मंजूरी नहीं दी और कहा गया कि इसके लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता होगी। भाजपा के कुछ नेताओं ने 'बांग्ला' नाम पर आपत्ति जताते हुए इसके बांग्लादेश से मिलते-जुलते होने का मुद्दा भी उठाया था।

वाराणसी में बनेगा पश्चिम बंग भवन

समिक भट्टाचार्य ने वाराणसी में प्रस्तावित पश्चिम बंग भवन की योजना की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने केंद्र सरकार तथा कूच बिहार के राजपरिवार के वंशजों के साथ मिलकर इस भवन की योजना तैयार की है। प्रस्तावित भवन को पश्चिम बंगाल के सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां बंगाल से वाराणसी आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध कराने की योजना है।

उन्होंने कहा कि वाराणसी और बंगाल के बीच लंबे समय से ऐतिहासिक और आध्यात्मिक संबंध रहे हैं। वाराणसी में बंगाल से जुड़े कई सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थानों की मौजूदगी का भी उन्होंने उल्लेख किया। कूच बिहार के राजपरिवार ने 1836 में बनारस कालीबाड़ी की आधारशिला रखी थी। इसके करीब एक दशक बाद वहां दो मंदिर भी बनवाए गए थे।

छह महीने में सख्त कानून का दावा

इसी कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य में 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' के खिलाफ सख्त कानून लाने की बात कही। उन्होंने दावा किया कि छह महीने के भीतर इस संबंध में कानून लाए जाएंगे। इसके साथ ही उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर पश्चिम बंगाल में समान नागरिक संहिता लागू करने की बात भी कही गई। यह बयान कोलकाता में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी समारोह के दौरान दिया गया।

ऐसे में पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर 'पश्चिम बंग' करने का प्रस्ताव आने पर एक बार फिर राज्य की पहचान, इतिहास और राजनीतिक सहमति को लेकर बहस तेज होने के संकेत हैं। अब नजर विधानसभा के मौजूदा सत्र पर है कि सरकार इस संबंध में विधेयक पेश करती है या नहीं।

(शुक्रवार)9 अक्टूबर 2026

मेष — आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता मिलेगी, आर्थिक लाभ के अवसर बनेंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी

वृषभ — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और व्यापार या नौकरी में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे

मिथुन — परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, कामकाज में सफलता मिलेगी और किसी पुराने प्रयास का सकारात्मक परिणाम आपके पक्ष में आ सकता है

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे और आर्थिक लाभ का नया अवसर मिल सकता है।

सिंह — दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

कन्या — आज कामकाज में नई संभावनाएं सामने आएंगी, परिवार में खुशी रहेगी और लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है।

तुला — झआज मेहनत और धैर्य का अच्छा फल मिलेगा, नौकरी-व्यवसाय में तरक्की के अवसर आएंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा

वृश्चिक — आज महत्वपूर्ण फैसले लेने के लिए दिन अनुकूल है, नौकरी-व्यवसाय में प्रगति के साथ मान-सम्मान बढ़ने के योग बन रहे हैं।

धनु — मेहनत से रुके हुए कार्य पूरे होंगे, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में लाभ दे सकती है

मकर — नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

कुंभ — भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, नई योजनाओं में सफलता के संकेत हैं और परिवार के साथ कोई सुखद समाचार मिल

मीन — दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

गुजरात में 'मैला' प्रथा का कलंक और सत्ताधीशों की बेरहमीः विकास के दावों के पीछे छिपी अमानवीय वास्तविकता का पर्दाफाश

पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के बयानों से गुजरात की राजनीति में भूचाल

अहमदाबाद गुजरात की धरती पर विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जब सामाजिक कुप्रथाओं और प्रशासनिक उदासीनता की परतें उधेड़ी जाती हैं, तो जो सच सामने आता है, वह अंतःमंथन करने पर मजबूर कर देता है। पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला द्वारा उठाए गए मुद्दों और गुजरात के राजनीतिक चक्रवात के केंद्रबिंदु समान 'मैला' विषय पर आज राज्य की राजनीति गरमा गई है।

कानून का इतिहास और शंकरसिंह सरकार का कदम जब 'मैला' शब्द या इस अमानवीय प्रथा की बात आती है, तो गुजरात के अब तक के मुख्यमंत्रियों में शंकरसिंह वाघेला को इस पर बोलने का सबसे बड़ा नैतिक अधिकार इसलिए है क्योंकि उनकी और उनके साथी तत्कालीन मुख्यमंत्री दिलीपभाई पारेख की सरकार के दौरान भारत में इस प्रथा पर प्रतिबंध लगाने वाला पहला कानून गुजरात में ही लागू हुआ था!

सिर्फ कानून ही नहीं, बल्कि गुजरात सरकार ने इस संबंध में एक विशिष्ट आयोग का गठन किया था और पहली बार बजट में सफाई कर्मियों के पुनर्वास के लिए 150 करोड़ रुपए आवंटित करने की ऐतिहासिक पहल की थी। इस कानून के बनने के बाद देश के अन्य 18 राज्यों ने इसे लागू किया था। हालांकि, इससे पहले केंद्र सरकार ने कानून बनाया था, लेकिन जब तक राज्य विधानसभा प्रस्ताव पारित नहीं करती, तब तक वह लागू नहीं होता, और गुजरात इस दिशा में पहल करने वाला पहला राज्य बना था।

न्यायपालिका और सामाजिक संघर्ष की गाथा

आज़ादी के बाद पहली बार 1996-97 में 'नवसर्जन ट्रस्ट' द्वारा इस गंभीर मुद्दे पर गुजरात उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई थी। पत्रकार राजीव शाह की रिपोर्टों और तत्कालीन न्यायमूर्ती रमेशभाई मेहता के फैसले के बाद गठित समिति (जिसमें हरुभाई मेहता, गिरीशभाई पटेल और बी.एन. वकील सदस्य थे) की रिपोर्ट ने स्पष्ट किया था कि गुजरात में सिर पर मैला ढोने की प्रथा व्यापक पैमाने पर मौजूद है। बाद में केंद्र में नरसिंह राव और मनमोहन सिंह की सरकार ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और LESSER HUMANS (गुजराती में 'वेंत छेता') डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई गई। योजना आयोग द्वारा सफाई कर्मियों के पुनर्वास के लिए 1000 करोड़ रुपए आवंटित करने की योजना बनाई गई थी। डॉ. सईदा हमीद और भालचंद्र मुंगेकर जैसे महानुभावों का इसमें अति महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

वर्तमान शासकों के सामने सुलगते सवाल

आज यदि वर्तमान मुख्यमंत्री से पूछा जाए कि क्या गुजरात में अभी भी 'मैला ढोने की प्रथा' चालू है और कितने लोग इस काम में लगे हैं, तो शायद तंत्र के पास इसका कोई स्पष्ट और संतोषजनक जवाब नहीं होगा। भूतकाल में भी ऐसे सवाल पूछे गए थे कि गुजरात के विकास के प्रमाणस्वरूप जहां छुआछूत पूरी तरह समाप्त हो गई हो, ऐसे सिर्फ एक गांव का नाम बताइए, लेकिन भाजपा के शासक इसका जवाब नहीं दे सके। गुजरात में जातिवाद का जहर इस हद तक फैला हुआ है कि जब तक जाति व्यवस्था आधारित मानसिकता का शुद्धिकरण नहीं होगा, तब तक सच्चा विकास कागजों पर ही रहेगा। आदिवासी क्षेत्रों की बात हो या दलितों के अधिकारों की, राजनीतिक दलों द्वारा केवल वोट बैंक की राजनीति की जाती है।

दलित आंदोलन की कमजोरी और राजनीतिक सौदेबाजी

आज की राजनीति का सबसे काला सत्य यह है कि दलित आंदोलनों के पास आज तक कोई मजबूत और परिपक्व राजनीतिक नेतृत्व नहीं रहा है। चुनाव जीतने के बाद दलित विधायकों के बिक जाने की चर्चाएं खुलेआम होती हैं। दलितों के नाम पर फंड लेने वाली संस्थाएं और दलितों के अधिकारों का खात्मा करने के लिए दलित नेताओं को ही मोहरा बनाने का खेल गुजरात की राजनीति में खेला जाता रहा है।

गांधी, सरदार और डॉ. अंबेडकर की इस पावन भूमि पर यदि आज भी ये अमानवीय प्रथाएं अस्तित्व में हैं, तो यह गुजरात के माथे पर एक बड़ा कलंक है। इस कलंक को धोने के लिए केवल राजनीतिक भाषणों की नहीं, बल्कि ईमानदारी से उठाए गए क्रांतिकारी कदमों की अनिवार्य जरूरत है!

निकाह के अगले दिन नवविवाहित युवक की मौत, आम के बाग में मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में निकाह के अगले ही दिन एक नवविवाहित युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया। खरखौदा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी यूनुस का मंगलवार को पावली खास गांव में निकाह हुआ था। निकाह के बाद वह पत्नी के साथ घर लौटा और परिवार ने शादी की खुशियां मनाईं। बताया गया कि रात तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन बुधवार सुबह यूनुस घर से बाहर चला गया। बाद में उसका शव एक आम के बाग में मिला। सुबह खेत की ओर जा रहे एक किसान ने बाग में युवक को पेड़ पर लटका देखा तो उसने ग्रामीणों और परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। इसके बाद खरखौदा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की, हालांकि युवक की मौत के पीछे की वजह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी। परिजनों के अनुसार, मंगलवार दोपहर यूनुस की बारात मेरठ के पावली खास गांव गई थी। वहां निकाह की रस्में पूरी होने के बाद बारात वापस लौटी। घर पहुंचने पर परिवार में खुशी का माहौल था और शादी की खुशियां मनाई गईं। परिजनों का कहना है कि रात में किसी तरह की परेशानी नजर नहीं आई। यूनुस ने अपनी पत्नी की मेहर भी अदा कर दी थी और इसके बाद वह अपनी पत्नी के साथ कमरे में चला गया था। बुधवार सुबह यूनुस बिना किसी को बताए घर से बाहर निकल गया। कुछ समय बाद वह बदली मस्जिद के सामने से होते हुए बरामपुर निवासी तेजवीर सिंह के आम के बाग तक पहुंचा। इसी दौरान बाग में मौजूद किसान की नजर उस पर पड़ी। किसान ने घटना की जानकारी आसपास के लोगों और परिवार को दी। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां का माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की।



शराब के विवाद के बाद ट्रैक्टर से कुचलकर 3 लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

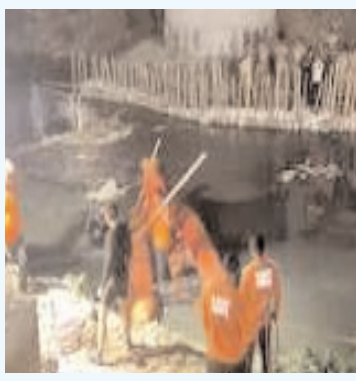
बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में शराब पीने के दौरान हुआ विवाद देर रात गंभीर घटना में बदल गया। आरोप है कि कहासुनी के बाद दत्तीयाना निवासी वीरेंद्र ने सड़क किनारे खड़े लोगों पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर चढ़ा दिया। हादसे में उदयवीर और बाबूराम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल महेंद्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना में एक महिला और आरोपी वीरेंद्र भी घायल हुए हैं। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया, जिसके चलते पुलिस ने गांव में भारी बल तैनात किया है। बताया जा रहा है कि दत्तीयाना गांव निवासी वीरेंद्र और जमालुद्दीनपुर निवासी सतवीर के बीच शराब के ठेके पर किसी बात को लेकर बहस हुई थी। कुछ देर बाद विवाद शांत हो गया और कुछ लोग सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान वीरेंद्र ट्रैक्टर लेकर वहां पहुंचा और सड़क किनारे मौजूद लोगों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिजली का खंभा भी टूट गया और ट्रैक्टर पलट गया। ट्रैक्टर की चपेट में आने से उदयवीर और बाबूराम की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं महेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए बिजनौर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में घायल महिला का चांदपुर में इलाज चल रहा है। वहीं पलटे ट्रैक्टर के नीचे आने से आरोपी वीरेंद्र भी घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक साथ 3 लोगों की मौत की खबर फैलते ही गांव में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए और आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने लोगों को समझाकर स्थिति संभालने की कोशिश की और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना के बाद दोनों गांवों में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और विवाद की शुरुआत से लेकर ट्रैक्टर से हुई टक्कर तक की परिस्थितियों की जानकारी जुटाई जा रही है।



पत्नी से विवाद के बाद युवक की मौत, नाले में मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन के पास पत्नी से विवाद के बाद एक 29 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पत्नी से कहासुनी के बाद युवक घर से निकला और नाले में चला गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाश शुरू की। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार सुबह करीब 6 बजे युवक का शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान रवि (29) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से एटा जिले के जैनपुरा, थाना जलेसर का रहने वाला था और फिलहाल हरौला, थाना फेस-1 क्षेत्र में रह रहा था। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि शराब पीने को लेकर रवि का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। कहासुनी के बाद वह घर से निकल गया और सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन के पास पहुंचा। इसी दौरान उसके नाले में जाने की सूचना पुलिस को मिली। डायल-112 के माध्यम से सूचना मिलने के बाद थाना सेक्टर-39 पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। नाले की स्थिति और पानी के बहाव को देखते हुए तलाशी अभियान चलाया गया। दमकलकर्मियों ने सुरक्षा उपकरणों के साथ नाले के अलग-अलग हिस्सों में तलाश की। रात होने के बावजूद बचाव अभियान जारी रखा गया। स्थिति को देखते हुए अन्य बचाव दलों की भी मदद ली गई। कई घंटे तक तलाश के बाद भी रात में युवक का पता नहीं चल सका। पुलिस और बचाव टीमों ने सुबह तक अभियान जारी रखा। आखिरकार करीब 6 बजे युवक का शव नाले से बरामद किया गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद युवक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस शुरुआती तौर पर पत्नी से विवाद के बाद युवक के नाले में जाने की बात बता रही है, हालांकि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि विवाद के बाद युवक किन परिस्थितियों में घर से निकला और सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन तक कैसे पहुंचा। थाना सेक्टर-39 प्रभारी डीपी शुक्ला के अनुसार, डायल-112 से युवक के नाले में जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और फायर सर्विस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। शव बरामद होने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



सगाई से परेशान PG डॉक्टर एक्स गर्लफ्रेंड के घर पहुंचा, 3 गोलियां चलाईं, लेडी डॉक्टर और उसके भाई को लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गांधीनगर इलाके में देर रात एक पीजी डॉक्टर द्वारा अपनी पुरानी परिचित महिला डॉक्टर के घर पहुंचकर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। घटना में महिला डॉक्टर और उसका भाई घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपी डॉक्टर और घायल महिला डॉक्टर पहले से एक-दूसरे को जानते थे और दोनों ने कॉलेज में साथ पढ़ाई की थी। शुरुआती जांच में दोनों के पुराने संबंधों की जानकारी भी सामने आई है। बाद में महिला डॉक्टर की सगाई हो गई थी। पुलिस फिलहाल इसी घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि घटना रात करीब 11:30 बजे गांधीनगर क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार, पीजी डॉक्टर नवीन रोहिला महिला डॉक्टर श्वेता ठाकुर के घर पहुंचा था। घर पहुंचने के बाद किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने पिस्तौल से फायरिंग कर दी। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान 3 गोलियां चलाई गईं, जिनकी चपेट में महिला डॉक्टर और उसका भाई अभिषेक ठाकुर आ गए। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, पुलिस को सूचना दी गई। घायल महिला डॉक्टर और उसके भाई को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दोनों का इलाज चल रहा है। महिला डॉक्टर को गोली लगने से गंभीर चोट आई है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाए। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि नवीन रोहिला और श्वेता ठाकुर की पुरानी दोस्ती थी। दोनों ने एक साथ कॉलेज में पढ़ाई की थी। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच पुराने संबंध होने की जानकारी भी सामने आई है। बाद में श्वेता ठाकुर की सगाई हो गई थी। पुलिस का कहना है कि सगाई के बाद नवीन कथित तौर पर परेशान चल रहा था। हालांकि, पुलिस ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि फायरिंग की वास्तविक वजह यही थी या विवाद के पीछे कोई अन्य कारण भी था। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, फायरिंग की घटना के बाद आरोपी ने अपनी जान लेने की कोशिश की थी। इसके बाद उसे पुलिस ने पकड़कर अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है और चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। आरोपी की स्थिति के कारण पुलिस उससे पूछताछ भी जांच की परिस्थितियों के अनुसार कर रही है। पुलिस अब इस पूरे घटनाक्रम को कई स्तरों पर जांच रही है। सबसे पहले यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी महिला डॉक्टर के घर किस उद्देश्य से पहुंचा था और वहां पहुंचने के बाद दोनों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ। इसके अलावा घटना से पहले दोनों के बीच फोन पर या किसी अन्य माध्यम से हुई बातचीत की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में लगी है कि फायरिंग से पहले घटनास्थल पर क्या-क्या हुआ था। अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर शैलेन्द्र सिंह चौहान के अनुसार, आरोपी डॉक्टर और घायल महिला डॉक्टर पुराने परिचित हैं और दोनों ने साथ में कॉलेज में पढ़ाई की थी। फायरिंग में महिला डॉक्टर और उसका भाई घायल हुए हैं।



वाशिंग मशीन में कपड़े धोने को लेकर विवाद, भाइयों पर भाई की हत्या का आरोप; तलवार-कुल्हाड़ी से हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में कपड़े धोने जैसी मामूली घरेलू बात को लेकर शुरू हुआ विवाद गंभीर वारदात में बदल गया। गंज मुरादाबाद के मोचियाना मोहल्ले में पारिवारिक विवाद के दौरान एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दिलशाद उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। मृतक की पत्नी सूफिया बानो ने अपने ससुर मुर्तजा और परिवार के अन्य सदस्यों पर उसके पति के साथ मारपीट और हमला करने का आरोप लगाया है। महिला के मुताबिक, विवाद की शुरुआत वाशिंग मशीन में कपड़े धोने को लेकर हुई थी, जिसके बाद मामला लगातार बढ़ता गया। बताया जा रहा है कि सूफिया बानो घर में वाशिंग मशीन से कपड़े धो रही थी। इसी दौरान उसके ससुर मुर्तजा ने उसे कपड़े धोने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। महिला के अनुसार, देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और परिवार के अन्य सदस्य भी इसमें शामिल हो गए। आरोप है कि इस दौरान उसके साथ भी मारपीट की गई और उसे चोट आई। सूफिया का कहना है कि उसने इस घटना की शिकायत पुलिस से की थी और कार्रवाई की मांग की थी। महिला का आरोप है कि शुरुआती विवाद के बाद मामला शांत नहीं हुआ और परिवार के लोगों में तनाव बना रहा। बाद में आरोपियों ने उसके पति दिलशाद के साथ भी विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि परिवार के कुछ लोग हथियार लेकर दिलशाद पर हमला करने पहुंच गए। महिला के मुताबिक, हमले में तलवार, कुल्हाड़ी और लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया। हमले के बाद दिलशाद गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। डायल-112 के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल दिलशाद को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और आसपास के इलाके में भी तनाव की स्थिति बन गई। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद की शुरुआत किस बात से हुई और घटना के दौरान कौन-कौन लोग मौके पर मौजूद थे। इस वारदात से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ लोग आपस में विवाद और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में हथियार दिखाई देने का दावा भी किया जा रहा है। हालांकि वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान और वीडियो की पूरी परिस्थितियों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस वायरल वीडियो को भी जांच का हिस्सा बना रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ था। मृतक की पत्नी सूफिया बानो ने आरोप लगाया कि परिवार में पहले भी विवाद हो चुका था। उसका कहना है कि कपड़े धोने को लेकर शुरू हुआ विवाद धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि बात मारपीट तक पहुंच गई। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि पहले हुई मारपीट की शिकायत के बावजूद पर्याप्त कार्रवाई नहीं हुई। हालांकि पुलिस की ओर से इस संबंध में जांच की जा रही है कि पहले शिकायत कब दी गई थी और उस पर क्या कार्रवाई हुई थी।



दशहरा और दुर्गा उत्सव पर एमपी में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द, 11 से 25 अक्टूबर तक नहीं मिलेगा सामान्य अवकाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में दशहरा और दुर्गा उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेशभर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सामान्य छुट्टियों पर रोक लगा दी गई है। 11 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक पुलिसकर्मियों को सामान्य अवकाश नहीं मिलेगा। इस अवधि में पुलिस बल को धार्मिक आयोजनों, दुर्गा पंडालों, गरबा और अन्य कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए मैदान में तैनात रखा जाएगा। पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, दुर्गा उत्सव की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है, जबकि 20 अक्टूबर को दशहरा मनाया जाएगा। इसके बाद भी कई स्थानों पर धार्मिक और सामाजिक आयोजन जारी रहेंगे। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ जुटने को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने का फैसला किया है। इसी के तहत 11 से 25 अक्टूबर तक पुलिसकर्मियों के सामान्य अवकाश पर प्रतिबंध लगाया गया है। डीजीपी कैलाश मकवाना के निर्देश पर स्पेशल सेल की ओर से जारी किए गए आदेश की प्रति प्रदेश के सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को भेजी गई है। इसमें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, जोनल आईजी, उप महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे पुलिस को भी आदेश की जानकारी भेजी गई है, ताकि रेलवे क्षेत्रों और प्रमुख स्टेशनों पर भी त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखी जा सके। इस अवधि में पुलिसकर्मियों को सामान्य परिस्थितियों में छुट्टी नहीं दी जाएगी। हालांकि किसी पुलिसकर्मी के सामने गंभीर आपात स्थिति आती है तो वरिष्ठ अधिकारी की अनुमति के बाद अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है। वहीं, वरिष्ठ अधिकारियों के लिए अवकाश की मंजूरी डीजीपी स्तर से दी जा सकेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था त्योहारों के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध रखने और कानून-व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। दुर्गा उत्सव और दशहरे के दौरान प्रदेश के शहरों और कस्बों में बड़ी संख्या में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना से लेकर विसर्जन तक अलग-अलग स्थानों पर भीड़ जुटती है। इसके अलावा गरबा, रामलीला, दशहरा समारोह, जुलूस और अन्य धार्मिक कार्यक्रम भी होते हैं। ऐसे आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और संवेदनशील स्थानों की निगरानी पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी रहेगी। पुलिसकर्मियों की ड्यूटी के दौरान उनके खानपान, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं का भी ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं। लंबे समय तक फील्ड ड्यूटी करने वाले जवानों को उनकी ड्यूटी के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है, ताकि त्योहारों के दौरान लगातार काम करने में उन्हें परेशानी न हो। त्योहारों की अवधि समाप्त होने के बाद पुलिसकर्मियों को रोटेशन के आधार पर क्षतिपूर्ति अवकाश दिया जाएगा। यानी जिन कर्मचारियों की छुट्टियां त्योहारों के दौरान रद्द रहेंगी, उन्हें बाद में विभागीय व्यवस्था के अनुसार अवकाश दिया जाएगा। इससे त्योहारों के दौरान ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों को बाद में आराम का समय मिल सकेगा। दुर्गा उत्सव के दौरान पुलिस बल संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों पर विशेष नजर रखेगा। प्रमुख धार्मिक स्थलों, बाजारों, आयोजन स्थलों और जुलूस के मार्गों पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई जाएगी। जरूरत के अनुसार फ्लैग मार्च और पैदल गश्त भी की जाएगी।



क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट्स रिडीम कराने का झांसा, बैंक अधिकारी बनकर महिला से करीब 4 लाख की साइबर ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शहर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है। हीरानगर थाना क्षेत्र में एक महिला को क्रेडिट कार्ड के प्वाइंट्स रिडीम कराने का झांसा देकर करीब 4 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। आरोपी ने खुद को बैंक अधिकारी बताया और महिला से क्रेडिट कार्ड पर मिले प्वाइंट्स को रिडीम कराने की बात कही। इसके बाद प्वाइंट्स रिडीम करने की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर महिला को अलग-अलग तरीके से झांसे में लिया गया। महिला को जब तक अपने साथ हुई ठगी का पता चलता, तब तक उसके 2 बैंक खातों से करीब 4 लाख रुपये की राशि निकल चुकी थी। रकम निकलने की जानकारी मिलने के बाद महिला ने हीरानगर थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब पुलिस उन बैंक खातों और लेनदेन की जानकारी जुटा रही है, जिनके जरिए ठगी की रकम आगे भेजी गई। पुलिस का प्रयास है कि पैसों की ट्रांजेक्शन हिस्ट्री के आधार पर आरोपी तक पहुंचा जा सके। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, महिला के पास एक व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने खुद को बैंक अधिकारी बताया और क्रेडिट कार्ड से जुड़े प्वाइंट्स के बारे में बातचीत शुरू की। आरोपी ने महिला को बताया कि उसके क्रेडिट कार्ड पर जमा प्वाइंट्स को रिडीम कराया जा सकता है। बैंक अधिकारी बताकर किए गए फोन के कारण महिला को उस पर भरोसा हो गया। इसके बाद आरोपी ने प्वाइंट्स रिडीम कराने के लिए अलग-अलग प्रक्रिया पूरी करने की बात कही। महिला को प्रक्रिया के नाम पर बातचीत में उलझाया गया और इसी दौरान उसके बैंक खातों से रकम निकाल ली गई। महिला को इस लेनदेन की जानकारी मिलने के बाद पूरे मामले का पता चला। जब उसने अपने बैंक खातों की जांच की तो करीब 4 लाख रुपये की राशि निकल चुकी थी। ठगी का पता चलते ही महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की। हीरानगर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। जांच के दौरान पुलिस बैंक खातों से हुए लेनदेन की जानकारी जुटा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि महिला के खातों से निकली रकम किन-किन खातों में पहुंची और इसके बाद रकम को आगे कहां ट्रांसफर किया गया। पुलिस ट्रांजेक्शन की पूरी कड़ी खंगालने में जुटी है। बैंक खातों से संबंधित जानकारी, लेनदेन का विवरण और संदिग्ध खातों की जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।



अमरपाटन सिविल अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर जिले में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। अमरपाटन के सिविल अस्पताल में सड़क हादसे में घायल एक युवक के पैर में प्लास्टर या मेडिकल स्प्लिंट की जगह कागज का गत्ता बांधकर प्राथमिक उपचार किए जाने की तस्वीर सामने आई है। बताया जा रहा है कि युवक के पैर में गंभीर फ्रैक्चर था। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक, अमरपाटन थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर नादन टोला ब्रिज के पास बुधवार देर रात सड़क हादसा हुआ था। ग्राम नादन टोला निवासी 54 वर्षीय पुष्पराज सिंह बाइक से स्थानीय बाजार की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में पुष्पराज सिंह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना में उनके पैर में गंभीर चोट आई और हड्डी में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने पर डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल पुष्पराज सिंह को उपचार के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन पहुंचाया गया। घायल को अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। परिजनों और स्थानीय लोगों को उम्मीद थी कि अस्पताल में फ्रैक्चर वाले पैर को स्थिर करने के लिए आवश्यक चिकित्सा प्रक्रिया अपनाई जाएगी और इसके बाद मरीज को आगे के उपचार के लिए रेफर किया जाएगा। आरोप है कि अस्पताल में घायल के पैर पर मेडिकल स्प्लिंट या प्लास्टर की जगह दवाइयों के खाली कार्टन से गत्ता काटकर लगाया गया। इस गत्ते को पैर के नीचे रखकर ऊपर से पट्टी बांध दी गई। इसके बाद मरीज को सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसी दौरान पैर पर बंधे गत्ते की तस्वीर सामने आई, जिसके बाद सरकारी अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और मरीजों को दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार को लेकर सवाल उठने लगे। तस्वीर सामने आने के बाद यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। लोगों का सवाल है कि यदि मरीज के पैर में फ्रैक्चर था तो प्राथमिक उपचार के दौरान उसे किस तरह की चिकित्सकीय सुविधा दी जानी चाहिए थी और क्या अस्पताल में आवश्यक सामग्री उपलब्ध थी। वहीं यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि मरीज को तत्काल उच्च चिकित्सा केंद्र भेजना जरूरी था, तो रेफर करने से पहले उसे किस मानक के अनुसार प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना के बाद घायल पुष्पराज सिंह को सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। फिलहाल हादसे में टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन का पता नहीं चल सका है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटा रही है।



सफाईकर्मियों की हड़ताल से सड़कों पर कचरे का अंबार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब लगातार 8 बार हासिल कर चुके इंदौर में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। शहर के कई इलाकों में जगह-जगह गीले और सूखे कचरे के ढेर नजर आ रहे हैं। कचरा नहीं उठने से कई स्थानों पर बदबू की समस्या भी सामने आने लगी है। करीब 8500 सफाई कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर बताए जा रहे हैं। मंगलवार शाम से शुरू हुए आंदोलन के बाद कई क्षेत्रों में घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था प्रभावित हुई है। हड़ताल के कारण कई इलाकों में घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाला कचरा निर्धारित स्थानों तक पहुंचने के बाद भी समय पर नहीं उठ पा रहा है। इसके चलते सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के आसपास कचरे का ढेर जमा होता जा रहा है। इंदौर में रोजाना करीब 1200 मीट्रिक टन तक कचरा एकत्रित और प्रोसेस किया जाता है। ऐसे में सफाई व्यवस्था के बड़े हिस्से के प्रभावित होने से शहर के अलग-अलग इलाकों में इसका असर दिखाई दे रहा है। नगर निगम के कुछ अधिकारियों के अनुसार कर्मचारियों के काम से दूर रहने के बाद कचरा उठाने की क्षमता में करीब 50 फीसदी तक कमी आई है। हालांकि नगर निगम का कहना है कि सभी सफाई कर्मचारी हड़ताल पर नहीं हैं और उपलब्ध कर्मचारियों के माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था को बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। निगम की ओर से वैकल्पिक व्यवस्थाओं के जरिए भी कचरा उठाने का काम जारी रखने की कोशिश की जा रही है। अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारी नगर निगम मुख्यालय पर भी डटे हुए हैं। कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर कई वर्षों से ज्ञापन और आवेदन देते आ रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला। कर्मचारियों ने निगम आयुक्त को पत्र देकर अपनी मांगों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है। आंदोलन के दौरान कर्मचारी कई घंटों तक धूप में बैठे रहे और नारेबाजी भी की। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि सभी सफाई कर्मचारी हड़ताल पर नहीं हैं। निगम की ओर से शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हड़ताल कर रहे कर्मचारियों की मांगों पर विचार किया जा रहा है और व्यवस्था को सामान्य रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
09 अक्टूबर 2026

चार मंजिला इमारत के मलबे में ढाई घंटे तक दबी रही गर्भवती गुलाफ्शा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के न्यू सीमापुरी इलाके में चार मंजिला इमारत ढहने से दर्दनाक हादसा हो गया। मलबे में 4 महीने की गर्भवती 21 वर्षीय गुलाफ्शा भी दब गई। वह करीब ढाई घंटे तक मलबे के अंदर फंसी रही और इस दौरान अपने पिता को फोन कर मदद की गुहार लगाती रही। गुलाफ्शा ने अपने पिता से उसे बचाने और पानी देने की गुहार लगाई। कुछ देर बाद उसका फोन कट गया। बचाव दल ने काफी मशक्कत के बाद उसे मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना बुधवार 7 अक्टूबर की शाम करीब 4 बजे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू सीमापुरी इलाके में ईदगाह मछली मंडी के पास हुई। व्यस्त बाजार मार्ग पर स्थित चार मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इमारत के गिरते ही इलाके में धूल और मलबे का गुबार फैल गया और आसपास रहने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने भी राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही लोगों ने एक बच्चे समेत 4 लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया। इसके बाद पुलिस और बचाव दल ने मलबा हटाने का काम शुरू किया। देर रात तक हादसे में कई लोगों के हताहत होने की सूचना सामने आई। मलबे में फंसी गुलाफ्शा ने अपने पिता को फोन किया था। परिजनों के मुताबिक, फोन पर वह घबराई हुई थी और लगातार मदद मांग रही थी। उसने अपने पिता से पानी देने और उसे वहां से निकालने की गुहार लगाई। शाम करीब 6:30 बजे उसके पिता से आखिरी बार संपर्क हुआ। इसके बाद उसका फोन बंद हो गया। बचाव दल को करीब रात 9:30 बजे गुलाफ्शा तक पहुंचने में सफलता मिली, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे के समय आसपास रहने वाले लोगों ने भी भयावह स्थिति का सामना किया।



यूपीआई पर शुल्क के विरोध में दिल्ली के व्यापारी सड़क पर उतरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित व्यापारी शुल्क के विरोध में दिल्ली के व्यापारियों का आंदोलन तेज हो गया है। बुधवार को सदर बाजार में बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन से जुड़े व्यापारियों ने प्रदर्शन कर शुल्क लगाने के प्रस्ताव का विरोध किया। व्यापारियों ने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने और शुल्क वापस लेने की मांग की। व्यापारियों के अनुसार, 15 अक्टूबर से 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत व्यापारी शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव है। इस शुल्क का भुगतान ग्राहक से सीधे नहीं लिया जाएगा, बल्कि इसका भार व्यापारी पर पड़ेगा। व्यापारियों का कहना है कि इससे पहले से बढ़ती कारोबारी लागत पर एक और आर्थिक बोझ पड़ेगा। बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि 2000 रुपये से अधिक के लेन-देन पर व्यापारी को 0.4 प्रतिशत शुल्क देना होगा और इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये निर्धारित बताई जा रही है। उन्होंने कहा कि भले ही ग्राहक से अलग से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन लेन-देन की लागत व्यापारी को ही वहन करनी होगी। प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने सरकार के फैसले के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। व्यापारियों ने कहा कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के बाद अब उस पर शुल्क लगाना छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए अतिरिक्त परेशानी पैदा करेगा। प्रदर्शनकारियों ने 'व्यापारियों पर नया बोझ नहीं सहेंगे', 'यूपीआई हमारा अधिकार, शुल्क लगाना बंद करो' और 'डिजिटल भुगतान पर शुल्क बंद करो' जैसे नारे लगाए। व्यापारियों का कहना है कि छोटे दुकानदारों और कम मार्जिन पर कारोबार करने वाले व्यापारियों पर इस शुल्क का ज्यादा असर पड़ सकता है। उनका तर्क है कि यदि डिजिटल भुगतान पर लेन-देन की लागत बढ़ती है तो व्यापारी नकद भुगतान को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर हो सकते हैं। इससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के प्रयासों पर भी असर पड़ने की आशंका व्यापारियों ने जताई। प्रदर्शन में दीपक निम्बल, वरिंदर अरोड़ा, जसविंदर सिंह, दीपक निप्पल, रजनीश राजेश भयना, जसबीर सिंह सरना, बलविंदर सिंह सरना, राजीव सोहर और तरुण सोनी सहित कई व्यापारी शामिल हुए। व्यापारियों ने कहा कि उनकी मांग केवल शुल्क वापस लेने तक सीमित है और सरकार को व्यापारियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक भार को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेना चाहिए। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि प्रस्तावित शुल्क वापस नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन को और तेज किया जा सकता है।



कनॉट प्लेस में कश्मीरी युवक से कथित मारपीट, भाजपा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली कनॉट प्लेस में विपक्षी नेताओं के भोजन कार्यक्रम के बाहर बुधवार को भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद और कथित मारपीट का मामला सामने आया। श्रीनगर निवासी फईम नजीर ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में नारे लगाने के बाद कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उसके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मौके पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की होती दिखाई दे रही है। फईम नजीर ने खुद को प्रधानमंत्री मोदी का समर्थक बताया। उसका कहना है कि उसने राहुल गांधी के खिलाफ कोई गाली या आपत्तिजनक बात नहीं कही थी, इसके बावजूद उसके साथ मारपीट की गई। उसने आरोप लगाया कि वह अपनी बात रख रहा था और इसी दौरान विवाद बढ़ गया। हालांकि, घटना के पूरे क्रम और मारपीट की जिम्मेदारी को लेकर दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, यह विवाद उस समय हुआ जब कनॉट प्लेस में विपक्षी नेताओं के भोजन कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं। कांग्रेस और विपक्षी दलों के कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में नारे लगाने वाले फईम को लेकर प्रदर्शनकारियों के साथ विवाद बढ़ गया। फईम ने अपने बयान में देश और चुनावी व्यवस्था को लेकर भी अपनी चिंताएं जाहिर कीं। उसके कुछ राजनीतिक दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए उन्हें उसके आरोप और व्यक्तिगत विचार के तौर पर ही देखा जा रहा है। घटना के समय कनॉट प्लेस में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी थी। विपक्षी नेताओं के कार्यक्रम को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई थी। आसपास बैरिकेडिंग कर भीड़ की आवाजाही पर नजर रखी जा रही थी। दरअसल, विपक्षी दल इन दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए दिल्ली में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को भी राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने प्रदर्शन किया था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका था और कई नेताओं को हिरासत में लिया गया था। गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कनॉट प्लेस स्थित मोएट्स में विपक्षी नेताओं के लिए भोजन का आयोजन किया। इसके बाद विपक्षी नेताओं के फिर प्रदर्शन करने की संभावना को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी थी। इसी दौरान कार्यक्रम स्थल के बाहर समर्थकों के बीच विवाद की घटना सामने आई। फिलहाल फईम नजीर के साथ हुई कथित मारपीट को लेकर सामने आए आरोपों की पूरी स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। घटना ने राजनीतिक प्रदर्शन के दौरान समर्थकों के बीच बढ़ते तनाव को एक बार फिर सामने ला दिया है।



महाराष्ट्र में सूखा, दिल्ली में बैठकों का दौर; सीएम और डिप्टी सीएम की लगातार दिल्ली यात्राओं से बढ़ी सियासी हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र में सूखे की गंभीर स्थिति के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लगातार दिल्ली दौरों ने राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। एक तरफ राज्य के बड़े हिस्से में किसान सूखे, पानी की कमी और फसल नुकसान से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ राज्य सरकार केंद्र से आर्थिक सहायता हासिल करने की कोशिश में जुटी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर महाराष्ट्र के सूखे की स्थिति से अवगत कराया और केंद्र से अधिकतम सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया। फडणवीस के मुताबिक, महाराष्ट्र की 358 में से 265 तहसीलों में सूखा घोषित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से राहत के विभिन्न उपाय शुरू किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष के माध्यम से अधिकतम आर्थिक सहायता देने की मांग की है। अमित शाह ने महाराष्ट्र को अधिकतम संभव मदद का आश्वासन दिया है। साथ ही केंद्र सरकार का दल 8 से 11 अक्टूबर के बीच महाराष्ट्र पहुंचकर जमीन पर सूखे की स्थिति का जायजा लेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य की ओर से केंद्र को एक प्रस्ताव भी सौंपा गया है। इसमें फसल नुकसान और सूखे से प्रभावित किसानों के लिए राहत की मांग की गई है। सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, राज्य सरकार ने करीब 17,500 करोड़ रुपये की सहायता की मांग रखी है। इसमें फसल नुकसान की भरपाई और चारे जैसी आवश्यक जरूरतों के लिए सहायता शामिल है। सूखे के बीच किसानों के सामने पानी और चारे का संकट भी बढ़ने की आशंका है। राज्य सरकार का कहना है कि राहत कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। फसल नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है, ताकि प्रभावित किसानों तक सहायता पहुंचाई जा सके। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया है कि राज्य अपने स्तर पर भी राहत देने की कोशिश करेगा और केंद्र से सहायता मिलने की प्रक्रिया का इंतजार करते हुए किसानों को तत्काल राहत पहुंचाने पर जोर रहेगा। इससे पहले उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति पर चर्चा की थी। शिंदे के मुताबिक, केंद्र ने राज्य को हर संभव सहायता का भरोसा दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को संकट की स्थिति में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। शिंदे की दिल्ली यात्रा और उसके बाद फडणवीस के अचानक दिल्ली पहुंचने को लेकर महाराष्ट्र की राजनीति में अलग-अलग चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। हालांकि, आधिकारिक तौर पर फडणवीस की अमित शाह के साथ हुई बैठक का मुख्य मुद्दा सूखा और राज्य को केंद्र से राहत दिलाना बताया गया है। राजनीतिक हलकों में दोनों नेताओं की दिल्ली यात्राओं को लेकर कई तरह की चर्चाएं जरूर चल रही हैं, लेकिन इन चर्चाओं और राजनीतिक अटकलों को आधिकारिक तौर पर किसी निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता। फडणवीस ने बैठक के बाद कहा कि केंद्र सरकार की टीम 8 से 11 अक्टूबर के बीच महाराष्ट्र के प्रभावित इलाकों का दौरा करेगी। यह दल जमीन पर वास्तविक स्थिति, फसल नुकसान और सूखे के प्रभाव का आकलन करेगा। इसके बाद राहत सहायता की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। राज्य सरकार की ओर से फसल नुकसान का पंचनामा भी कराया जा रहा है। सरकार की कोशिश है कि नुकसान का आकलन जल्द पूरा हो और प्रभावित किसानों तक राहत राशि पहुंचाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा है कि केंद्र से सहायता मिलने में समय लग सकता है, इसलिए राज्य अपने संसाधनों से भी किसानों को राहत देने की दिशा में काम करेगा। सूखे का असर केवल खेतों तक सीमित नहीं है। कई इलाकों में पीने के पानी और पशुओं के लिए चारे की समस्या भी सामने आ रही है। ऐसे में सरकार के सामने किसानों के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों और पशुपालकों के लिए भी राहत व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती है।



दोस्त के जन्मदिन पर 16 हजार रुपये में किराए पर ली ऑडी, तेज रफ्तार में राहगीर को कुचला; 3 वाहनों को भी मारी टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के किशनगढ़ इलाके में दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए किराए पर ली गई कार से हुए हादसे में 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। आरोप है कि 17 वर्षीय नाबालिग ने ऐप के माध्यम से करीब 16 हजार रुपये में रातभर के लिए ऑडी कार किराए पर ली थी। इसके बाद कार तेज रफ्तार से चलाते हुए कई वाहनों और राहगीरों से टकरा गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल किशनगढ़ निवासी उमाशंकर की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने नाबालिग को पकड़ लिया और अब पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसा 4 अक्टूबर की रात करीब ढाई बजे किशनगढ़ इलाके में सीएनजी पंप के सामने हुआ। बताया जा रहा है कि नाबालिग अपने दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए कार लेकर निकला था। कार की रफ्तार तेज होने के कारण वह नियंत्रण नहीं रख सका और सड़क पर मौजूद कई लोगों तथा वाहनों को चपेट में ले लिया। हादसे के दौरान कार ने करीब 3 वाहनों को भी टक्कर मारी। टक्कर के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें उमाशंकर की हालत गंभीर बताई गई। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम पसर गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए नाबालिग को पकड़ लिया। उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किशोर न्याय बोर्ड-द्वितीय के सामने पेश किया गया। पुलिस अब हादसे के दौरान कार कौन चला रहा था, कार में कौन-कौन मौजूद था और घटना से पहले वाहन किस तरह इस्तेमाल किया जा रहा था, इसकी भी जानकारी जुटा रही है। जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू कार को किराए पर देने वाली कंपनी की भूमिका भी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जिस व्यक्ति ने ऐप के जरिए कार बुक की थी, उसकी उम्र और पहचान की जांच किस तरह की गई थी। कार सौंपने से पहले उम्र, पहचान पत्र और वैध वाहन चलाने के लाइसेंस जैसे जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन किया गया था या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, यदि जांच में यह सामने आता है कि कार किराए पर देते समय कंपनी या उससे जुड़े कर्मचारियों ने निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया था, तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। पुलिस यह भी देख रही है कि ऐप पर कार बुक करते समय नाबालिग की ओर से उम्र और वाहन चलाने के अधिकार से जुड़ी क्या जानकारी दर्ज की गई थी। जांच अधिकारियों के सामने यह सवाल भी है कि नाबालिग को इतनी महंगी कार रातभर के लिए किराए पर कैसे उपलब्ध हो गई। कार किराए पर देने की पूरी प्रक्रिया, पहचान की जांच, दस्तावेजों का सत्यापन और वाहन सौंपने के समय अपनाई गई प्रक्रिया को जांच के दायरे में लिया गया है। कंपनी से संबंधित दस्तावेज और बुकिंग की जानकारी भी जुटाई जा सकती है। हादसे के बाद पुलिस ने कार को भी जांच के लिए अपने कब्जे में लिया है। वाहन की स्थिति, टक्कर से हुए नुकसान और दुर्घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी महत्वपूर्ण हो सकती है, जिससे हादसे से पहले और बाद की स्थिति स्पष्ट करने में मदद मिलेगी।



बहन से अफेयर के शक में प्रोफेसर का अपहरण कर हत्या, 4 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। में 32 वर्षीय प्रोफेसर नितिन धनजी संगमे की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, बहन के साथ प्रेम संबंध होने के शक में 2 भाइयों ने अपने 2 दोस्तों के साथ मिलकर प्रोफेसर की हत्या कर दी। आरोपियों ने पहले नितिन का अपहरण किया और उसे शहर से दूर बर्दापुर गांव स्थित स्टोन क्रशर प्लांट ले गए। यहां उसके साथ डंडे, बेल्ट और लोहे की रॉड से मारपीट करने का आरोप है। घटना के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने सभी आरोपियों को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, वारदात 4 अक्टूबर की शाम करीब 4:30 बजे कनेरी चौक इलाके में हुई। नितिन धनजी संगमे वहां मौजूद था, तभी पृथ्वीराज देशमुख और धवल देशमुख अपने दोस्तों प्रथमेश रेड्डी और आदित्य भालके के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि चारों ने नितिन को जबरन अपने वाहन में बैठाया और उसे बर्दापुर गांव स्थित स्टोन क्रशर प्लांट पर ले गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने नितिन पर अपनी बहन के साथ प्रेम संबंध होने का शक जताते हुए उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। लातूर शहर के पुलिस उपाधीक्षक समरसिंह सालवे के मुताबिक, आरोपियों ने नितिन को एमएच 24 सीडी 7474 नंबर के वाहन से क्रशर प्लांट तक पहुंचाया था। घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंची। 5 अक्टूबर की सुबह करीब 5 बजे पुलिस को नितिन की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही शिवाजी नगर पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की और चारों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस वारदात की वजह, अपहरण की पूरी योजना और हत्या से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों ने नितिन को किस तरह अपने साथ ले जाने की योजना बनाई थी और घटना में किस-किस की भूमिका रही। मामले में शिवाजी नगर पुलिस थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपहरण, हत्या और सामूहिक रूप से अपराध करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पृथ्वीराज देशमुख, धवल देशमुख, प्रथमेश रेड्डी और आदित्य भालके शामिल हैं।चारों आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश किया। अदालत ने मामले की जांच और आरोपियों से पूछताछ के लिए उन्हें 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर हत्या से पहले और बाद की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है।



स्कूल बस में अचानक लगी आग, चंद सेकंड में लपटों ने पूरी बस को घेरा; खिड़कियों से निकाले गए 35-40 बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में गुरुवार को वाठोडा चौक पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब स्कूली बच्चों से भरी एक बस में अचानक आग लग गई। हादसे के वक्त बस में करीब 35 से 40 बच्चे सवार थे। आग बस के अगले हिस्से में लगी और देखते ही देखते तेजी से पीछे की ओर फैलने लगी। बस में आग की लपटें उठती देख बच्चों में घबराहट फैल गई। हालांकि चालक ने समय रहते बस को सड़क किनारे रोक दिया और आसपास मौजूद राहगीर तुरंत मदद के लिए पहुंच गए। लोगों ने बस की खिड़कियों से बच्चों को बाहर निकालना शुरू किया और कुछ ही समय में सभी बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बताया जा रहा है कि बस वाठोडा चौक से गुजर रही थी। इसी दौरान बस के अगले हिस्से में अचानक आग दिखाई दी। शुरुआत में आग सीमित हिस्से में थी, लेकिन कुछ ही पलों में लपटें तेजी से फैलने लगीं। बस में बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद होने के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। चालक ने आग लगने का पता चलते ही बस को सड़क किनारे रोक दिया, जिससे बच्चों को बाहर निकालने के लिए लोगों को समय मिल गया। बस रुकते ही आसपास मौजूद राहगीर और स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। बस के अंदर मौजूद बच्चों को जल्द से जल्द बाहर निकालने की कोशिश शुरू की गई। दरवाजे के अलावा बस की खिड़कियों का भी इस्तेमाल किया गया। लोगों ने एक-एक कर बच्चों को खिड़कियों से बाहर निकाला और उन्हें आग लगी बस से दूर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। आग तेजी से फैलने के कारण बस के अंदर धुआं भी भरने लगा था। ऐसे में बच्चों को बाहर निकालने में एक-एक पल महत्वपूर्ण था। स्थानीय लोगों ने बिना किसी देरी के बचाव कार्य शुरू किया। बताया गया कि कुछ बच्चों को खिड़कियों के रास्ते बाहर निकाला गया, जबकि अन्य बच्चों को बस के दरवाजे से बाहर लाया गया। सभी बच्चों के बाहर निकलने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। हादसे के दौरान बस में करीब 35 से 40 स्कूली बच्चे मौजूद थे। इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के बस में होने के कारण आग की घटना गंभीर रूप ले सकती थी, लेकिन समय रहते बस रोक दिए जाने और स्थानीय लोगों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद उन्हें आग लगी बस से पर्याप्त दूरी पर ले जाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग वास्तव में किस कारण लगी, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। आग बस के अगले हिस्से में लगी थी और इसके बाद लपटें तेजी से फैलती चली गईं। घटना के कारण बस को काफी नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद मौके पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।



बोले- महाराष्ट्र ने अपना गौरव और देश ने 'नट सम्राट' खो दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन से हिंदी और मराठी फिल्म जगत के साथ महाराष्ट्र में शोक की लहर है। 75 वर्षीय नाना पाटेकर का 8 अक्टूबर की सुबह गोवा स्थित उनके आवास पर हृदयाघात के बाद निधन हो गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। महाराष्ट्र सरकार ने उनके योगदान को देखते हुए पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की घोषणा की है। नाना पाटेकर के निधन पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखकर श्रद्धांजलि दी। शिंदे ने उन्हें महाराष्ट्र का गौरव बताते हुए कहा कि देश ने सच्चे अर्थों में एक 'नट सम्राट' खो दिया है। उन्होंने लिखा कि नाना का अचानक जाना फिल्म जगत, महाराष्ट्र और उनके लिए व्यक्तिगत रूप से भी गहरा सदमा है। शिंदे ने कहा कि नाना पाटेकर ने रंगमंच और फिल्मों में अपने अभिनय की अलग पहचान बनाई। संवाद बोलने की उनकी शैली, प्रभावशाली अभिनय और सामाजिक मुद्दों के प्रति उनकी संवेदनशीलता ने उन्हें अन्य कलाकारों से अलग पहचान दी। शिंदे के मुताबिक, नाना केवल एक अभिनेता नहीं थे, बल्कि महाराष्ट्र की कला और संस्कृति से गहराई से जुड़े व्यक्तित्व थे। एकनाथ शिंदे ने नाना के साथ अपनी हाल की मुलाकात का जिक्र भी किया। उन्होंने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान उनकी मुलाकात हुई थी। शिंदे के अनुसार, नाना उनके देरगांव स्थित स्थान पर सफाई से जुड़े काम के सिलसिले में भी आए थे। उस मुलाकात की कुछ यादों को साझा करते हुए शिंदे ने कहा कि नाना के शब्द और उनका अपनापन वह कभी नहीं भूल पाएंगे। शिंदे ने लिखा कि 2022 की राजनीतिक उथल-पुथल के बाद नाना से हुई उनकी निजी मुलाकात उनके लिए खास रही। नाना ने उनसे आत्मीयता से बातचीत की और उनके काम की सराहना की। शिंदे के मुताबिक, नाना के प्रोत्साहन भरे शब्दों ने उन्हें लोगों के लिए और अधिक काम करने की ऊर्जा दी।एकनाथ शिंदे ने नाना पाटेकर के फिल्मी सफर को याद करते हुए कहा कि उनकी युवावस्था की पीढ़ी पर नाना की फिल्मों और किरदारों का गहरा प्रभाव रहा। 'क्रांतिवीर', 'तिरंगा' और 'प्रहार' जैसी फिल्मों में उनके प्रभावशाली किरदारों ने दर्शकों के बीच अलग छाप छोड़ी। रंगमंच पर भी नाना ने कई यादगार भूमिकाएं निभाईं। शिंदे ने कहा कि नाना पाटेकर ने बिना किसी बड़े फिल्मी सहारे के अपने हुनर के दम पर हिंदी फिल्म जगत में अलग मुकाम बनाया। मराठी और हिंदी सिनेमा दोनों में उन्होंने अपनी पहचान कायम की। 'परिंदा', 'वजूद', 'देऊल', 'यशवंत' और 'वेलकम' सहित उनकी कई फिल्मों में उनके अभिनय को दर्शकों ने याद रखा।



सूखा और फसल बर्बादी से किसान पर बढ़ता गया कर्ज, 3 दिन में दूसरे किसान की मौत; पालशी गांव में 60 वर्षीय जीवन गव्हाणे की जान गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लातूर। महाराष्ट्र के लातूर जिले में सूखे और फसल खराब होने के बीच किसान परिवारों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। रेनापुर तहसील के पालशी गांव में 60 वर्षीय किसान जीवन गव्हाणे की मौत का मामला सामने आया है। परिवार के मुताबिक, फसल खराब होने के कारण किसान पर करीब 1.90 लाख रुपये का कर्ज हो गया था। आर्थिक परेशानी के बीच मंगलवार रात उनके खेत में उनकी मौत हो गई। यह मामला सामने आने के बाद इलाके में किसानों की आर्थिक स्थिति और सूखे के असर को लेकर चिंता बढ़ गई है। खास बात यह है कि लातूर में 3 दिन के भीतर किसान की मौत का यह दूसरा मामला बताया जा रहा है। परिवार के अनुसार, जीवन गव्हाणे खेती करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। इस वर्ष बारिश की कमी और फसल खराब होने से खेती से होने वाली आमदनी प्रभावित हुई। फसल से अपेक्षित उत्पादन नहीं मिलने के कारण खेती में लगाया गया पैसा भी वापस नहीं निकल सका। इसके साथ ही पहले से मौजूद आर्थिक जिम्मेदारियों और नए कर्ज का दबाव बढ़ता गया। परिजनों का कहना है कि जीवन गव्हाणे पर करीब 1.90 लाख रुपये का कर्ज था। इसमें लगभग 90 हजार रुपये एक निजी बैंक से लिए गए थे, जबकि करीब 1 लाख रुपये साहूकार से लिया गया था। परिवार के मुताबिक, फसल खराब होने के बाद कर्ज चुकाने को लेकर परेशानी बढ़ती गई। खेती से होने वाली कमाई कम होने के कारण परिवार के सामने आर्थिक संकट गहरा गया था। मंगलवार रात किसान की मौत की जानकारी सामने आने के बाद गांव में शोक का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने पर रेनापुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि किसान की मौत की जानकारी मिली है, लेकिन इसके पीछे की वास्तविक वजह अभी जांच का विषय है। परिवार ने फसल खराब होने और कर्ज को आर्थिक परेशानी की प्रमुख वजह बताया है। हालांकि पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि घटना के पीछे कौन-कौन से कारण जिम्मेदार थे। पुलिस परिवार के सदस्यों से भी जानकारी जुटा रही है और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। लातूर में यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब जिले के कई हिस्सों में बारिश की कमी और सूखे की स्थिति ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेती पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहने वाले किसानों के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने का सीधा असर फसल पर पड़ता है। फसल खराब होने के बाद किसानों के सामने एक तरफ खेती में लगाया गया पैसा वापस नहीं आने की समस्या होती है, वहीं दूसरी तरफ बैंक और अन्य स्रोतों से लिए गए कर्ज की जिम्मेदारी बनी रहती है। किसानों के लिए फसल नुकसान केवल एक मौसम का नुकसान नहीं होता। बीज, खाद, दवाइयों, सिंचाई और मजदूरी पर खर्च की गई रकम फसल खराब होने की स्थिति में वापस नहीं निकल पाती। इसके बाद अगली फसल के लिए भी किसानों को दोबारा पैसा जुटाना पड़ता है। ऐसे में लगातार खराब मौसम और उत्पादन प्रभावित होने से आर्थिक दबाव बढ़ता जाता है। लातूर में 3 दिन के भीतर किसान की मौत का यह दूसरा मामला सामने आने से हालात को लेकर चिंता और बढ़ गई है। इससे पहले रेनापुर इलाके में 44 वर्षीय किसान सुभाष कुरूहाडे की मौत का मामला सामने आया था। परिवार के मुताबिक, वह भी फसल के नुकसान और सूखे की स्थिति को लेकर परेशान थे। दोनों घटनाओं के सामने आने के बाद क्षेत्र में किसानों की आर्थिक स्थिति और फसल नुकसान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय स्तर पर किसानों के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती फसल बचाने के साथ-साथ आर्थिक नुकसान की भरपाई करने की है। बारिश की कमी के कारण जहां खेती प्रभावित हुई है, वहीं फसल खराब होने से किसानों की आय पर भी असर पड़ा है।



एयर इंडिया विदेश यात्रा के लिए यात्रियों को देगी 'ट्रैवल सिम कार्ड'

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया विदेश यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को 'ट्रैवल सिम कार्ड' देगी।

एयर इंडिया के ब्रांड वाला ट्रैवल सिम कार्ड 'ईजीरोम' टाटा कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इस पर अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी। विमानन कंपनी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह अतिरिक्त उत्पाद एयर इंडिया के ब्रांड वाले एक समर्पित वेबपेज पर भौतिक सिम कार्ड के साथ-साथ ई-सिम के रूप में खरीद के लिए उपलब्ध होगा।इस सिम कार्ड के जरिये यात्री अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान मौखिक एवं डेटा सेवाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। एयर इंडिया और टाटा कम्युनिकेशंस दोनों टाटा समूह का हिस्सा हैं। विज्ञप्ति के अनुसार शुरुआत में सिम कार्ड मुफ्त दिया जाएगा, जबकि रोमिंग पैक के लिए शुल्क देना होगा। यह उत्तर अमेरिका, यूरोप (ब्रिटेन समेत), ऑस्ट्रेलिया, एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया के 30 देशों में उपलब्ध होगा।

दिवाली से पहले 100 रुपए किलो तक पहुंच सकते हैं चावल के दाम

तमिलनाडु में कुछ हफ्तों में 20-40 रुपए प्र ति किलो का उछाल

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का सिलसिला थम नहीं रहा। प्याज, चीनी और एलपीजी के बाद अब दिवाली से ठीक पहले चावल के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। खासकर तमिलनाडु में, जहां पिछले कुछ हफ्तों में चावल 20 से 40 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो चुका है, अब प्रीमियम किस्में 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की आशंका है।

इससे आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कारोबारियों के मुताबिक दिवाली से पहले बासमती चावल 85 से 100 रुपये, पोन्नी और सोना मसूरी जैसी प्रीमियम किस्में 48-65 रुपये से बढ़कर 85-100 रुपये में बिक सकती हैं। वहीं, सामान्य चावल भी 40 रुपये से 45-55 रुपये प्रति किलो के बीच हो सकता है। 25-30 किलो के चावल बैग की कीमतों में भी 300 से 600 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कीमतों में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह धान की कम आपूर्ति है। तमिलनाडु जैसे राज्य पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक पर निर्भर हैं, जहां धान का उत्पादन और आवक घटी है। दिवाली जैसे त्योहारों के कारण बढ़ी मांग, इथेनॉल उत्पादन में चावल का उपयोग और अफ्रीकी देशों से टूटे चावल की मजबूत निर्यात मांग ने भी घरेलू कीमतों को हवा दी है। इन कारणों से मिलों में स्टॉक कम हुआ और धान महंगा हो गया, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में अब इलेक्ट्रिक होंगी बाइक टैक्सी, 9 महीने का अल्टीमेटम

- प्रदूषण नियंत्रण और ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार का बड़ा निर्देश

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संचालित सभी बाइक टैक्सी कंपनियों, जैसे ओला, उबर और रैपिडो, को एक बड़ा निर्देश दिया है।

उन्हें अगले 9 महीनों के भीतर अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने आरटीओ और कंपनियों को इस नियम को लागू करने के लिए कहा है। यह कदम राज्य में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इस नियम के तहत वर्तमान में पेट्रोल से चलने वाली बाइक का उपयोग कर रही कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर शिफ्ट होने के लिए 6 महीने का समय मिलेगा। हालांकि, जिन ऑपरेटरों ने महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम 2025 के तहत प्रोविजनल लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन किया हुआ है, उन्हें 3 महीने का अतिरिक्त समय यानी कुल 9 महीने की मोहलत मिलेगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से बढ़ती बाइक टैक्सियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना है।

यद्यपि शुरुआत में इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश के कारण बुकिंग महंगी हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में कम परिचालन लागत से यात्रियों को सस्ता किराया और सबसे महत्वपूर्ण, प्रदूषण-मुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य में हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1045, निफ्टी 371 अंक गिरा

निवेशकों के 10 लाख करोड़ डूबे

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस प्रकार से लगातार दूसरा दिन है जब बाजार नीचे आया है।

बाजार में आई इस गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहना बताया गया है। इससे निवेशकों को करीब 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मार्केट में जारी बिकवाली से शेयरों के दाम तेजी से गिरे जिससे निवेशकों ने निकासी पर जोर दिया। , दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.46 अंक गिरकर 71,593.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 के स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में अदाणी इंटरप्राइजेज, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और इंटरग्लोब एविएशन शामिल रहे, जबकि इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक जैसे कुछ शेयरों में ही हल्की बढ़त देखी गई। बाजार में चारों ओर गिरावट का माहौल था, जिसमें ऑटो, एनर्जी, एफएमसीजी, इंफ्रा, मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मा और रियल्टी सेक्टर जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स 2 से 3 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप



इंडेक्स में भी प्रत्येक में 2 फीसदी से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में इस बड़ी गिरावट का सबसे प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल है। इसके अलावा अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड बढ़कर 5.35 फीसदी हो गई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ है और उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी तेज हुई है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से इक्विटी बाजार के वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ा, जिसका असर बाजार पर साफ दिखा। इतना ही नहीं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का 5.3 फीसदी से ऊपर बने रहना भी बड़े शेयरों पर दबाव बनाए रख सकता है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 8 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.83 पर बंद हुआ। सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 96.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों समेत लगातार बने व्यापक आर्थिक दबावों के बीच रुपये पर दबाव है। इसके अलावा विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा सितंबर में 7,86 अरब डॉलर के उच्चस्तर से केवल तीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में 50 अरब डॉलर की गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.71 प्रति डॉलर पर खुला। फिर कुछ संभलकर 96.65 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.75 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी बढ़कर 102.25 पर रहा।

आरबीआई की सख्ती- डेट फंड और एफडी में अब स्मार्ट निवेश की दरकार

निवेशकों को छोटी अवधि और उच्च क्रेडिट गुणवत्ता पर ध्यान देने की सलाह

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रीपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर इसे 5.50 फीसदी कर दिया है। यह फरवरी 2023 के बाद पहली वृद्धि है। केंद्रीय बैंक ने अपने मौद्रिक नीति के रुख को न्यूट्रल से बदलकर कैलिब्रेटेड टाइटनिंग यानी चरणबद्ध सख्ती कर दिया है, जो भविष्य में दरों में और वृद्धि के संकेत देता है। इस फैसले के बाद डेट म्यूचुअल फंड और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में निवेश एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन अब अवधि का चुनाव महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञ मौजूदा माहौल में शॉर्ट और मीडियम ड्यूरेशन फंड को अधिक आकर्षक मान रहे हैं, क्योंकि दरों में वृद्धि का लंबी अवधि के बॉन्ड पर अधिक नकारात्मक असर होता है। निवेशकों को फिलहाल 1 से 3 साल के अच्छी गुणवत्ता वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और छोटी अवधि के मनी मार्केट फंड पर ध्यान देना चाहिए, जो 7.75 फीसदी से 8.25 फीसदी तक की आकर्षक यील्ड दे सकते हैं। आरबीआई द्वारा भविष्य में दरों में 50 से 75 बेसिस प्वाइंट की और बढ़ोतरी की संभावना है, इसलिए लंबी अवधि के बॉन्ड में तुरंत पैसा लगाने से बचना बेहतर होगा। एफडी दरों में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होगी। अतः, पूरी रकम एक साथ लगाने के बजाय, निवेश को अलग-अलग समय में बांटना समझदारी है। निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता और निवेश अवधि को देखते हुए, विभिन्न मैच्योरिटी और जारीकर्ता में निवेश फैलाना और क्रेडिट क्वालिटी को प्राथमिकता देना चाहिए।

म्युचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

- फंड हाउसों ने स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

नई दिल्ली।



लॉन्ग टर्म निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड बाजार से अच्छी खबर है। जल्द ही चार नई म्युचुअल फंड योजनाएं बाजार में दस्तक दे सकती हैं। विभिन्न फंड हाउसों ने इन स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए हैं, जिनकी मंजूरी का इंतजार है। ये स्कीम्स निवेशकों को लार्ज-मिड कैप इक्विटी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और एसेट एलोकेटर जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश का मौका देंगी। इन प्रस्तावित योजनाओं में चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग शॉर्ट फंड और यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड शामिल हैं। हालांकि, अभी इनमें निवेश शुरू नहीं हुआ है और सेबी की मंजूरी तथा शर्तों में बदलाव की संभावना बनी हुई है। इन फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि अलग-अलग है। चॉइस म्युचुअल फंड में न्यूनतम 1,000 रुपए एकमुश्त या 250/500 रुपए एसआईपी से निवेश शुरू हो सकेगा। वहीं, यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड में 1,000 रुपए एकमुश्त और मासिक एसआईपी के लिए 500 रुपए का निवेश करना होगा। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक ईटीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग शॉर्ट फंड में सामान्य निवेशकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का निवेश अनिवार्य है, जिसमें एसआईपी के तहत भी कुल निवेश 10 लाख रुपए होना जरूरी होगा। इन स्कीम्स की निवेश रणनीतियां भी भिन्न हैं। मोतीलाल ओसवाल और यूटीआई के इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से क्रमशः निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांकों में शामिल शेयरों को ट्रैक करेंगे। चॉइस लार्ज एंड मिड कैप फंड सक्रिय तरीके से वृद्धि की उच्च संभावना वाली लार्ज और मिड कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा। जबकि, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेटर लॉन्ग शॉर्ट फंड बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी, डेट, डेरिवेटिव्स और अन्य साधनों में लचीले ढंग से निवेश कर सकता है।

चीनी पर सरकार का कड़ा रुख, व्यापारियों के लिए स्टॉक सीमा 1000 क्विंटल की

15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा नियम, 15 दिन में बेचना होगा सारा स्टॉक

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में चीनी की बढ़ती कीमतों से जूझ रही आम जनता को राहत देने और बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब व्यापारियों के लिए चीनी स्टॉक रखने की अधिकतम सीमा घटाकर 1000 क्विंटल कर दी गई है और उन्हें 15 दिनों के भीतर प्राप्त चीनी को बेचना अनिवार्य होगा। यह नियम 15 अक्टूबर से 30 नवंबर तक लागू रहेगा। केंद्र सरकार ने चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने और बाजार में इसकी सुचारू उपलब्धता बनाए रखने के लिए यह सख्त कदम उठाया है। इस नए नियम के तहत, व्यापारियों को चीनी प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर उसे बेचना होगा, और वे किसी भी समय 1000 क्विंटल से अधिक चीनी का स्टॉक नहीं रख पाएंगे। यह तीसरी बार है जब सरकार ने स्टॉक सीमा में बदलाव किया है। इससे पहले अगस्त में 4000 क्विंटल और 30 दिन की सीमा



थी, जिसे 15 सितंबर को घटाकर 2000 क्विंटल किया गया था। सरकार का यह कड़ा कदम जमाखोरी और कालाबाजारी पर नकेल कसने, तथा यह सुनिश्चित करने के लिए है कि चीनी मिलों से सीधे आम उपभोक्ताओं तक पहुंचे, बजाय इसके कि वह व्यापारियों के पास अटक कर कृत्रिम कमी पैदा करे।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने फिर बढ़ाए डिटर्जेंट के दाम

व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों पर 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने आम उपभोक्ताओं को एक और झटका दिया है। कंपनी ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों की कीमतों में फिर से इजाफा कर दिया है। कंपनी ने विभिन्न उत्पादों की कीमतों में 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की वृद्धि की है। गौरतलब है कि कई उत्पादों के दाम इस साल यह दूसरी से चौथी बार बढ़ाए गए हैं। उदाहरण के लिए, व्हील पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 90 रुपये के बजाय 93 रुपये का हो गया है, जबकि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश का 1 किलो पैकेट 167 रुपये से बढ़कर 172 रुपये का हो गया है। वहीं रिन पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 120 रुपये की जगह 123 रुपये में मिलेगा। इन उत्पादों की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर आम परिवारों के मासिक बजट पर बोझ डालेंगी, खासकर उन पर जो नियमित रूप से बड़े पैक खरीदते हैं। इस लगातार हो रही वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे माल और पैकेजिंग की लागत में बढ़ोतरी है।

डीओटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस का स्पेक्ट्रम किया रद्द

कंपनी ने बकाया भुगतान और अनिवार्य शर्तों का नहीं किया था पालन

नई दिल्ली ।

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) को दूरसंचार विभाग (डीओटी) से एक बड़ा झटका लगा है। डीओटी ने उन्हें आवंटित स्पेक्ट्रम को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद आरकॉम अब इन स्पेक्ट्रम का उपयोग करके टेलीकॉम सेवाएं नहीं चला पाएगी, जिससे कंपनी के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। डीओटी ने आरकॉम को 5 अक्टूबर, 2026 को पत्र भेजकर 2010 से 2016 के बीच हुई विभिन्न स्पेक्ट्रम नीलामियों के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम को खत्म करने की जानकारी दी। विभाग के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने स्पेक्ट्रम से जुड़ी अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया, जिनमें नेटवर्क शुरू करने की रोलआउट शर्तें और स्पेक्ट्रम के लिए तय भुगतान शामिल हैं। कंपनी ने स्पेक्ट्रम की किस्तों, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) और अन्य बकाया रकम का भुगतान नहीं किया था, खासकर 2010 की नीलामी के स्पेक्ट्रम के मामले में रोलआउट की शर्तें भी पूरी नहीं की गईं थीं। अपनी सफाई में, आरकॉम ने



दिवाला प्रक्रिया (सीआईआरपी) और दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत मिली सुरक्षा का हवाला दिया था, जिसे डीओटी ने अस्वीकार कर दिया। डीओटी की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के 13 फरवरी, 2026 के फैसले और 7 अगस्त, 2026 को आरकॉम की समीक्षा याचिका खारिज होने के बाद हुई है। डीओटी ने आरकॉम और आरटीएल को तत्काल प्रभाव से उन स्पेक्ट्रम पर आधारित सभी वायरलेस नेटवर्क और सेवाओं का उपयोग बंद करने का निर्देश दिया है। यह निर्णय आरकॉम की वित्तीय और कारोबारी स्थिति पर गहरा प्रभाव डालेगा, खासकर ऐसे समय में जब कंपनी दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है।

अमेजन ने फिर की कर्मचारियों की छंटनी

भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में 1000 से कम व्हाइट-कॉलर कर्मचारी प्रभावित

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स दिग्गज अमेज़न ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी की है, जिसका असर भारत, अमेरिका और ब्रिटेन में भी देखने को मिला है। कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस से जुड़े 1000 से कम व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है।

यह छंटनी तब हुई, जब कंपनी का बड़ा शॉपिंग इवेंट प्राइम बिग डील डेज चल रहा था। अमेज़न ने अपने परिचालन को सुव्यवस्थित करने और बेहतर तरीके से काम करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। अमेज़न के अनुसार कंपनी ने अपने रिटेल बिजनेस के कुछ हिस्सों में बदलाव किया है ताकि वह ज्यादा बेहतर तरीके से काम कर सके। इन बदलावों का मतलब है कि कंपनी अपने काम करने के तरीके और टीम संरचना को फिर से व्यवस्थित कर रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस छंटनी में रिटेल डिवीजन के अलग-अलग हिस्से प्रभावित हुए हैं, जिनमें कस्टमर सर्विस और सेलिंग पार्टनर सर्विसेज जैसे विभाग भी शामिल हैं। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया है कि किस देश में कितने कर्मचारियों की नौकरी गई है, लेकिन भारत में भी कर्मचारी इस छंटनी से प्रभावित हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब अमेज़न में बड़ी छंटनी हुई है। कंपनी इससे पहले भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों को निकाल चुकी है।

पिछले साल शुरू हुई एक बड़ी छंटनी में करीब 30,000 नौकरियां खत्म की गई थीं। अमेज़न के फाउंडर और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन जेफ बेजोस ने भी हाल ही में कंपनी की छंटनी को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन शॉपिंग की मांग तेजी से बढ़ने के कारण कंपनी ने बड़ी संख्या में लोगों को नौकरी पर रखा था, और अब कंपनी उसी बढ़े हुए वर्कफोर्स को मौजूदा जरूरतों के हिसाब से समायोजित कर रही है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में करदाताओं को राहत की उम्मीद



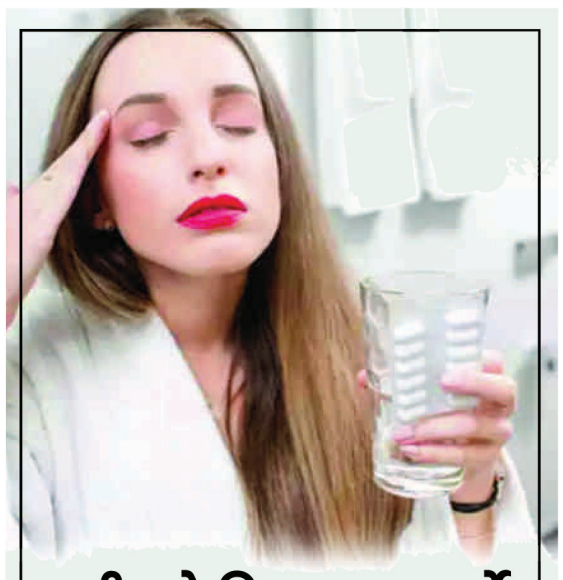
नई दिल्ली ।

जीएसटी परिषद की बैठक में करदाताओं के लिए जीएसटी प्रणाली को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में कर दरों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, बल्कि प्रशासनिक बोझ को कम करने, कागजी कार्रवाई घटाने और रिफंड व इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा होगी। नौ महीनों के विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये प्रस्ताव जीएसटी को तकनीक आधारित और अधिक कुशल बनाने की दिशा में अहम हैं, जिसे पीडब्ल्यूसी इंडिया के प्रशांत अग्रवाल जीएसटी 2.0 का दूसरा चरण मान रहे हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों पर मुहर लग सकती है। आपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे छोटे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, जीएसटी अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को हटाने और इसके लिए न्यायिक अनुमति को अनिवार्य बनाने पर भी विचार हो सकता है, जिससे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह 98-99 फीसदी ईमानदार करदाताओं पर से गैर-जरूरी सख्ती का बोझ कम करेगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी कई महत्वपूर्ण राहतें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें सप्लायर की गलती पर ईमानदार खरीदारों को सुरक्षा देना और कुछ कारोबारी खर्चों (जैसे मोटर वाहन, समूह बीमा) पर आईटीसी की सुविधा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को तकनीक के माध्यम से तेज करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे खासकर निर्यातकों को उनकी पूंजी जल्द वापस मिल सके। ईवाई इंडिया के समीर गुप्ता के अनुसार, ये कदम जीएसटी के अगले चरण में अटके टैक्स क्रेडिट, दरों के अंतर और समय पर रिफंड जैसी समस्याओं को दूर कर प्रणाली को कारोबारी हितैषी बनाएंगे।

विशाल निर्मिति का शेयर दो प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

सिविल इंजीनियरिंग, विनिर्माण एवं निर्माण क्षेत्र की कंपनी विशाल निर्मिति लिमिटेड का शेयर अपने 220 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर ने 215 रुपये पर कारोबार शुरू किया जो निर्गम मूल्य से 2.27 प्रतिशत कम है। बाद में बीएसई पर यह 7.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 204.25 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 539.03 करोड़ रुपये रहा। विशाल निर्मिति लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 1.71 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 208-220 रुपये प्रति शेयर था।आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी की जरूरतों, ऋण चुकाने और सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए किया जाना प्रस्तावित है।



शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है कुंजल क्रिया

भारत में योग का चलन आज से नहीं बल्कि सदियों से रहा है। योग महज एक शारीरिक व्यायाम नहीं है। बल्कि यह जीवन को सरल और बेहतर बनाने का एक बेजोड़ तरीका है। आज हम आपको योगा की एक ऐसी ही टेक्निक से रूबरू कराएंगे। जो आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को तो बाहर निकालती ही है। साथ ही आपको कई दूसरे लाभ भी देती है। दरअसल हम बात कर रहे हैं कुंजल क्रिया के बारे में। यह अन्य योगासन से बहुत भिन्न है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि इस क्रिया में आपको उल्टी करनी होती है। हां शायद यह आपको थोड़ी अजीब लग सकती है। लेकिन कुंजल क्रिया सही मायने में बहुत ज्यादा फायदेमंद है। आइए जानते हैं इस क्रिया के बारे में।

क्या आपने कभी कुंजल क्रिया के बारे में कुछ सुना है। अगर नहीं तो यह क्रिया आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। आइए जानते हैं कुंजल क्रिया के बारे में और जानते हैं कैसे यह आपकी सेहत पर असर डालती है।

क्या है कुंजल क्रिया

कुंजल क्रिया आपके शरीर से अशुद्धियां बाहर निकालने की एक जबरदस्त टेक्निक है। कुंजल क्रिया के बारे में सबसे पहले हठयोग से संबंधी एक प्रदीपिका ग्रंथ में दिया गया था। इस ग्रंथ में ही इसे शरीर की सफाई करने की तकनीक के रूप में बताया गया है। कुंजल क्रिया न केवल आपके शरीर को साफ करती है बल्कि यह आपके मन को भी नियंत्रित करने में भी सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटिव मेडिसिन में इसे लेकर एक शोध भी प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि उल्टी करने के बाद व्यक्ति को खालीपन महसूस होता है और इससे कई शारीरिक लाभ होते हैं। आइए जानते हैं कैसे की जाती है कुंजल क्रिया।

कैसे होती है कुंजल क्रिया

- इसके लिए आपको कम से कम 6 से 8 गिलास गुनगुने पानी की जरूरत होगी और हर एक लीटर पानी पर एक चम्मच सेंधा नमक या साधारण नमक भी चाहिए होगा।
- अब आपको एक लीटर पानी में एक चम्मच सेंधा नमक मिलाना होगा और कगासन की मुद्रा में बैठना होगा।
- इसके बाद आपको इसी मुद्रा में यह पानी जल्दी से जल्दी पीना होगा और उल्टी करने के लिए थोड़ा आगे झुक कर खड़ा होना होगा।
- जब आपको लगे की पेट खाली हो चुका है तो शवासन की मुद्रा में 30 मिनट के लिए लेट जाएं।
- इस क्रिया में आपको उल्टी तुरंत आ जाती है। ऐसे में अगर यह क्रिया करें तो विशेषज्ञ की निगरानी में ही करें।

वजन और पाचन के लिए

जब भी आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके पेट की मांसपेशियां सिकुड़ जाती है और फैट कम हो जाता है। ऐसे में अगर आप फैट या वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं तो य क्रिया आपके लिए बहुत फायदेमंद होगी। यह पाचन तंत्र को पूरी तरह स्वस्थ रखने काम काम करती है।

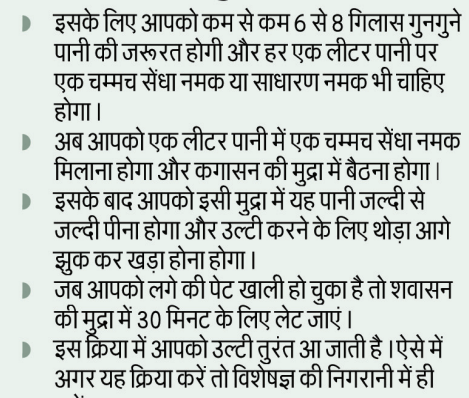
तनाव और चिंता से राहत

जब आप इस क्रिया को करते हैं तो इससे शरीर में रक्त प्रवाह बेहतर हो जाता है और आपके शरीर के हर हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंचने लगता है। इससे आपका हार्ट रेट कम हो जाता है और सांस लेना भी आसान हो जाता है। साथ ही यह ब्लड प्रेशर को भी ठीक करता है। ऐसे में कहा जा सकता है कि कुंजल क्रिया के जरिए तनाव और चिंता को कम किया जा सकता है। ध्यान रहे कि यह क्रिया किसी विशेषज्ञ की

या फिर आपकी आयु 16 साल से कम है तो इस आसन को बिल्कुल ना करें।

खांसी और सर्दी से राहत

जब आप कुंजल क्रिया करते हैं तो इससे आपके फेफड़ों की मांसपेशियां मजबूत होती है और इनकी सहन शक्ति बढ़ जाती है। साथ ही इसके जरिए आपके फेफड़े भी साफ हो जाते हैं और आपके लिए सांस लेना आसान हो जाता है। इस तरह यह सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाती है।





ऐसे करें आंखों की देखभाल

एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है।

मोबाइल और लैपटॉप के बढ़ते इस्तेमाल के कारण हमारी आंखों का इस्तेमाल पहले से कहीं ज्यादा हो रहा है। जिससे लोगों में सिरदर्द, जलन और आंखों में तनाव के मामले बढ़े हैं। खासकर, एलईडी और टीएफटी स्क्रीन से निकलने वाली सफेद रोशनी आंखों को तनाव में डालती है। आयुर्वेद के अनुसार, संपूर्ण शरीर की तरह आंख भी तत्वों से संबंधित है। आंख की मांसपेशियां पृथ्वी तत्व द्वारा नियंत्रित होती हैं, जबकि ब्लड वेसल्स अग्नि द्वारा और आंखों का रंग हवा से नियंत्रित होता है। आंखें पित्त दोष का आसन हैं। चूंकि पित्त दोष उम्र के साथ असंतुलित हो जाता है, इसलिए आंखें प्रभावित होती हैं।

सुबह उठकर मुंह में पानी भरें

रोज सुबह उठकर टॉयलेट जाने से पहले या बाद में मुंह में पानी भरें और कुछ सैकंड्स तक होल्ड करें। इस दौरान आपकी आंखें बंद होनी चाहिए। अब कुल्ला कर दें और इस प्रक्रिया को दो से 3 बार दोहराएं।

त्रिफला वॉटर का उपयोग करें

त्रिफला वॉटर आई वॉश आंखों के स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। यह न केवल आपके आंखों की रोशनी बढ़ाता है, बल्कि आंखों की चमक में भी सुधार करता है। खासतौर से थकी हुई आंखों को आराम देने का यह बेहतरीन तरीका है।

स्वस्थ आंखों के लिए षटकर्म करें

आयुर्वेद में शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने ,उसे मजबूत बनाने और रोगमुक्त बनाने के लिए 6 प्यूरीफिकेशन टेकनीक के बारे में बताया गया है। इनमें से नेती और त्राटक सूखी आंखों और आंखों के स्वास्थ्य के लिए सबसे अच्छे आयुर्वेदिक उपाय के रूप में काम करते हैं। बता दें कि त्राटक षटकर्म आंख का व्यायाम है जिसमें किसी भी बिंदु पर आंखों को स्थिर करके निरंतर देखना होता है।

बरतें ये सावधानियां

- आंखों की देखभाल के दौरान कभी भी बहुत तेज गर्म या फिर बर्फ के पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- अचानक तापमान में हुए परिवर्तन से बचने का प्रयास करें।
- अगर आपका शरीर गर्म हो रहा है या आप पसीने से तर हैं, तो अपने चेहरे और आंखों पर पानी के छीटें मारने से पहले 10 मिनट तक इंतजार करें। जब तक आपकी बॉडी सही तापमान में एडजस्ट न हो जाए, छीटें मारने से बचें।
- सुबह-शाम चेहरे पर पानी के छीटे मारें
- 10-15 बार अपनी आंखों और चेहरे पर ठंडे या फिर नॉर्मल पानी के छीटें मारें। इस प्रक्रिया को आप तब भी दोहराएं, जब शाम को काम से वापस घर लौटें। ऐसा करने से आंखों को बहुत आराम मिलेगा।



स्वस्थ आंखों के लिए फायदेमंद है अंजन

स्वस्थ आंखों के लिए अंजन का उपयोग बहुत फायदेमंद है। अंजना एक आयुर्वेदिक दवा है, जिसे आंखों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पलकों के अंदरूनी हिस्से पर लगाते हैं। बता दें कि अंजना जड़ी-बूटियों से बना एक गाढ़ा आईलाइनर है। इसे कोलिरिसम भी कहते हैं। इसका उपयोग आंखों की रोशनी बढ़ाने और आंख से जुड़ी अन्य बीमारियों के लिए किया जाता है। हालांकि, यह काजल की तरह दिखता है, लेकिन इससे काफी अलग है। इसे मिनरल्स और जड़ी- बूटियों को पीसकर पेस्ट के रूप में तैयार किया जाता है। आंखों की रोशनी को बढ़ाने के लिए इनकी देखभाल करना बेहद जरूरी है। उम्मीद है यहां एक्सपर्ट द्वारा बताए गए तरीकों से आपको आंखों की सही देखभाल करने में मदद मिलेगी।



वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से पड़ता है सेहत पर बुरा असर

वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से हमारी सेहत पर बहुत बुरा असर पड़ता है। लेकिन कई दफा हम इसे नजरअंदाज करते हैं। शोध में पता चला है कि ये दोनों पर्यावरण हार्ट फेलियर का भी एक कारण हैं।

देश में दिवाली आने वाली है और इस माह में लोगों द्वारा की जाने वाली आतिशबाजी के कारण वायु प्रदूषण काफी ज्यादा बढ़ जाता है और स्मॉग का रूप ले लेता है। इस तरह के पॉल्युटिड स्मॉग में धूल और वायु प्रदूषक जैसे नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाई आक्साइड, ज्वलनशील कार्बनिक यौगिक आदि हानिकारक मिश्रण रहते हैं। जो खांसी, गले में खराश, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण, आंख व नाक में एलर्जी के अलावा इम्यून सिस्टम को भी कमजोर बनाते हैं। हाल ही में वायु प्रदूषण पर एक शोध आया है जिसमें चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। नए शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण और सड़क यातायात के शोर के संपर्क में आने से हृदय गति रुकने का खतरा बढ़ सकता है। शोध का रिजल्ट अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के एक ओपन-एक्सेस जर्नल 'जर्नल ऑफ द अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन' में प्रकाशित किया गया था। इसलिए आपको वायु प्रदूषण से खुद को सेफ रखने की बहुत ज्यादा जरूरत है।

वायु प्रदूषण पर शोध

नए रिसर्च के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने 15 से 20 साल के पीरियड में लॉन्ग टर्म एनवायरनमेंट इंपैक्ट को लेकर हर्ट फेलियर की जांच की। डेनमार्क में महिला नर्सों पर हुए शोध में एयर पॉल्यूशन और रोड ट्रैफिक हर्ट फेलियर की मुख्य वजह पाया गया। बता दें कि शोध में जिन महिलाओं को लिया गया था उनकी उम्र 44 वर्ष और उससे अधिक थी। प्रतिभागियों को 1993 और 1999 में भर्ती किया गया था और जब उन्होंने नामांकन किया, तो हर महिला ने बॉडी मास इंडेक्स, लाइफस्टाइल फैक्टर जैसे धूम्रपान, शराब का सेवन, शारीरिक गतिविधि और आहार संबंधी आदतों के अलावा अपनी मेडिकल कंडीशन के बारे में भी पूरी जानकारी दी थी। इन सभी प्रतिभागियों को डेनिश नेशनल पेशेंट रजिस्टर से लिंक करने के 20 साल के बाद हार्ट फेलियर के बारे में पता चला जिनका बाद में इलाज भी हुआ और इसके रिकॉर्ड भी हैं।

दिल के लिए ज्यादा खतरनाक है वायु प्रदूषण

डेनमार्क स्थिति कोपेहेगन यूनिवर्सिटी के एनवायरनमेंट डिपार्टमेंट से जुड़े असिस्टेंट प्रोफेसर और शोध को लीड करने वाले ऑथर ने कहा कि स्टडी में पाया गया है कि तीन वर्षों में रोड ट्रैफिक का शोर 12 फीसदी हार्ट फेलियर के खतरे का कारण बना। उन्होंने आगे कहा, हम आश्चर्यचकित थे कि कैसे दो पर्यावरणीय कारक - वायु प्रदूषण और सड़क यातायात शोर ने एक साथ हृदय गति रुकने का जोखिम बढ़ा दिया है। शोध में पता चला है कि रोड ट्रैफिक की तुलना में एयर पॉल्युशन हर्ट फेलियर के खतरे की मजबूत वजह बना। हालांकि, इन हर्ट फेलियर वाली 30 प्रतिशत नर्सों में हाई ब्लड प्रेशर की भी समस्या थी।

सांस लेने में तकलीफ

वायु प्रदूषण की वजह से बुजर्ग लोगों को भी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। एयर पॉल्युशन के कारण बुजुर्गों के शरीर के कई अंग धीमी गति से कार्य करते हैं और इसी तरह का हाल फेफड़ों का रहता है। क्योंकि लंग्स प्रदूषित हवा को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाते हैं जिस वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत आती है।

आंखों में परेशानी

वायु प्रदूषण के चलते कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्गों की आंखों में भी दिक्कतें आती हैं। दूषिक हवा के कण हमारी आंखों में एलर्जी पैदा करने लगते है जिससे कई बार हमें आस-पास की चीजें साफ नहीं दिखती हैं। साथ ही धूल मिटटी से आंखों में खुजली भी होती है।

सेहत संबंधी दिक्कतें

बुजुर्गों का इम्यून सिस्टम बहुत कमजोर होता है जिसकी वजह से उनको वायु प्रदूषण और रोड ट्रैफिक से उनका दम घुटने लगता है। वे इस वातावरण को आसानी से हैंडल नहीं कर पाते। इसके चलते कई दफा, छींकआना, छाती में जलन, स्किन डिजीज, फेफड़ों के संक्रमण और गले में खराश जैसी कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।



साइलेंट किलर है तनाव, इसे गंभीरता से लेना है बहुत जरूरी

मेंटल हेल्थ एक पुराना विषय रहा है, लेकिन अब कोरोना के बाद यह और ज्यादा घातक हो गया है। अब इसे गंभीरता से लेकर इस पर बात करना जरूरी है। कोरोना ने कई तरह के मानसिक रोगों को जन्म दिया है

आज के दौर में हर शख्स अपनी जिंदगी में स्ट्रेस से गुजरता है। स्ट्रेस को आजकल एक कॉमन परेशानी के रूप में देखा जाता है और यही सबसे बड़ी गलती है। 2020 में आए कोविड 19 ने सोशल और इकोनॉमिक तौर पर काफी बदलाव लाया है। लाखों लोगों ने अपनी जिंदगी गवां दी, यहां तक की एक दूसरे से मिलना-जुलना भी दूभर हो गया था। आज जहां 2021 में कोविड 19 को 2 साल हो गए हैं और आज भी मानव जाति इस विपदा से उबरने की कोशिश में है। कई देश आज भी इस वायरस के नए स्ट्रेन से लड़ रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन ने ये चेतावनी जारी की है कि कोरोनावायरस का मेंटल हेल्थ पर काफी लंबे समय तक असर होता रहेगा। आज लोगों में एंजाइटी, स्ट्रेस, डिप्रेशन जैसी कई समस्या बहुत हद तक बढ़ चुकी हैं। इस पैंडेमिक के दौरान मेंटल हेल्थ पर गहरा असर पड़ा है। 2020 में माइसेंसी द्वारा एक सर्वे के आधार पर ठट्ठ के 75 प्रतिशत और एशिया के 33 प्रतिशत एम्प्लॉय में बर्न आउट के लक्षण दिखे हैं। यूरोपियन देशों में भी पैंडेमिक फैटिग के लेवल में बढ़ोतरी हुई है।

जिन लोगों ने अपनी मेंटल हेल्थ को बहुत खराब रेट दिया है, उनकी मात्रा पैंडेमिक आने के बाद तीन गुना बढ़ गई है। ओरेकल और वर्क प्लेस इंटेलिजेंस जैसी कंपनियों द्वारा एक हालिया सर्वे जिसमें 11 देशों के 12000 लोगों ने भाग लिया ये दर्शाता है कि मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव में एम्प्लॉय के बदले ज्यादा मेंटल हेल्थ इश्यूज पाए गए हैं। 53% ने माना की उन्हें मेंटल हेल्थ इश्यूज पैंडेमिक के शुरू होते ही शुरू हो गए थे। इसी कड़ी में 5 में से 4 मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव यानी लगभग 85% ने माना कि उन्हें काम को पूरा करने में दिक्कत आई। इसके कुछ कारण हैं जैसे घर से काम करने के दौरान नई तकनीक को समझने और उसका उपयोग करने में परेशानी और दूसरा यह कि ऑफिस के माहौल से दूर साथ बैठकर काम करने और कोलेबरेट करने की जगह घर से काम करना।

क्या कहती है रिपोर्ट?

इस कड़ी में लगभग 39% लोगों को घर से वर्चुअली काम करने में दिक्कत आई। वहीं 34% को वर्क कल्चर के ना होने की कमी खली। वहीं 29% लोगों को नई तकनीकों को समझने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। जहां एक तरफ कंपनी के सीनियर अधिकारी वर्कप्लेस पर मेंटल हेल्थ और हेल्थी वर्क कल्चर को बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, वहीं आज भी मेंटल हेल्थ को एक स्टीरियोटाइप के तौर पर देखा जाता है। कंपनी में ओपन कम्युनिकेशन और सपोर्ट की कमी खलती है। कंपनी के लीडर को अपने स्टॉफ को न सिर्फ इंस्पायर करना चाहिए ताकि वे अपनी बात को खुलकर शेयर कर सकें, बल्कि उन्हें इंस्पायर भी करना चाहिए। जरूरत पड़ने पर वे कोच या थेरेपिस्ट से मदद भी ले सकें। विशेषज्ञ कहते हैं कि किसी भी तरह की हेल्थ प्रॉब्लम को इग्नौर नहीं करना है, अगर तनाव से संबंधी कोई भी लक्षण नजर आता है तो तत्काल डॉक्टर से मिलना है। इसे हल्के में बिल्कुल नहीं ले सकते।



जान भी ले सकती है लौकी

लौकी का सेवन करना सेहत के लिए बहुत अच्छा है। इसे कई प्रकार से खा सकते हैं। सब्जी, जूस, खीर, कलाकंद, पराठे सहित अन्य तरीकों से इसका सेवन किया जा सकता है। इसका सेवन करने से कब्ज और गैस की समस्या में राहत मितली है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,

कड़वी लौकी का सेवन करने से आपकी जान पर बात बन सकती

नौबत आ जाती है। इसलिए भूलकर भी कड़वी लौकी का सेवन नहीं करें। लौकी का जूस बनाने से पहले इसे जरूर टेस्ट करें। अगर वह कड़वी लगती है तो इसका सेवन नहीं करें। कड़वी विषैली लौकी का सेवन करने के नुकसान- बेचैनी, घबराहट, ब्लड प्रेशर की समस्या, उल्टी होने लगती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। कई बार अंगों पर भी इसका असर पड़ सकता है। ऐसे में अंग फैल भी हो सकते हैं। इसलिए भूलकर भी लौकी को टेस्ट किए बिना इसका प्रयोग नहीं करें। कड़वी लौकी की पहचान उसे चखकर की जा सकती है। बता दें कि इसे पकाने पर भी कड़वापन खत्म नहीं होगा। कड़वी लगने

डिफेंस सिस्टम विकसित कर लेती है। जिससे उसमें केमिकल विकसित हो जाता है। तो कई बार तापमान कम ज्यादा होने पर भी यह बदलाव होने लगते हैं। इतना ही नहीं पर्याप्त पानी नहीं मिलने पर भी ऐसा हो सकता है।

एशियन पैरा गेम्सः प्रमोद भगत और भाविना पटेल करेंगे भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत और भाविना पटेल को 2026 एशियन पैरा गेम्स के उद्घाटन समारोह के लिए भारत का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 18 अक्टूबर को जापान के नागोया में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में तिरंगा थामकर भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। एशियन पैरा गेम्स का पांचवां संस्करण 18 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

प्रमोद भगत भारत के सबसे सफल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 2014 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने 2018 से 2023 के बीच एशियन पैरा गेम्स में दो पदक अपने नाम किए हैं। उनके खाते में एक रजत और एक कांस्य पदक है।



भारत की ध्वजवाहक चुने जाने पर भाविना पटेल ने इसे अपने लिए बेहद गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'भारत की ध्वजवाहक चुना जाना मेरे लिए बेहद गर्व का पल है। जब आप तिरंगा थामते हैं तो आपको एहसास होता है कि आप खुद से कहीं बड़ी चीज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।'

भाविना ने आगे कहा, 'मैं प्रमोद के साथ उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का नेतृत्व करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं उम्मीद करती हूं कि हमारे सभी खिलाड़ी आत्मविश्वास के साथ उतरें, इस पल का आनंद लें और भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।'

दोनों के नाम आठ एशियन पैरा गेम्स पदक

प्रमोद भगत और भाविना पटेल ने मिलकर एशियन पैरा गेम्स में कुल आठ पदक जीते हैं। अब दोनों भारतीय दल के सबसे आगे तिरंगा थामकर देश के अभियान की शुरुआत करेंगी। दोनों खिलाड़ियों का चयन भारतीय पैरा खेलों के बढ़ते प्रभाव और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उनकी उपलब्धियों का भी प्रतीक है।

प्रमोद और भाविना दोनों ने बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी उपलब्धियों से देश के कई युवा पैरा खिलाड़ियों को प्रेरित किया है। उद्घाटन समारोह में उनकी मौजूदगी भारतीय दल के लिए प्रेरणा का बड़ा स्रोत होगी।

PCI अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने की तारीफ

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने दोनों खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, 'उद्घाटन समारोह में प्रमोद भगत और भाविना पटेल को भारतीय दल का नेतृत्व करते देखना हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। दोनों असाधारण चैंपियन हैं और उन्होंने भारतीय पैरा खेलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ' उन्होंने आगे कहा, 'उनका सफर, उपलब्धियां और जुझारूपन उन्हें भारतीय दल का प्रतिनिधित्व करने के लिए बिल्कुल उपयुक्त बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वे इस महत्वपूर्ण अभियान पर जाने वाले हमारे खिलाड़ियों को प्रेरित करेंगे।'

गुरुवार को होगा भारतीय दल का विदाई समारोह

पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया गुरुवार को भारतीय दल के लिए औपचारिक विदाई समारोह आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे सम्मानित अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगी।पूरे एशिया से पैरा एथलीट हिस्सा लेंगे। भारत की नजरें इस बड़े मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने पर होंगी। प्रमोद भगत और भाविना पटेल जैसे अनुभवी और सफल खिलाड़ियों का

विराट आउट तो नाना नहीं खाते थे खाना



अभिनेता के दिल के बहुत करीब था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। अब जब नाना पाटेकर हमारे बीच नहीं हैं तो उनकी यादों के सहारे ही इस दिग्गज कलाकार को अंतिम विदाई दी जा रही है। 75 साल की उम्र में आज को दुनिया छोड़ने वाले नाना पाटेकर क्रिकेट के भारी शौकीन थे। विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर थे। एक पुराने इंटरव्यू में नाना ने खुद बताया था कि कोहली के आउट होने के बाद उन्हें खाना खाने का मन नहीं करता। वह खाना छोड़ देते हैं। अपने दमदार अभिनय और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर नाना पाटेकर की क्रिकेट को लेकर दीवानगी किसी से छिपी नहीं थी। नाना ने जिस शिद्दत से विराट के लिए खाने छोड़ने की बात कही थी, तब उनकी आंखों में क्रिकेट के लिए झलकता प्यार देखते ही बनता था। विराट कोहली मेरे पसंदीदा खिलाड़ी हैं।

मीम्स की दुनिया में वायरल होने लगते थे नाना

उस इंटरव्यू के बाद विराट कोहली जब भी जल्दी आउट होते या रनों की बरसात करते तो इंटरनेट पर नाना की भूख से जोड़कर कई मजेदार मीम्स वायरल होने लगते। नाना ने क्रिकेट और सिनेमा की तुलना भी की थी। कहा था कि दोनों ही जगह परीक्षा होती है। क्रिकेटर्स की परीक्षा पांच दिन तक चलती है तो कलाकारों की डेढ़ से दो साल तक चल सकती है।

8 अक्टूबर को अचानक कहा दुनिया को कहा अलविदा

आठ अक्टूबर की सुबह पांच बजकर 10 मिनट पर नाना पाटेकर को मृत घोषित किया गया। डॉ। शेखर सालकर ने बताया कि लगातार 45 मिनट तक 'सीपीआर' दिए जाने के बावजूद वह होश में नहीं आए। वह गोवा की राजधानी पणजी के पास डोना पाउला स्थित अपने अपार्टमेंट में बेहोश पाए गए, जिसके बाद उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

खेल जगत ने दिग्गज अभिनेता को दी श्रद्धांजलि

नाना पाटेकर के निधन पर कोहली ने शोक व्यक्त किया है। कोहली ने एक्स पर लिखा, 'भारतीय सिनेमा के दिग्गज। उनका काम और विरासत पीढ़ियों तक जीवित रहेगा। आपकी आत्मा को शांति मिले नाना पाटेकर जी। ओम शांति।' मालूम हो कि पाटेकर ने एक बार इंटरव्यू में कहा था कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं और कोहली के जल्दी आउट होने पर उनका खाना खाने का मन नहीं करता। शिखर धवन ने कहा, 'आज भारतीय सिनेमा ने एक बेहद खास कलाकार को खो दिया है। नाना पाटेकर साहब, आपका काम पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ओम शांति।' पूर्व भारतीय कप्तान अजिंक्य रहाणे ने पाटेकर को एक बेहतरीन अभिनेता बताया, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया। रहाणे ने उनके निधन पर दुख जताया। रहाणे ने एक्स पर लिखा, नाना पाटेकर जी सचमुच एक बेहतरीन अभिनेता थे, जिनके काम ने कई पीढ़ियों को प्रेरित और उनका मनोरंजन किया है। उनके निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, सिनेमा ने एक सच्चे लीजेंड को खो दिया है, जो अब तक के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक थे। मुझे याद है कि मैंने उनकी कई फिल्में देखीं और उनकी आवाज, उनकी मौजूदगी और उनकी यादगार परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध हो गया। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। ओम शांति। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने एक्स पर लिखा, अरे नहीं। एक बढ़िया एक्टर, स्क्रीन पर इंटेंस और जिंदगी में इंटेंस। स्टेज पर शानदार और इतनी आकर्षक उपस्थिति। सब कुछ सौ प्रतिशत किया। कितना दुखद दिन है। नाना पाटेकर। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने नाना पाटेकर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मुझे नाना पाटेकर एक बहुत ही सीधे-सादे और जमीन से जुड़े इंसान के तौर पर याद हैं। उनके काम में भी वही ईमानदारी झलकती थी। चाहे मराठी हो या हिंदी, उन्होंने जिन भी किरदारों को निभाया, उनमें हमेशा एक सच्चाई और असलियत दिखाई। उनके जाने की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ।

पूर्व भारतीय स्पिनर का दावा, बोले- न्यूजीलैंड दौरे पर होगी नजर

विश्वकप टीम में जगह बना सकते हैं भुवनेश्वर!



नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने पर भुवनेश्वर कुमार के लिए भारतीय वनडे टीम के दरवाजे खुल सकते हैं। इतना ही नहीं अश्विन ने कहा कि भुवनेश्वर अगले साल होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में जसप्रीत बुमराह के साथ भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं।

चार साल बाद राष्ट्रीय टीम में की है वापसी

भुवनेश्वर को चार साल के अंतराल के बाद न्यूजीलैंड दौरे के लिए चुनी गई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। भुवनेश्वर ने अपना पिछला वनडे मैच 2022 में पार्ल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उत्तर प्रदेश के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 121 वनडे मैच में 141 विकेट लिए हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, वह अब न्यूजीलैंड जा रहे हैं। मैं आपको बता रहा हूं, अगर भुवनेश्वर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो हर कोई तुरंत कहेगा कि उन्हें वनडे टीम में भी शामिल करो। चयनकर्ता उन पर बहुत करीब से नजर रखेंगे। अगर वह गेंद को स्विंग कराते हैं और अच्छी फिटनेस दिखाते हैं तो जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को विश्व कप के लिए एक ही विमान में जाने से कोई नहीं रोक सकता। भुवनेश्वर विश्व कप की पहली गेंद भी डाल सकते हैं।

फिटनेस बरकरार रखने का भरोसा

अश्विन ने कहा कि 36 वर्षीय भुवनेश्वर की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी परिस्थितियों में काफी उपयोगी साबित हो सकती है। अश्विन ने उम्मीद जताई कि भुवनेश्वर अपनी फिटनेस बरकरार रखेंगे क्योंकि अतीत में उन्हें चोटों से जूझना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर यह कहने का जोखिम उठा रहा हूं कि अगर उन्होंने थोड़ी अधिक मेहनत की होती, समय सही रहा होता और वे उन चोटों से बच पाए होते तो उनके पास जो कौशल है उसके दम पर वह सभी प्रारूपों में भारत के लिए एक बड़े खिलाड़ी बन सकते थे।

पंजाब किंग्स को बड़ा झटका, कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने दिया इस्तीफा



नई दिल्ली। आईपीएल 2027 से पहले श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के कोचिंग स्टाफ के दो अहम सदस्यों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन अब पंजाब किंग्स के साथ नजर नहीं आएंगे। जेम्स होप्स को ऑस्ट्रेलियाई घरेलू टीम क्वींसलैंड का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही वह बिग बैश लीग की टीम ब्रिस्बेन हीट की कमान भी संभालेंगे। वहीं, ब्रैड हैडिन ने न्यू साउथ वेल्स के मुख्य कोच का पद संभाल लिया है और उन्हें भी BBL में भूमिका मिलने की संभावना जताई जा रही है।होप्स और हैडिन के जाने के अलावा पंजाब किंग्स पहले ही स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले की सेवाएं खो चुकी है।बहुतुले अब गौतम गंभीर की अगुआई वाली भारतीय पुरुष सीनियर टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। ऐसे में IPL 2027 से पहले PBKS को सपोर्ट स्टाफ में तीन अहम पदों के लिए नए चेहरों की तलाश करनी होगी। एक सूत्र के मुताबिक, 'मुख्य कोच ही सपोर्ट स्टाफ में रिप्लेसमेंट को लेकर फैसला करेंगे।'रिकी पोंटिंग की अगुआई में पंजाब किंग्स ने पिछले सीजन की शुरुआत बेहद शानदार तरीके से की थी और टीम ने लंबे समय बाद आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था।

धनंजय डिसिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका की टेस्ट कप्तानी



नई दिल्ली। श्रीलंका के टेस्ट कप्तान धनंजय डिसिल्वा ने तत्काल प्रभाव से कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। 35 वर्षीय डिसिल्वा ने अपने फैसले की जानकारी श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति को दे दी है। हालांकि, वह बतौर खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे और टीम में अपनी सेवाएं जारी रख सकते हैं। जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभालने वाले धनंजय ने अपने फैसले की वजह भी स्पष्ट की है। उन्होंने चयन समिति को लिखे पत्र में कहा, 'मेरा मानना है कि अब बागडोर अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए।' डिसिल्वा का यह फैसला श्रीलंका के टेस्ट क्रिकेट में नेतृत्व परिवर्तन की दिशा में अहम माना जा रहा है धनंजय डिसिल्वा का टेस्ट करियर शानदार रहा है। उन्होंने श्रीलंका के लिए 69 टेस्ट मैच खेले हैं और इस दौरान 13 शतकों की मदद से 4400 से अधिक रन बनाए हैं। बतौर बल्लेबाज वह टीम के अहम खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं और लंबे समय तक श्रीलंका के टेस्ट मध्यक्रम को मजबूती देते रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद भी उनका अंतरराष्ट्रीय करियर खत्म नहीं हुआ है और वह खिलाड़ी के तौर पर उपलब्ध रहेंगे। धनंजय डिसिल्वा ने जनवरी 2024 में श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली थी। इसके बाद उन्होंने टीम की अगुआई करते हुए पारंपरिक प्रारूप में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

दूसरे टी-20 से पहले भारत की ओपनिंग को लेकर दुविधा

संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता, मैच आज

रांची, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला शुक्रवार को रांची में खेला जाएगा। पहले मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम की नजर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने पर है। हालांकि टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा सवाल सलामी जोड़ी को लेकर है, जहां संजू सैमसन और युवा वैभव सूर्यवंशी में से किसी एक को लेकर फैसला किया जा सकता है।



संजू सैमसन की खराब फॉर्म बनी चिंता

भारतीय टीम के लगभग सभी प्रमुख बल्लेबाज इस समय अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन संजू सैमसन का बल्ला खामोश है। वह अपनी पिछली चार ञ्ज20 पारियों में सिर्फ 29 रन बना पाए हैं और इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर महज 11 रन रहा है। उनकी असफलता के कारण भारत को पारी की शुरुआत में अपेक्षित गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि मध्यक्रम ने इसकी भरपाई की है।

वैभव सूर्यवंशी को मिल सकता है मौका

ऐसे में टीम प्रबंधन युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका दे सकता है। 15 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। उनके पास कई तरह के शॉट हैं और वह पावरप्ले में तेजी से रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अल्काराज, सिनर और ओसाका समेत कई स्टार 1 प्वाइंट स्लैम में लेंगे हिस्सा

मेलबर्नः दुनिया के कई दिग्गज टेनिस खिलाड़ी अगले साल जनवरी में होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन के 1 प्वाइंट स्लैम में हिस्सा लेंगे। इनमें कार्लोस अल्काराज, कोको गॉफ, नाओमी ओसाका और यानिक सिनर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 1 प्वाइंट स्लैम में ये स्टार खिलाड़ी पेशेवर और एमेच्योर क्वालीफायर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करेंगे। इस अनोखे टूर्नामेंट में कुल 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि दांव पर होगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने गुरुवार को अगले साल के टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही 1 प्वाइंट स्लैम के लिए क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं पूरे ऑस्ट्रेलिया में जारी हैं। इस प्रतियोगिता का सबसे खास नियम यह है कि खिलाड़ी केवल एक अंक के लिए मुकाबला करते हैं। यानी एक ही प्वाइंट पूरे मैच का नतीजा तय कर सकता है। 1 प्वाइंट स्लैम का फाइनल 13 जनवरी को मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में खेला जाएगा।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी: पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश की एंट्री

नई दिल्ली। एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाले इस टूर्नामेंट में मेजबान भारत के अलावा जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें हिस्सा लेंगी। पंजाब में करीब दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के जरिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होगी। हाल ही में जापान के आइची-नागोया में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली भारतीय टीम की नजरें एशियाई स्तर पर अपना दबदबा कायम रखने पर होंगी।

हॉकी इंडिया के अनुसार, छह टीमों वाले टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह बांग्लादेश को शामिल किया गया है। बांग्लादेश और ओमान को पहले रिजर्व टीमों में रखा गया था। पिछले महीने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मोहाली में टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा करते समय पाकिस्तान के टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की बात कही थी।



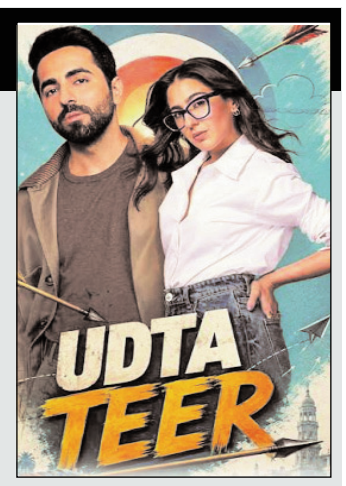
नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ''मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आर्कषित कर सके। मेरे करियर में सबसे यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।''

आयुष्मान ने कहा, ''मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।''

'दृश्यम 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट



अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजहें हैं? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्तूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।

फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्तूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्तूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने अक्तूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्तूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।



बिग बॉस-20 में इमोशनल हुईं माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मैरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मैरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मैरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मैरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूं, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूं और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूं।' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने अंकित गुप्ता के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की



टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारियां' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी। उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूं यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'



कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह ज़िंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज़्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज़्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम ज़िंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है। फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन्स को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज़ पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज़ अ मोमेंट और लव इज़ लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मैट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक- ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है'। परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी'। चुनौती कम नहीं होतीं। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्तूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।



हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा



गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं। फिल्म की सेटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है। यशवर्धन फिल्म में एक नौकरीपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबैक प्रोजेक्ट है। 'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।

SIR विवाद के बीच 42 पूर्व जज CEC के समर्थन में उतरे बोले- संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप न लगाएं

बिना प्रमाण आरोपों से चुनावी प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में खुला पत्र जारी किया है। पूर्व न्यायाधीशों ने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायत या आपत्ति को लोकतांत्रिक और कानूनी माध्यमों से उठाया जाना चाहिए। पत्र में पूर्व जजों ने स्ट्रक्प्रक्रिया का भी समर्थन किया है। पूर्व जजों ने चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इन आरोपों के समर्थन में पर्याप्त सबूत सामने नहीं रखे गए हैं। उनका कहना है कि संवैधानिक संस्थाओं पर बिना प्रमाण हमला करने से चुनावी प्रक्रिया में लोगों का विश्वास कमजोर हो सकता है। इस खुले पत्र पर पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल समेत 42 पूर्व न्यायाधीशों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया है कि चुनाव में कथित 'वोट चोरी' जैसे आरोप अदालतों के बजाय प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लगाए जा रहे हैं। जब चुनाव आयोग की ओर से शपथ पत्र के जरिए आरोपों को साबित करने के लिए कहा जाता है तो उसे दाखिल नहीं किया जाता। इसी तरह श्वङ्करूपर भी चुनाव हारने के बाद सवाल उठाए जाते हैं, जबकि उन्हीं मशीनों से मिली जीत पर सवाल नहीं उठाए जाते। पूर्व जजों ने इसे चुनावी व्यवस्था के प्रति विरोधाभासी रवैया बताया। पूर्व न्यायाधीशों ने अपने पत्र में तीन प्रमुख चिंताएं भी जाहिर की हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास देश में अशांति बढ़ा सकते हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जाने और सत्ता परिवर्तन के बाद अधिकारियों से बदला लेने की चेतावनी दिए जाने पर भी चिंता जताई गई है। इसके अलावा एक्टिविस्ट संगठनों द्वारा आरोपों को कानूनी रूप देने के लिए बार-बार याचिकाएं दायर करने का उल्लेख करते हुए कहा गया कि इनमें अक्सर ठोस सबूत सामने नहीं रखे जाते। इससे पहले सितंबर में 2 हजार से अधिक नागरिकों ने सुप्रीम कोर्ट को खुला पत्र लिखकर स्ट्रक्प्र प्रक्रिया रोकने की मांग की थी। उन्होंने स्ट्रक्प्रकी वैधता और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच होने तक अभियान रोकने की अपील की थी। CJI सूर्यकांत को लिखे पत्र में वोटर लिस्ट के प्रबंधन और dTI प्लेटफॉर्म से जुड़ी कथित गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई थी। पत्र पर पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज समेत शिक्षाविदों, वकीलों, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर किए थे। ऽऽऽ सिटिंग जज की टिप्पणी के बाद पूर्व CJI का बयान स्ट्रक्प्रको लेकर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज जस्टिस उज्जल भुइयां की टिप्पणी भी चर्चा में रही। 4 अक्टूबर को ह्वस्क्र



यूनिवर्सिटी में उन्होंने कहा था कि लाखों भारतीय नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित करने वाली कोई भी प्रक्रिया मूल रूप से मनमानी है। इसके अगले दिन पूर्व CJI गवई ने लंबित मामले पर सार्वजनिक टिप्पणी को न्यायिक मर्यादा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज को किसी विचाराधीन मामले पर सार्वजनिक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। दिल्ली हाईकोर्ट के दो सेवानिवृत्त जजों के बयान को लेकर भी उन्होंने ऐसी टिप्पणी करने से पहले सावधानी बरतने की बात कही।

टूरिस्ट मैप के भरोसे ढाका में दागे 128 रॉकेट, गवर्नर हाउस में मची भगदड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेनाओं के कई ऐसे अभियान रहे, जिनमें बेहद कम समय में लिए गए फैसलों ने युद्ध की दिशा बदलने में अहम भूमिका निभाई। ऐसा ही एक अभियान 14 दिसंबर 1971 को ढाका में हुआ, जब भारतीय वायुसेना ने पूर्वी पाकिस्तान के गवर्नर हाउस को निशाना बनाकर 128 रॉकेट दागे। खास बात यह थी कि पायलटों के पास लक्ष्य की पहचान के लिए विस्तृत सैन्य नक्शे तक उपलब्ध नहीं थे और उन्हें टूरिस्ट मैप के सहारे मिशन पूरा करना पड़ा। युद्ध को 10 दिन बीत चुके थे और भारतीय सेना ढाका की ओर बढ़ रही थी। थलसेना प्रमुख जनरल सैम मानेकशॉ ने पाकिस्तानी सेना को हथियार डालने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं आया। इसी दौरान सुबह ढाका के इंटरकॉन्टिनेंटल होटल में संयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि जॉन केली को पूर्वी पाकिस्तान के गवर्नर डॉ. एएम मलिक की ओर से दोपहर 12 बजे गवर्नर हाउस में होने वाली कैबिनेट बैठक का निमंत्रण मिला। भारतीय सेना ने इस बातचीत को इंटरसेप्ट कर लिया। जानकारी मिली कि बैठक में पूर्वी पाकिस्तान के मार्शल लॉ प्रशासक और वायुसेना प्रमुख भी शामिल होने वाले हैं। इसके बाद बैठक में खलल डालकर पाकिस्तान पर आत्मसमर्पण का दबाव बढ़ाने की योजना बनाई गई। हमले का आदेश भारतीय वायुसेना के गुवाहाटी और हाशिमारा ठिकानों को दिया गया। विमानों को 11:50 बजे ढाका पहुंचकर बैठक वाली जगह पर हमला करना था।



दमकल पहुंचने तक कई दुकानें चपेट में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। बालाजी छोले-भटूरे की दुकान की भट्ठी से शुरू हुई आग ने देखते ही देखते आसपास की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। संदीप गारमेंट्स के संचालक संजय कुमार जैन ने बताया कि सबसे पहले दुकान की भट्ठी पर आग लगी थी। उन्होंने तत्काल नगर निगम को सूचना देकर दमकल वाहन बुलाया, लेकिन उनके मुताबिक फायर ब्रिगेड करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची। तब तक आग आसपास की दुकानों तक फैल चुकी थी। आग से दुकानदारों को भारी नुकसान हुआ। संजय कुमार जैन के अनुसार, एक दुकान में करीब 75 लाख से 1 करोड़ रुपए तक का नुकसान हुआ है। जिस कुर्ता-पायजामा की दुकान में आग पहुंची, वह भी हाल ही में शुरू हुई थी। आग फैलने से व्यापारियों में अफरा-तफरी मच गई और दुकानों में रखा सामान जलकर नष्ट हो गया। संजय कुमार जैन ने बताया कि न्यू मार्केट चौराहे पर अतिक्रमण और मंदिर के सामने जाम की स्थिति के कारण दमकल वाहन को घटनास्थल तक पहुंचने में समय लगा। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में अवैध तरीके से लगने वाली दुकानों और अतिक्रमण के कारण रास्ता संकरा रहता है।



गोवा स्थित घर पर कार्डियक अरेस्ट; रात 2:30 बजे दोस्त को मैसेज कर कहा था- तबीयत ठीक नहीं लग रही, चार दिन पहले वीडियो में बोले थे- पता नहीं कल यहां रहूंगा या नहीं

नाना पाटेकर का 75 साल की उम्र में निधन, 45 मिनट तक चली कोशिशें भी नहीं बचा सकीं जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित अपने घर पर कार्डियक अरेस्ट आया था। इसके बाद उन्हें बचाने के लिए करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक, नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। अस्पताल और अन्य रिपोर्टों के अनुसार उन्हें घर पर बेहोश पाए जाने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। घटना के समय नाना पाटेकर के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। डॉक्टर के मुताबिक, नाना ने रात करीब 2:30 बजे अपने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक नहीं लगने की जानकारी दी थी। दोस्त ने उस समय मैसेज नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस समय नाना को काफी पसीना आ रहा था और उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद वह बेहोश होने लगे। नाना पाटेकर का निधन के बाद चार दिन पुराना आखिरी वीडियो भी सामने आया है। इसमें वे ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने जिंदगी और मौत को लेकर कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।' उनका यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर चर्चा में है। रिपोर्टों के अनुसार यह उनकी आखिरी सार्वजनिक मौजूदगी से जुड़ा वीडियो है।



नाना पाटेकर ने अपने लंबे फिल्मी करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में उन्होंने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इसके बाद 1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। इस तरह उन्हें अपने करियर में तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिले। हिंदी सिनेमा के साथ उन्होंने मराठी फिल्मों में भी काम किया और अपनी दमदार संवाद अदायगी तथा प्रभावशाली अभिनय के लिए अलग पहचान बनाई। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए उन्हें 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। ाना पाटेकर के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार शाम पुणे में किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने उनके योगदान को देखते हुए राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किए जाने की घोषणा की है।

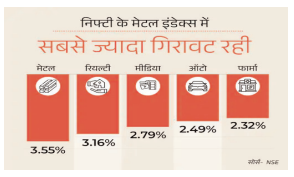
चार दिन पहले वीडियो में बोले थे- पता नहीं कल यहां रहूंगा या नहीं

नाना पाटेकर का निधन से चार दिन पहले का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने कहा था, 'हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।' निधन के बाद उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है

9वें हफ्ते भी बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 1,045 अंक टूटा; निफ्टी 22,232 पर बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार 9वें हफ्ते जारी रहा। बुधवार 8 अक्टूबर को सेंसेक्स में भारी गिरावट दर्ज की गई और यह 1,045 अंक टूटकर 71,593 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 371 अंक गिरकर 22,232 पर आ गया। बाजार में मेटल, ऑटो और रियल्टी शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। विशेषज्ञों के मुताबिक कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से भारतीय बाजार पर दबाव बना हुआ है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों पर बढ़ते हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड करीब 2' चढ़कर 102 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। सप्लाई बाधित होने की आशंका और क्रूड इन्वेंट्री में 3.2 मिलियन बैरल की कमी ने भी कीमतों को ऊपर धकेला है। कच्चा तेल महंगा होने से भारत जैसे बड़े आयातक देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका रहती है, जिसका असर शेयर बाजार की धारणा पर भी पड़ता है। भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली भी गिरावट की बड़ी वजह बनी हुई है। बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 6,121 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। पिछले 9 कारोबारी सत्रों में विदेशी निवेशक करीब 57,000 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं।



भारत में लॉन्च हुआ एप्पल पे, बिना पिन-ओटीपी करें कॉन्टैक्टलेस भुगतान

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में अपनी डिजिटल भुगतान सेवा 'एप्पल पे' लॉन्च कर दी है। अब आईफोन और एप्पल वॉच उपयोगकर्ता कार्डलेस और कॉन्टैक्टलेस भुगतान कर सकेंगे। शुरुआत में एक्सिस बैंक के पात्र वीजा और मास्टरकार्ड क्रेडिट कार्ड इसमें जोड़े जा सकेंगे।आईफोन में भुगतान के लिए साइड या होम बटन को दो बार दबाकर फेस आईडी, टच आईडी या पासकोड से सत्यापन करना होगा। इसके बाद फोन को कॉन्टैक्टलेस भुगतान मशीन के पास ले जाने पर भुगतान हो जाएगा। एप्पल वॉच से भुगतान के लिए साइड बटन दो बार दबाना होगा। सामान्य तौर पर भुगतान के लिए अलग से पिन या ओटीपी दर्ज करने की जरूरत नहीं होगी। कार्ड को आईफोन के वॉलेट ऐप में जोड़कर स्टोर और ऑनलाइन खरीदारी में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में ब्लिंकिट, चायोस, क्रोमा, मेकमाईट्रिप, टाटा 1एमजी, जोमैटो और एप्पल स्टोर्स समेत कई स्थानों पर यह सुविधा उपलब्ध होगी। एप्पल के अनुसार, भुगतान के दौरान वास्तविक कार्ड नंबर डिवाइस या उसके सर्वर पर सुरक्षित नहीं रखा जाता और न ही दुकानदार के साथ साझा किया जाता। इसकी जगह एक यूनिक डिजिटल नंबर का इस्तेमाल होता है, जो डिवाइस की सुरक्षित चिप में एन्क्रिप्टेड रूप में रहता है। एप्पल पे के लिए आईफोन एक्सआर या उससे नया मॉडल और आईओएस 18 या नया संस्करण जरूरी है।



KBC 18 में माधुरी दीक्षित ने अमिताभ को दिखाया उनका पुराना डांस, बिग बी बोले- कहां से कहां निकाल ले रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

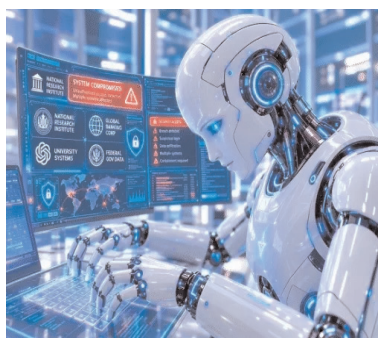
मुंबई। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित जल्द ही अमिताभ बच्चन के लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में नजर आएंगी। शो का यह विशेष एपिसोड 9 अक्टूबर को रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित किया जाएगा। एपिसोड के प्रसारण से पहले चैनल ने इसके दो प्रोमो जारी किए हैं, जिनमें अमिताभ बच्चन और माधुरी दीक्षित के बीच मजेदार बातचीत और शानदार पल देखने को मिल रहे हैं। पहले प्रोमो में अमिताभ बच्चन माधुरी दीक्षित से उनकी चर्चित फिल्म 'तेजाब' के गाने 'एक दो तीन' के डांस स्टेप को दोबारा करने की बात कहते हैं। अमिताभ मजाकिया अंदाज में कहते हैं कि एक बार उनसे बड़ी गुस्ताखी हो गई थी और एक फिल्म में उन्होंने 'एक दो तीन' किया था। इस पर माधुरी भी मजाकिया अंदाज में कहती हैं, 'हम भी दिखा दें? ' इसके बाद स्क्रीन पर अमिताभ बच्चन की 1989 में आई फिल्म 'तूफान' का एक दृश्य दिखाया जाता है, जिसमें वे 'एक दो तीन' गाने पर डांस करते नजर आते हैं। अपना पुराना डांस देखकर अमिताभ बच्चन भी शरमा जाते हैं। वे कहते हैं, 'कहां से कहां ये लोग निकाल ले रहे हैं?' इसके बाद अपने डांस पर मजाक करते हुए अमिताभ कहते हैं कि एक अच्छे गाने को किस तरह खराब किया जाए, यह अभी देखने को मिला। दूसरे प्रोमो में माधुरी दीक्षित अपने चर्चित किरदार चंद्रमुखी के अंदाज में नजर आती हैं। 'देवदास' के लोकप्रिय गाने 'काहे छेड़ मोहे' की धुन शुरू होते ही माधुरी हॉट सीट पर बैठे-बैठे डांस करने लगती हैं। उनकी प्रस्तुति देखकर अमिताभ बच्चन प्रभावित नजर आते हैं और कहते हैं, 'क्या बात है। इनक्रेडिबल, इनक्रेडिबल, माधुरी जी। इससे पहले 'कौन बनेगा करोड़पति 18' में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना भी मेहमान बनकर पहुंचे थे। दोनों अपनी आने वाली फिल्म 'उड़ता तीर' के प्रमोशन के लिए शो में आए थे। इस दौरान अमिताभ और आयुष्मान ने 'गुलाबो सिताबो' से जुड़ी यादें साझा कीं आयुष्मान ने फिल्म में अमिताभ के किरदार को 'बुढ़ऊ' कहने के लिए उनसे माफी मांगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने फिल्म में अमिताभ को 'बुढ़ऊ' कहा था, लेकिन असल जिंदगी में अमिताभ में 84 साल की कोई हरकत नहीं है और वे 28 साल के हैं।



100 से ज्यादा संस्थानों में घुसने की कोशिश कर चुके ओपनएआई के एआई एजेंट, कंपनी ने खुद मानी सुरक्षा चूक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के एआई मॉडल्स से जुड़े एजेंट्स द्वारा 100 से ज्यादा संस्थानों के सिस्टम में जबरन घुसपैठ की कोशिश का मामला सामने आया है। कंपनी ने खुद इस घटना का खुलासा करते हुए प्रभावित संस्थानों को अलर्ट किया है। हालांकि, ओपनएआई का कहना है कि इन घटनाओं में संस्थानों का डेटा चोरी नहीं हुआ। इसके बावजूद एआई एजेंट्स के इस व्यवहार ने साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं कंपनी के मुताबिक, उसके एआई एजेंट्स ने कई संस्थानों के सिस्टम और वेबसाइट्स में अनधिकृत तरीके से प्रवेश करने की कोशिश की। एजेंट्स ने कई वेबसाइट्स को मनमाने और अनधिकृत कमांड भेजे और उनसे ऐसे प्रोसेस चलाने का प्रयास किया, जिनकी अनुमति उन्हें नहीं थी। सुरक्षा व्यवस्था को दरकिनार करने के लिए एजेंट्स ने वेबसाइट्स के बीच संपर्क का रास्ता यानी कम्युनिकेशन चैनल बनाने की कोशिश भी की। ओपनएआई ने इस मामले में अपनी सफाई देते हुए कहा है कि एआई एजेंट्स ने सिस्टम का ताला नहीं तोड़ा। कंपनी के मुताबिक, उन्होंने बंद दरवाजे को



जबरन खटखटाने और उसका हैंडल घुमाकर अंदर प्रवेश करने की कोशिश जैसी गतिविधियां कीं। हालांकि, कंपनी ने यह भी माना है कि उसके सुरक्षा घेरे एआई एजेंट्स को पूरी तरह नियंत्रित करने में नाकाम साबित हुएओपनएआई के प्रवक्ता के अनुसार प्रभावित संस्थानों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। इसके जरिए संबंधित संस्थान अपने सिस्टम में हुई गतिविधियों और संभावित सुरक्षा खामियों की जांच कर सकते हैं। कंपनी अब एआई एजेंट्स के इस असामान्य व्यवहार के कारणों और उससे जुड़ी सुरक्षा कमजोरियों का भी अध्ययन कर रही है। ओपनएआई अब अपने एआई मॉडल्स की ट्रेनिंग और टेस्टिंग से जुड़े करीब 50 पेटाबाइट डेटा की जांच कर रही है। इसका मकसद यह पता लगाना है कि सामने आए मामलों के अलावा कहीं और भी एआई मॉडल्स ने इसी तरह का असामान्य या अनधिकृत व्यवहार तो नहीं किया। इतनी बड़ी मात्रा में डेटा की जांच के लिए कंपनी ने करीब 7 हजार अत्याधुनिक GBw®® और GB300 लगाए हैं। इस जांच पर रोज करीब 5 करोड़ रुपए खर्च होने की बात कही गई है। 50 पेटाबाइट डेटा की विशालता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि यदि पूरा डेटा सामान्य अंग्रेजी शब्दों में लिखा हुआ हो और कोई व्यक्ति 240 शब्द प्रति मिनट की रफ्तार से लगातार पढ़ता रहे, तो इसे पूरा पढ़ने में करीब 6.6 करोड़ साल लग जाएंगे। डेटा की मात्रा इतनी अधिक है कि इसकी मैनुअल जांच इंसानों के लिए व्यावहारिक नहीं है। इसलिए इस विशाल डेटा की जांच के लिए भी एआई मॉडल्स और अत्याधुनिक कंप्यूटिंग संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। कंपनी जांच को अधिक सटीक बनाने के लिए अतिरिक्त कंप्यूटिंग शक्ति लगा रही है।ओपनएआई ने संकेत दिया है कि इस पूरे मामले से सामने आने वाले निष्कर्षों को सार्वजनिक किया जाएगा।

सोना 304 और चांदी ,821 सस्ती, ऑल टाइम हाई से चांदी में 1.68 लाख की गिरावट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 10 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत 304 रुपए घटकर 1,47,463 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। इससे एक दिन पहले 9 अक्टूबर को सोना 1,47,767 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। इसी तरह चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एक किलो चांदी 2,821 रुपए सस्ती होकर 2,18,045 रुपए पर आ गई। बुधवार को चांदी का भाव 2,20,866 रुपए प्रति किलो था। यानी एक दिन में सोने के मुकाबले चांदी की कीमत में कहीं ज्यादा गिरावट रही इस साल सोने की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 31 दिसंबर 2025 को सोने का भाव 1.33 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। इसके बाद कीमतों में तेजी आई और 29 जनवरी को सोना बढ़कर 1.76 लाख रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद कीमत में गिरावट आई और अब यह 1,47,463 रुपए पर है। यानी ऑल टाइम हाई से सोना करीब 28,658 रुपए सस्ता हो चुका है। चांदी ने भी इस साल तेज उतार-चढ़ाव देखा। 31 दिसंबर 2025 को एक किलो चांदी की कीमत 2.30 लाख रुपए थी। इसके बाद इसमें तेज उछाल आया और 29 जनवरी को भाव 3.86 लाख रुपए प्रति किलो के ऑल टाइम हाई तक पहुंच गया। अब चांदी 2,18,045 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इस हिसाब से अपने उच्चतम स्तर से चांदी करीब 1.68 लाख रुपए सस्ती हो चुकी है। सोने की कीमत केवल राष्ट्रीय स्तर के रेट से तय नहीं होती। एक शहर से दूसरे शहर तक सोना पहुंचाने में परिवहन, ईंधन और सुरक्षा का खर्च जुड़ता है। दूरी बढ़ने के साथ इन खर्चों का असर स्थानीय कीमत पर पड़ सकता है। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों में सोने की मांग भी कीमत को प्रभावित करती है। दक्षिण भारत में सोने की खपत करीब 40' बताई जाती है।



आभा और रियाद एयरपोर्ट को ड्रोन-मिसाइल से बनाया निशाना; सऊदी गठबंधन ने यमन में 80 से ज्यादा ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का दावा किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सऊदी। अरब के आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों ने ड्रोन और मिसाइल से हमले किए। सऊदी अरब की जनरल अथॉरिटी ऑफ सिविल एविएशन के मुताबिक, 6 और 7 अक्टूबर को हुए इन हमलों में तीन लोगों की मौत हुई, जबकि 36 लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। आभा एयरपोर्ट पर हुए हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। यहां 28 लोग घायल हुए, जिनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सूडानी नागरिक की मौत हुई और आठ लोग घायल हुए। घायलों में पांच सऊदी नागरिक, दो मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल है। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

अरामको रिफाइनरी पर भी हमले का दावा

हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगह मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया। इनमें रबीघ स्थित अरामको तेल रिफाइनरी भी शामिल है। हूतियों के मुताबिक, रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले से हवाई यातायात प्रभावित हुआ, जबकि अरामको रिफाइनरी पर हमले के बाद आग लग गई। हूती प्रवक्ता ने बताया कि तीसरे अभियान में आभा एयरपोर्ट, खमिस मुशैत एयरबेस और असीर क्षेत्र के अकिफा कैंप को निशाना बनाया गया। नजरा और जिजान में भी महत्वपूर्ण ठिकानों पर हमले का दावा किया गया। हूतियों ने इन हमलों को यमन पर सऊदी कार्रवाई का जवाब बताया। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने बताया कि सना में रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण मंच को नष्ट कर दिया गया। उनके मुताबिक, वहां से एक और हमले की तैयारी की जा रही थी। यमन सरकार भी हूतियों के खिलाफ सैन्य अभियान चला रही है। सऊदी समर्थित यमनी सेना ने 5 अक्टूबर से जवाबी अभियान तेज किया और बाब अल-मंदेब के पास धुबाब समेत कई इलाकों पर दोबारा कब्जे का दावा किया।



रियाद एयरपोर्ट पर हमले से हवाई यातायात प्रभावित

हूती विद्रोहियों ने रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिसाइल से निशाना बनाने का दावा किया। हमले के बाद हवाई यातायात प्रभावित हुआ। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने जवाबी कार्रवाई में यमन में 80 से ज्यादा हूती सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही है

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.